आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹95715/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹116900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹127607/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 30 नवंबर 2025

साय ने कहा- मेडिसिटी मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में विकसित की जा रही मेडिसिटी मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत है। 200 एकड़ में विकसित हो रहा यह विशाल हेल्थकेयर सिटी आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ ही नहीं, ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, ▶▶|शेष पेज 6 पर

5,000 से अधिक बेड की क्षमता

सेक्टर 36–37 में 200 एकड़ में विकसित की जा रही मेडिसिटी में 5,000 से अधिक बेड की क्षमता और देश के अग्रणी हेल्थकेयर समूहों की भागीदारी इस परियोजना को देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य शहर के रूप में स्थापित करेगी। मेडिसिटी में मेडिकल ▶▶|शेष पेज 6 पर

गंडई निवासी कुंजाम दंपति का दर्दः एक ही आधार नंबर ने छीना राशन, रोका विकास

पति-पत्नी का आधार नंबर एक, 20 साल से सजा भुगत रहे गरीब, छीना राशन, बैंक खाता भी शून्य, जाएं तो जाएं कहां

विनोद नामदेव ▶▶| गंडई पंडरिया

अलग खबर

शासकीय व्यवस्था में हुई एक गंभीर चूक का खामियाजा गंडई के टिकरीपारा निवासी एक गरीब आदिवासी दंपति सुकलु कुंजाम और कमला कुंजाम, पिछले दो सालों से भुगत रहे हैं। बांस के झऊहा (टोकरी) बनाकर जीवन यापन करने वाले इस मेहनतकश परिवार का राशन इसलिए बंद है क्योंकि पति और पत्नी, दोनों का आधार नंबर एक ही जारी कर दिया गया है। यह एक ही गलती इस परिवार के लिए पिछले दो दशकों से आर्थिक अभिशाप बन चुकी है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

आधार नंबर की जुड़वाँ गलती बनी मुसीबत की जड़

मामला 20 साल पहले गंडई नगर में लगे पहले आधार कार्ड शिविर से जुड़ा है। कमला कुंजाम को उनका आधार कार्ड मिल गया, लेकिन सुकलु कुंजाम का कार्ड नहीं आया। कई प्रयासों के बाद भी कार्ड न मिलने पर, दो ▶▶|शेष पेज 6 पर

गरीब की थाली पर ताला और बैंक पर प्रतिबंध

इस एक गलती के कारण परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, सुकलु कुंजाम को राशन नहीं मिल रहा है क्योंकि उनके और उनकी पत्नी के आधार कार्ड की बायोमेट्रिक पहचान और नंबर ▶▶|शेष पेज 6 पर

आज शाम का समय निर्धारित किया गया, अनौपचारिक मुलाकात साथ में स्वल्पाहार

देश के भविष्य से मुलाकात करेंगे पीएम मोदी दो दर्जन छात्रों के साथ आज परीक्षा पर चर्चा

डॉ. हिमांशु द्विवेदी ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ में हैं। जाहिर है उनसे मुलाकात के लिए दिग्गज कतार में हैं। सभी लालायित हैं पीएम से एक मुलाकात के लिए। लेकिन पीएम ने लंबी मुलाकात के लिए चुना है भविष्य को। वे रविवार शाम ऐसे छात्रों से मुलाकात करेंगे जो इस वर्ष परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं। श्री मोदी छात्रों से मिलेंगे, परीक्षाओं को लेकर तनाव, तनाव प्रबंधन पर टिप्स देंगे उनकी बातें सुनेंगे और करेंगे परीक्षा पर चर्चा। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान पुलिस के आला अफसरों के साथ मैराथन बैठकें कर रहे हैं। वे सुबह से लेकर शाम तक डीजीपी-आईजीपी के साथ देश के मौजूदा और भविष्य के हालात पर गहन मंथन कर रहे हैं। उनका छत्तीसगढ़ प्रवास बेहद व्यस्त है। वे निजी तौर पर बेहद कम लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार उन्होंने अब तक केवल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ही निजी मुलाकात का वक्त दिया है।

खास खबर

सातवीं से 12वीं तक के छात्रों से करेंगे मुलाकात

छात्रों के साथ स्वल्पाहार

सूत्रों के अनुसार पीएम न छात्रों से बात करेंगे बल्कि स्पीकर हाउस में उनके साथ स्वल्पाहार भी करेंगे ताकि बातचीत अनौपचारिक रहे। वे दो दर्जन से ज्यादा छात्रों से संवाद में परीक्षा को लेकर होने वाले तनाव, तनाव प्रबंधन और भविष्य में उनके सपनों पर भी संवाद करेंगे।

एम-वन बंगले में होगी परीक्षा पर चर्चा

श्री मोदी ने शनिवार को सुबह 8 बजकर 10 मिनट से देर शाम तक डीजीपी कान्फ्रेंस की अगुवाई की। वहां से वे सीधे एम-वन, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह को आवंटित बंगले पहुंचे। ऐसा ही शेड्यूल उनका कल 30 नवंबर को है। वे कल सुबह 8 बजकर 20 मिनट पर विधानसभा अध्यक्ष निवास से आईआईएम में चल रही कान्फ्रेंस में शामिल होंगे। वहां 8 बजकर 35 मिनट से शाम 4 बजकर 30 मिनट तक मौजूद रहेंगे। उसके बाद वे छात्रों के साथ स्पीकर हाउस में सरकारी और निजी स्कूलों के छात्रों के साथ संवाद करेंगे। उनके मन की बात सुनेंगे और परीक्षा पर चर्चा करेंगे।

कान्फ्रेंस का दूसरा दिन, सिक्योरिटी सिस्टम पर हुआ मंथन

यह फोरम नेशनल सिक्योरिटी के लिए बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन के लिए जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रायपुर में पुलिस डायरेक्टर्स जनरल और इंस्पेक्टर्स जनरल की कांफ्रेंस की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने कहा कि कान्फ्रेंस में भारत के सिक्योरिटी सिस्टम के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह फोरम नेशनल सिक्योरिटी के क्षेत्र में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन को शेयर करने के लिए एक जरूरी प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता ▶▶|शेष पेज 6 पर

गौतम ने बताई नक्सलियों के खिलाफ रणनीति

प्रेजेंटेशन में छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था की जानकारी दी। सम्मेलन में देश समेत बस्तर में माओवाद के खिलाफ कार्रवाई और आगे की रणनीति पर छत्तीसगढ़ के डीजीपी ने जानकारी दी। बैठक में 31 मार्च 2026 के हिसाब से नक्सलवाद के खात्मे पर विस्तार से चर्चा होने की जानकारी भी सामने आई है।

कभी लाल गलियारे व जनताना सरकार का हेडक्वार्टर माने जाने वाले पूर्वती में अब बदूंक व बारूद की गंध नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं की महक व इसका लाभ लेते ग्रामीण नजर आते हैं। यह वहीं लाल गलियारा है, जहां कुछ समय पूर्व तक आम आदमी तो दूर फोर्स को भी काफी सोच समझकर कदम रखना पड़ता था, लेकिन अब हालात बदलने लगे हैं।

जनताना सरकार के हेडक्वार्टर 'पूवर्ती' में 'विष्णु सरकार' की चौपाल

नक्सलगढ़ में अब पहुंचने लगी हर व्यक्ति तक शासन की योजनाएं

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

पूवर्ती में अब नक्सलियों की धमक नहीं, बल्कि सरकारी नुमाइंदों की चौपाल नजर आती है, जहां विष्णु सरकार की योजनाओं का लाभ लेने ग्रामीणों में होड़ नजर आती है। यह वहीं इलाका है जो हाल ही में आध्रंप्रदेश में मारे गए 1.80 करोड़ के ईनामी दुर्दांत नक्सली लीडर व केन्द्रीय समिति सदस्य माड़वी हिड़मा का गृहग्राम पूवर्ती से लगा हुआ है। आध्रंप्रदेश के मारेडपल्ली इलाके में 18 नवम्बर की सुबह जिस समय माड़वी हिड़मा को फोर्स ने मार गिराया। ठीक उसी समय सुकमा जिला प्रशासन की ओर से पूवर्ती के सीआरपीएफ कैम्प के सामने चौपाल लगाया गया था। रगंबिरगें टेंट से सजे इस

शिविर में उत्सव का माहौल था। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण यहां छग शासन की योजनाओं का लाभ लेने अलग अलग विभाग के लगे टेबलों पर कतार लगाकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। सुकमा कलेक्टर देवेश ध्रुव के निर्देश पर यहां अलग अलग 17 सरकारी विभाग ने अपने स्टॉल लगाए थे। मौके पर ही सभी विभागों के प्रभारियों द्वारा लोगों की समस्याएं सुनी जा रही थी और उनका निराकरण भी किया जा रहा था।

बदलने लगे है हालत

नक्सल प्रभावित इन इलाकों में हर व्यक्ति तक जल्द से जल्द लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ व राहत देने प्रयासरत हैं। नक्सलवाद के चलते पूवर्ती तक पहुंचना पहले काफी मुश्किल थी, लेकिन अब हालत बदलने लगे हैं। शिविर के माध्यम से हम पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं, आने वाले समय में अंदरूनी इलाकों तक भी पहुंचेंगे।

सुभाष शुक्ला
एसडीएम, सुकमा।

योजनाओं का लाभ लेने डटे रहे ग्रामीण

लेकिन इस समय तक शिविर में माड़वी हिड़मा के मारे जाने की खबर नहीं लगी थी हालांकि कुछ घंटे बाद यहां मौजूद लोगों में माड़वी हिड़मा के मारे जाने की खबर फैल गई । लेकिन योजनाओं का लाभ लेने मौजूद ग्रामीण टस से मस नहीं हुए और अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसके बाद तीन दिन और 21 नवम्बर तक यहां शिविर लगा रहा और पूवर्ती और आसपास के ग्रामीण सरकारी योजनाओं का लाभ लेने प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचते रहे। हालांकि इस बीच हिड़मा का शव भी पूवर्ती पहुंच गया और उसका और उसकी पत्नी डीकेएसजेडसी राजे का अंतिम सस्कार भी हो गया।

आंतक के अंत के साथ ही पहुंचने लगा नक्सलगढ़ में विकास

जैसे जैसे नक्सलियों के मुठभेड़ में मारे जाने व समर्पण के साथ ही नक्सलवाद का अंत हो रहा है, वैसे वैसे नक्सलगढ़ में विकास पहुंचने लगा है। चार दिन के चौपाल में ई जिला प्रबंधक, स्वास्थ्य विभाग, मनरेगा, पीएम आवास, एनआरएलएम जिल पंचायत, खाद्य विभाग, राजस्व, समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास, पीएचई, कृषि, श्रम व उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाए गए स्टालों में रिकार्ड मामले निपटाए गए। शिविर में लोगों के 2555 आवेदन मिले और सभी का निराकरण भी कर दिया गया। इस दौरान जहां हितग्राहियों में पेंशन का वितरण किया गया, वहीं उनके आधार कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना समेत अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

हाईकोर्ट की खबरें

अनुभव की शर्त को दी गई चुनौती

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना व सूचना आयुक्त की नियुक्ति का विवाद गहराने लगा है। हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए अंबिकापुर के अधिवक्ता दिनेश्वर सोनी ने डीबी में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने दोनों पदों पर नियुक्ति के लिए बाद में जोड़े गए 25 वर्ष के अनुभव को चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता के पास बी.ए. एल.एल.बी. की शैक्षणिक योग्यता है। पेशे से अधिवक्ता है। बीते 20 वर्षों से कानून की प्रैक्टिस कर रहें हैं। उन्होंने राज्य सूचना आयुक्त के पद के लिए आवेदन किया है। अब लेकिन सरकार की ओर से 25 सालों का अनुभव अनिवार्य कर दिया गया है। यह भी उल्लेख किया गया कि उक्त मानदंड ऐसे पद के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या को देखते हुए पेश किए गए हैं। राज्य गठित समिति द्वारा उपर्युक्त मानदंड गलत है। इसका उल्लेख न तो 4 मार्च 2025 के विज्ञापन में किया गया है और ना ही इसे सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किया गया है।

ई-नीलामी से कंपनी को बाहर किया, बीएसएनएल के फैसले को सही ठहराया

बिलासपुर। भूखंड की ई-नीलामी प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने बीएसएनएल के निर्णय को सही ठहराते हुए याचिकाकर्ता कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया है। डिवीजन बेंच ने कहा, तकनीकी बोली को अस्वीकार करना आरएफपी के पूर्णतः अनुरूप है और संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हस्तक्षेप का औचित्य नहीं रखता। याचिकाकर्ता अग्रवाल संस की प्रोप्राइटर पुष्पा अग्रवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एन.के. शुक्ला और अधिवक्ता शैलेन्द्र शुक्ला, प्रतिवादी चेयरमैन बीएसएनएल व जीएम बीएसएनएल की ओर से अधिवक्ता संदीप दुबे ने पैरवी की। अग्रवाल संस की प्रोप्राइटर पुष्पा अग्रवाल ने सीनियर एडवोकेट डा एनके शुक्ला व अधिवक्ता शैलेंद्र शुक्ला के माध्यम से हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने 04 नवंबर 2025 के ई-मेल संचार को रद्द करने की मांग की थी।

सभी मोर्चा की कार्यकारिणी, प्रदेश संगठन की कार्यसमिति का होना है ऐलान

एसआईआर के कारण अटका प्रदेश भाजपा संगठन का विस्तार, अब अगले माह होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिहार का चुनाव निपटने के बाद इधर एसआईआर को लेकर भाजपा का पूरा संगठन भी लगा हुआ है। ऐसे प्रदेश भाजपा संगठन का विस्तार नहीं हो पा रहा है। एसआईआर का काम चार दिसंबर को समाप्त होने के बाद दिसंबर में ही भाजपा संगठन का विस्तार हो पाएगा। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बिहार चुनाव में लगातार चार माह लगे रहने के बाद जब लौटे तो वे यहां पर संगठन की बैठक लेकर संगठन के विस्तार पर चर्चा कर चुके हैं।

उन्होंने सबसे पहले सभी मोर्चा के अध्यक्षों को अपनी कार्यकारिणी जल्द से जल्द बनाने का फरमान सुनाया है। इसी के साथ अब सबसे अहम कार्यसमिति का ऐलान होना है। इसके अलावा अब तक प्रकोष्ठों में बदलाव नहीं हो सका है। प्रकोष्ठों में संयोजक और सहसंयोजक बनाए जाने हैं। इसको लेकर भी तैयारी है, लेकिन सभी काम दिसंबर में ही संभव होंगे। प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी का लंबे इंतजार के बाद बीते माह 13 अगस्त को ऐलान हुआ है। इसमें बड़ा बदलाव किया गया है। डेढ़ दर्जन से ज्यादा नए चेहरों को इसमें रखा गया है। इसके पीछे का कारण यह है कि पुराने पदाधिकारियों को नए पद मिल चुके हैं।

ऐसे में इनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। अब कार्यकारिणी के बाद सबसे अहम कार्यसमिति के सदस्य बनाने का काम करना है। इसका ऐलान अब तक नहीं हो सका है।

प्रकोष्ठों में संयोजक और सहसंयोजक बनाए जाने हैं

मोर्चा की कार्यकारिणी बनाने पर फोकस

संगठन के विस्तार में सबसे बड़ा फोकस संगठन के सात मोर्चों की कार्यकारिणी पर है। मोर्चों में सबसे अहम भाजयुमो, महिला मोर्चा और किसान मोर्चा को माना जाता है। इसी के साथ बाकी के चार मोर्चा भी महत्वपूर्ण हैं। सभी के अध्यक्षों के साथ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश के संगठन के महामंत्री पवन साय की बैठक हो चुकी है। सभी से जल्द से जल्द अपनी कार्यकारिणी बनाने के लिए कहा गया है। लेकिन इस समय सभी एसआईआर में लगे हैं। मोर्चों की कार्यकारिणी भी अब दिसंबर में ही बन पराएगी।

कार्यसमिति में होगा फेरबदल

इस समय भाजपा की जो कार्यसमिति है, उसमें कई नाम ऐसे हैं जिनको जहां दूसरे पद मिल गए हैं, वहीं जिन पुराने सांसदों को कार्यसमिति में रखा गया था, अब वे सांसद नहीं हैं। हालांकि इनमें से अब कुछ विधायक बन गए हैं। पुराने सदस्यों में जो सांसद थे उसमें संतोष पांडेय और विजय बघेल तो अब भी सांसद हैं लेकिन सुनील सोनी, गोमती साय और रेणुका सिंह इस समय सांसद नहीं हैं, लेकिन ये विधायक जरूर हैं। इनको सदस्य के रूप में रखा जा सकता है। लेकिन इसका फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व से पूछ कर ही होगा। मोहन मंडावी, गुहाराम अजगले, चुन्नीलाल साहू इस समय सांसद नहीं हैं। इसी तरह से रणविजय सिंह जूदेव भी इस समय राज्य सभा सदस्य नहीं हैं। इसी तरह से अशोक बजाज इस समय कार्यालय मंत्री बन गए हैं। संगठन के महामंत्री संजय श्रीवास्तव नान के अध्यक्ष बन गए हैं। अन्य पद पाने वालों में जो नाम शामिल हैं, उनमें पूजा विधानी और मीनल चौबे महापौर बन गई हैं। कुल मिलकर यह तय है कि कार्यसमिति में कई चेहरे बदले जाएंगे।

स्कूली शिक्षिका के अपहरण की साजिश खुली, ऑटो चालक निकला किडनैपर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

पुलिस ने स्कूली शिक्षिका के अपहरण की साजिश का खुलासा शनिवार को किया है। पुलिस ने सुभाष चौक, कैम्प-1 निवासी ऑटो चालक इन्तखाब आलम (42) को हिरासत में लिया है। ऑटो को भी जब्त कर लिया है। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

एएसपी दुर्ग ग्रामीण अभिषेक झा से मिली जानकारी के अनुसार 28 नवंबर को कैम्प-1 निवासी प्रार्थी मुकेश साहू द्वारा थाना छावनी में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया कि उसकी पत्नी राधा साहू (43) फोन कर बताई कि अपने कार्यस्थल सेक्टर-8 स्थित स्नेह सम्पदा स्कूल जा रही है और घर से निकली थी। मुकेश साहू के मोबाइल पर सुबह उसकी पत्नी के मोबाइल से काल कर अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि उसकी पत्नी को किडनैप कर लिया गया है और फिरौती की रकम 5 लाख रुपए दें।

■ अपहरण के बाद मांगी गई थी 5 लाख रुपए की फिरौती

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना छावनी में धारा 140(2), 127(8), 308(5) बीएनएस एवं 66-डी आईटी एक्ट कायम कर तत्काल एसीसीयू, थाना एवं अन्य पुलिस टीमों के साथ मुखबिर एवं टेक्निकल टीमों को सक्रिय कर किडनैपर ऑटो चालक इन्तखाब आलम को गिरफ्तार कर लिया गया।

एससीएसटी एक्ट के तहत दी गई सजा हाईकोर्ट से रद्द

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने ग्रामीणों के खिलाफ अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत सुनाई गई सजा को रद्द करते हुए ग्रामीणों को दोषमुक्त किया है। प्रकरण के मुताबिक कोरिया जिला के सोनहत थाना क्षेत्र के ग्राम बोधर निवासी प्रेमसाय राजवाड़े, ठाकुर प्रसाद रजवाड़े एवं धरम साय रजवाड़े के खिलाफ सोनहत पुलिस ने छोटेलाल की शिकायत पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया था। विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी ने तीनों को 3 जुलाई 2013 को धारा 294 में एक माह कैद 500 रुपए पेनाल्टी, 506 में एक माह कैद 500 रुपए पेनाल्टी तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण

अधिनियम के विभन्न धारा में 6 माह कैद 500 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई थी।

शिकायतकर्ता छोटेलाल और आरोपी व्यक्ति एक ही गांव के हैं। शिकायतकर्ता अनुसूचित जनजाति समुदाय की खैरवार जाति से है, जबकि आरोपी पिछड़े वर्ग की राजुआर जाति का हैं। फरवरी, 2010 को शिकायत करने वाला चुनाव लड़ रहा था, जिसमें वह जीत गया और अपील करने वाला धरमसाय चुनाव हार गया। उसी समय से आरोपी शिकायत करने वाले से नाराज़ थे। 6 मार्च 2011 को आरोपियों ने एक बैठक बुलाई और तय किया गया कि गांव का कोई भी व्यक्ति शिकायत करने वाले छोटेलाल से रिश्ता रखेगा, या उसके साथ अच्छा व्यवहार करेगा, उसे एक हजार रुपए का जुर्माना देना होगा। 6 मार्च को आरोपियों ने शिकायत करने वालों के घर पहुंचकर गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही कहा गया कि गांव छोड़ दो वरना बुरा होगा। इसकी पुलिस में शिकायत की गई। पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं करने पर कोर्ट में परिवाद दायर किया गया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर चालान पेश किया था।

नई गाइड लाइन से काठाडीह इलाके में 5 गुना बढ़ गई जमीन की कीमत, प्रति वर्ग मीटर 2600 की जगह 12500 हुई

शहर से लगे कई इलाकों में इसी तरह बढ़ी कई गुना कीमत, कीमत बढ़ने से स्टाम्प-पंजीयन शुल्क भी बढ़ा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की नई गाइड लाइन से शहर और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जमीन की कीमत कई गुना बढ़ गई है। राजधानी रायपुर शहर से लगे ग्रामों की बात करें, तो ग्राम काठाडीह में ही जमीन की कीमत लगभग पांच गुना बढ़ गई है। वर्ष 2018 में इस इलाके के मुख्य मार्ग से 20 मीटर लगी जमीन की कीमत 2600 रुपए प्रति वर्ग मीटर थी, जो वर्ष 2025 की नई गाइड लाइन के बाद 12 हजार 5 सौ रुपए पहुंच गई है, जो पहले की तुलना में पांच गुना अधिक है। इधर बाजार भाव में काठाडीह क्षेत्र की जमीन की कीमत पांच गुना बढ़ने से रजिस्ट्री कराना भी पांच गुना महंगा हो गया है। इस क्षेत्र के सेजबहार, बोरियाकला, मुजगहन सहित अन्य कई ग्रामों की जमीन के मूल्य में भी भारी वृद्धि आई है।

नई गाइड लाइन के अनुसार शहर से लगे ग्राम काठाडीह, बोरियाकला, भटगांव, सेजबहार पुराना धमतरी रोड, मुजगहन, कांदुल, धनेली, दतरेंगा, डोमा सहित अन्य कई इलाकों की जमीन की कीमत में बेतहाशा वृद्धि हुई है। कई इलाकों में दोगुना से लेकर 5 गुना तक जमीन की कीमत बढ़ी है। बाजार मूल्य में आई इस वृद्धि के बाद कई क्षेत्रों में अब जमीन की खरीदी-बिक्री पर ब्रेक लग गया है। जमीन का बाजार मूल्य बढ़ने के कारण अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराना भी महंगा हो गया। रजिस्ट्री के दौरान लगने वाला स्टाम्प शुल्क और पंजीयन शुल्क भी जमीन की बढ़ी कीमत की तरह कई गुना बढ़ गई है। उदाहरण के लिए जिस प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने में पहले अगर एक लाख रुपए लगता था, बाजार मूल्य में उस प्रॉपर्टी की कीमत पांच गुना बढ़ गई है, तो उसकी रजिस्ट्री कराने में भी पांच गुना अधिक रुपए लगेंगे। इस तरह एक लाख की जगह पांच लाख रुपए खर्च करना होगा।

उल्लेखनीय है कि नई गाइड लाइन से रायपुर से लगे ग्रामों के अलावा आरंग, अभनपुर, तिल्दा ब्लॉक क्षेत्र के ग्रामों में भी जमीन की कीमत में कई गुना वृद्धि हुई है। इनमें ज्यादातर ऐसे ग्राम शामिल हैं, जहां से मुख्य रोड, रेलवे लाइन, रेलवे स्टेशन, भारत माला सड़क गुजरी है।

नारायणपुर से 130 किमी दूर माड़ क्षेत्र में खुला नया कैम्प

नक्सलियों की लंका लगाई, फोर्स ने किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नारायणपुर पुलिस ने ओरछा-आदेर से बीजापुर जिले के बेदरे बार्डर लंका तक सड़क कनेक्टिविटी के साथ ही लंका में नया कैम्प शुरू कर दिया है। लंका में नया कैम्प खुलने के बाद माड़ बचाओ अभियान के तहत शीघ्र ही मोबाइल टावर और सरकारी योजनाओं से 30 से अधिक गांव के हजारों लोग लाभान्वित होंगे।

■ मोबाइल टावर और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित होंगे 30 से अधिक गांव के हजारों लोग

गौरतलब है कि नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही शासन अब उन इलाकों तक पहुंचने लगी है जहां पहले पहुंचना मुमकिन नहीं था। लेकिन जैसे जैसे नए कैम्प खुल रहे है शासन की पहुंच अंदरूनी इलाकों के ग्रामीणों तक पहुंचने लगी है। इस वर्ष जिले में डेढ़ दर्जन से

अधिक नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप खोले जा चुके है। शुक्रवार को बीजापुर जिले के बेदरे की सीमा से लगे इन्द्रावती नदी के किनारे स्थित ग्राम लंका में नारायणपुर पुलिस, डीआरजी व आईटीबीपी 44 वीं बटालियन द्वारा नया कैम्प खोला गया।

नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने के लिए क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी माड़ बचाओ अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही अबूझमाड़ में लगातार नवीन कैम्प स्थापित करते हुए सड़क पुल-पुलिया निर्माण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को अंदरूनी गांव तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में ओरछा थाना के ग्राम लंका क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों एवं ओरछा-आदेर-लंका एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यो में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से नारायणपुर पुलिस ने घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र माओवादियों के आश्रय स्थल ग्राम लंका में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है।

इन गावों में मिलेगी सुविधा

लंका में नवीन कैम्प स्थापित होने से आसपास क्षेत्र अंगमेटा कुमरमेटा, कवंडे, पुसलंका, बुरी, जपामरका और लंका में सड़क, पुल-पुलिया, शिक्षा, चिकित्सा, मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार होगा। अब क्षेत्र में सुरक्षा के निगरानी में सड़क निर्माण सहित अन्य सुविधाओं को आम जनता तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जाएगा।

जिले में खुले चुके कैम्प

नारायणपुर पुलिस ने इस वर्ष अब तक नक्सलियों के अघोषित राजधानी कुतुल समेत नक्सलियों के आश्रयस्थल कोडलियर, बेडमाकोटी, पदमकोट, कान्दुलपार, नेलांगूर, पांगूड, रायनार, एडजुम, ईंदवाया, आदेर, कुड़मेल, कोंगे, सितरम, तोके, जाटलूर, धोबे, डोडीमरका, पदमेटा और लंका में कैम्प खोले गए है।

जमीन खरीद की नई गाइडलाइन पर बोले मेनन- यह यू टर्न की सरकार, छत्तीसगढ़ को बना दिया प्रयोगशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की जमीन खरीद की नई गाइ डलाइन को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा, यह यू-टर्न की सरकार है। छत्तीसगढ़ को प्रयोगशाला बना दिया है। ये सरकार पहले निर्णय लेती है, फिर जनता की नाराजगी देखती है, उसके बाद यू-टर्न लेती है। बिजली बिल में ऐसा किया, शराब नीति में ऐसा किया और अब जमीन की दरों में भी वही हो रहा है। उन्होंने कहा, प्रदेश में असमंजस की स्थिति है। समझ नहीं आता कि सरकार चला कौन रहा है, यह शोध का विषय है।

कांग्रेस भवन में संवाददाताओं से चर्चा में नगर निगम के पूर्व सभापति प्रमोद दुबे ने कहा, सरकार पिछले एक सप्ताह से गाइड लाइन के तत्वहीन फायदे गिनाकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने बिजली बिल बढ़ोतरी, किसानों पर बोझ और महंगाई को लेकर भी सरकार पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा, भाजपा शासन ने किसान और आम आदमी के पेट पर लात और पीठ पर कोड़ा मारा है। प्रमोद दुबे ने चुनौती देते हुए कहा, यदि सरकार गाइड लाइन को लेकर कांग्रेस नेताओं के फायदे के आरोप पर श्वेत पत्र जारी नहीं करती, तो कांग्रेस भाजपा नेताओं की जमीन का "काला पत्र" जारी करेगी। ओपी चौधरी फेसबुक पोस्टों में रेट तय करवाने की कोशिश कर रहे हैं और खुद जनता ही कमेंट में उनका जवाब दे रही है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, कांग्रेस शासन में जमीन दरें कम की गई थीं और रजिस्ट्री ऑफिस में काम तेजी से होता था। राजस्व बढ़ रहा था और जनता संतुष्ट थी। आज स्थिति देखकर फर्क समझ में आ जाएगा। सरकार ने बिना सोचे-समझे भारी बढ़ोतरी कर दी, जिससे जनता और सरकार दोनों को नुकसान हुआ है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार, 30 नवंबर 2025

राजधानी के रेलवे स्टेशन परिसर में चाइल्ड ट्रैफिकिंग गैंग सक्रिय है। स्टेशन परिसर के पास से 10 दिन के भीतर बच्चा चोरी की दूसरी वारदात सामने आई है। अज्ञात महिला 21 नवंबर को तड़के सात बजे डोंगरगढ़ से आए युवक की दो वर्षीय बेटी चोरी कर ले गई। जीआरपी पुलिस ने शून्य में अपराध दर्ज कर केस डायरी एसएसपी के पास भेज दी है। घटना के नौ दिन बीत जाने के बाद भी चोरी गई बच्ची का अब तक पुलिस पता नहीं लगा पाई है।

बीवी से झगड़कर पिता बच्ची के साथ पहुंचा रायपुर रेलवे स्टेशन, दो साल की बेटी को चुरा ले गए अज्ञात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डोंगरगढ़ निवासी प्रशांत भट्ट तथा उसकी पत्नी ने जीआरपी में अपनी दो साल की बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रशांत की पत्नी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 20 नवंबर को उसका अपने पति के साथ विवाद हो गया। विवाद होने पर प्रशांत अपनी दो साल की बेटी को साथ लेकर डोंगरगढ़ से रायपुर आ गया। प्रशांत रेलवे ⏭शेष पेज 6 पर

पत्नी से विवाद के बाद युवक बेटी के साथ डोंगरगढ़ से रायपुर पहुंचा था

दो पुरुषों के शामिल होने की बात सामने आ रही

दो साल की बच्ची के चोरी होने की घटना में दो पुरुषों के शामिल होने की भी बात सामने आई है। बच्ची की मां वर्षा ठाकुर के अनुसार पति से घटना की जानकारी मिलने पर वह आनन-फानन में रायपुर पहुंची। घटना स्थल के आसपास के लोगों से वर्षा ने जानकारी जुटाई, तो उन लोगों ने बताया कि दो अज्ञात व्यक्तियों को उन लोगों ने बच्ची को चाकलेट तथा बिस्किट देते देखा था। साथ ही बच्ची को नए कपड़े पहनाते देखा था। तब मौके पर उपस्थित लोग उन दोनों अज्ञात को बच्ची का परिजन समझ कर कुछ नहीं बोले।

छह माह के भीतर तीसरी वारदात

रेलवे स्टेशन परिसर से बच्चा चोरी की छह माह के भीतर यह तीसरी वारदात है। मई में अज्ञात चोर ने दंपति की गोद से चार माह की बच्ची चोरी की थी। इसके बाद 17 नवंबर को पांच साल का बच्चा चोरी की घटना हुई थी। पूर्व में गायब दोनों बच्चे जीआरपी की तत्परता की वजह से रिकवर कर लिए गए और जीआरपी ने आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। 21 नवंबर को चोरी गई बच्ची स्टेशन परिसर के बाहर की है। इस वजह से जीआरपी ने शून्य में अपराध दर्ज किया है। स्थानीय पुलिस अब तक चोरी गई मासूम की पतासाजी नहीं कर पाई है।

मामला पुलिस को सौंपा

हमने शून्य में मामला दर्ज किया था। उसे एसएसपी कार्यालय भेज दिया है। -श्वेता सिन्हा, एसपी, रेलवे

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अनंत गोयनका बने फिक्की के अध्यक्ष

नई दिल्ली। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने 2025-2026 के लिए फिक्की के

अध्यक्ष का पद संभाला। उद्योग निकाय ने कहा कि गोयनका ने इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन अग्रवाल की जगह ली है। उद्योग निकाय ने कहा कि गोयनका के पास केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए और व्हार्टन स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री है।

दो कार की टक्कर होने से पांच की मौत

कुरनूल। कुरनूल जिले के कोटेकल गांव में शनिवार को दो कार के बीच आमने-सामने की टक्कर होने से दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना तड़के करीब साढ़े चार बजे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-167 पर हुई। येमिगनूर मंडल के कोटेकल गांव में तड़के दो कार की आमने-सामने की टक्कर होने से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो लोग घायल हुए हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है और उसे कुरनूल सरकारी जनरल अस्पताल (जीजीएच) रेफर किया गया है।

अवैध हथियार बेचने के आरोप में पांच गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बदमाशों के पास से तीन पिस्तौल, तीन तमंचे, 50 हजार रुपये और दो कार बरामद की हैं। शुक्रवार रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि काले रंग की एक स्कॉर्पियो कार व नीले रंग की एक बलेनो कार में सवार कुछ लोग अवैध हथियार बेचने के लिए ग्रेटर नोएडा आए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहनों की जांच शुरू की और बुढ़िया गोल चक्कर के पास स्कॉर्पियो और बलेनो कार को रोक लिया।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रमुख का विवादित बयान

मौलाना मदनी बोले- सुप्रीम कोर्ट को 'सुप्रीम' कहलाने का हक नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, दुख की बात है कि पिछले कुछ सालों में खासकर बाबरी मस्जिद और तीन तलाक जैसे मामलों में आए फैसलों के बाद ये राय बन रही है कि अदालतें हुकूमत के दबाव में काम कर रही हैं। मौजूदा वक्त में वर्शिप एक्ट को नजअंदाज करते हुए ज्ञानवापी और मथुरा के मामलों की सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट उस वक्त तक ही सुप्रीम कहलाने का हक रखता है कि जब तक कि वो संविधान पर अमल कर रहा है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित जमीयत उलेमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग बॉडी मीटिंग में उन्होंने जिहाद शब्द को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर टिप्पणी की। महमूद मदनी ने कहा, इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसी इस्लाम की पवित्र अवधारणा को दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदल दिया है। लव जिहाद, लैंड जिहाद, तालीम जिहाद और थूक जिहाद जैसे जुमले इस्तेमाल करके मुसलमानों को गहरी ठेस पहुंचती है और उनके धर्म का अपमान होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और मीडिया में जिम्मेदार पदों पर बैठे ⏭शेष पेज 6 पर

विशेष समुदाय को निशाना बनाया जा रहा

जमीयत उलमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग मीटिंग में मौलाना महमूद मदनी ने कहा, देश की वर्तमान स्थिति अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक है। दुख की बात है कि यह कहना होगा कि एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अन्य समुदायों को कानूनी रूप से शक्तिहीन, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। उनके धर्म, पहचान और अस्तित्व को कमजोर करने के लिए मॉब लिंचिंग, बुलडोजर कार्रवाई हो रही है।

भाजपा ने बोला हमला, कहा- भड़काऊ बयान

भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महमूद मदनी के

बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा, एक बैठक में, जिस तरह से जमीयत-ए-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने भोपाल में कहा कि जहां भी किसी भी तरह का दमन हो, वहां 'जिहाद' छेड़ा जाना चाहिए, वह न केवल भड़काऊ है बल्कि प्रकृति में विभाजनकारी है। मुझे लगता है कि यह शब्द बहुत गलत है। हमने लोगों को जिहाद के नाम पर आतंक फैलाते देखा है, न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में।

सूज गया गाल, लोगों में आक्रोश

गिनती नहीं सुनाने पर प्रधान पाठक ने दूसरी के छात्र पर बरसाए थप्पड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

मासूम बच्चों के साथ स्कूलों में बर्बरता की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। सूरजपुर जिले के रामानुजनगर क्षेत्र में कक्षा दूसरी के छात्र को पेड़ से लटकाने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है और दूसरी तरफ एक शिक्षक द्वारा छात्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामना गया। गिनती नहीं सुना पाने पर अपना आपा खो ⏭शेष पेज 6 पर

जारी किया गया निलंबन आदेश

इधर, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने घटना की जांच कराई। जांच में छात्र के साथ मारपीट की पुष्टि हुई है और छात्र का चेहरा सूज गया है। प्रधान पाठक उदय कुमार यादव का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम-1965 के नियम-03 का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे में डीईओ ने प्रधान पाठक उदय कुमार यादव को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

हथियार लेकर पहुंचे दर्रेकसा दलम के 89 लाख ईनामी नक्सली

एमएमसी जोन के एसजेडसी मेंबर ने 11 साथियों के साथ किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

बोरतलाव के समीप कनघुर्रा के जंगल में हाल ही में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ के बाद एमएमसी जोन के दर्रेकसा दलम के एसजेडसी मेंबर विकास नगपुरे ने अपने 11 साथियों के साथ महाराष्ट्र के गोंदिया में आत्मसमर्पण कर दिया। एमएमसी जोन के एसजेडसी मेम्बर विकास ने 11 नक्सल साथियों संग महाराष्ट्र में समर्पण किया। विकास एमएमसी जोन के कुख्यात नक्सलियों की सूची में शीर्ष रहा है। उसकी लंबे समय से पुलिस तलाश करती रही है। इसके अलावा डीवीसी मेम्बर नागसु उर्फ गोलू तथा रानो उर्फ रम्मो ने भी हथियार डाले हैं। इस तरह कुल 11 नक्सलियों ने समर्पण किया है। विकास पर सर्वाधिक 25 लाख और नागसु और रानो पर क्रमशः 16-16 लाख रुपए का ईनाम था। अन्य नक्सलियों पर 6 से 2 लाख रुपए के ईनाम थे।

छग और एमपी में नहीं बना माहौल

हार्डकोर नक्सली विकास के छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में समर्पण नहीं करने को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही है। बताया जा रहा है कि दोनों राज्य दर्रेकसा दलम के नक्सलियों को समर्पण के लिए उन्मुक्त माहौल बनने का विश्वास दिलाने में पीछे रह गए। पिछले दिनों बोरतलाव में हुए नक्सल-पुलिस मुठभेड़ में शहादत की घटना के कारण भी विकास और उनके साथी दोनों राज्य में समर्पण करने से बिदक गए। इस घटना के बाद से राजनांदगांव-बालाघाट की पुलिस नक्सलियों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी।

पहले मोहलत मांगी, फिर कर दिया समर्पण

समर्पण से एक दिन पहले एमएमसी जोन के प्रवक्ता अनंत के रूप में विकास ने तीनों राज्य के पुलिस से 01 जनवरी 2026 तक मोहलत मांगी थी, लेकिन अचानक सभी ने गोंदिया जिले के दर्रेकसा क्षेत्र में समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सलियों का नक्सल डीआईजी अंकित गोयल के अलावा अन्य अफसरों ने स्वागत किया। विकास ने समर्पण के दौरान एके-47 को पुलिस के हवाले कर दिया। इसी तरह एसएलआर और इंसास के अलावा अन्य हथियार भी नक्सलियों ने पुलिस को सौंप दिया।

नेपाल में उतरते समय विमान से टकराया पक्षी

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। हालांकि, हवाई अड्डा सूत्रों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्धा एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3.45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना के बाद, एक तकनीकी टीम ने विमान की सुरक्षा जांच की। अधिकारी ने बताया कि घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

आजकल हरिभूमि

भारत में चार नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। कह सकते हैं कि देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

नए श्रम कानूनों से बदलेगी तस्वीर

विश्लेषण

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

सालों से इंतजार किए जा रहे चार नए श्रम कानूनों को बीती 21 नवंबर को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। 29 श्रम कानूनों को खत्म करके चार नए कानून पेश किए गए हैं, जो सभी तरह के कर्मचारियों को कवर करते हैं। इस कानून के तहत सैलरी, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी और समान काम की समान सैलरी आदि जैसे बदलाव हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। केंद्र सरकार की इस कदम से कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वादा किया गया है।

इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

सैलरी का दायरा बढ़ेगा

नए कानूनों के तहत कर्मचारियों को समय पर सैलरी दी जाएगी। देशभर में मिनिमम सैलरी का दायरा बढ़ेगा यानी कि बाकी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इसके अंतर्गत लाया जाएगा, ताकि कोई भी सैलरी इतनी कम नहीं हो कि कर्मचारियों का जीवन-यापन कठिन हो। नए कानून के तहत अब ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि 1 साल की सर्विस पर ही ग्रेच्युटी दी जाएगी। यह ग्रेच्युटी फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को भी मिलेगी। इन कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के बराबर ही सभी फायदे जैसे छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा भी दी जाएंगी। नए कानून के तहत एक और बड़ा बदलाव यह है कि सभी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने का किया गया है। इसके अलावा गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स ओर एग्रीगेटर्स को इन कानूनों के तहत पहली बार डिफाइन किया गया है। इन्हें भी आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से वेलफेयर बेनिफिट्स दिया जाएगा, जिसमें पीएफ से लेकर पेंशन तक का लाभ शामिल होगा। 40 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों को सालाना फ्री हेल्थ चेकअप दिया जाएगा। केंद्र सरकार मजदूरों की बेहतर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानदंड बनाएगी।

महिला कर्मियों का हित

नए कानूनों के तहत महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं, जिसमें अंडरग्राउंड माइनिंग, भारी मशीनरी और खतरनाक काम शामिल हैं, जिससे सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर साइट पर ऑन-साइट सेफ्टी मॉनिटरिंग के लिए जरूरी सेफ्टी कमेटी और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग पक्का करना है। वहीं फिक्स्ड-टर्म एम्प्लॉई (एफटीई) से रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा, स्थायी कर्मचारी के बराबर फायदे जैसे कानूनी सुरक्षा पक्की होगी। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को समाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। महिला-पुरूष भेदभाव कानूनी तौर पर नकार दिया गया है। महिला हो या पुरुष समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में भी काम करने का अधिकार होगा। सभी कामगारों के लिए मिनिमम सैलरी की गारंटी होगी। सभी तरह के कर्मचारियों को ऑफर लेटर देना होगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा, रोजगार विवरण और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। छुट्टी के दौरान मजदूरी देना अनिवार्य किया गया है। मजदूरों को केंद्र सरकार की ओर से तय की गई फ्लोर वेज के हिसाब से वेतन दिया जाएगा।

ग्रेच्युटी व प्रोविडेंट फंड बेहतर

सभी प्रवासी कामगारों (डायरेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर-बेस्ड और खुद माइग्रेटेड) को बराबर वेतन, वेलफेयर बेनिफिट और पीडीएस पोर्टेबिलिटी का लाभ दिया जाएगा। कामगार 3 साल तक लंबित बकाय के निपटारे के लिए दावा कर सकते हैं। सभी डॉक वर्कर्स के लिए प्रोविडेंट फंड, पेंशन और बीमा के लाभ तय कर दिया गया है, चाहे कॉन्ट्रैक्ट वर्कर हैं या अस्थायी कर्मचारी। जानकारों के मुताबिक नए लेबर कोड्स 'कोड ऑन वेजेज' और 'सोशल सिक्योरिटी' के तहत 'वेजेज' (सैलरी) की परिभाषा को एक जैसा बनाते हैं। इससे ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड बेहतर होगा, लेकिन अगर कंपनियां खर्च कम करने के लिए अलाउंस घटाती हैं, तो हाथ में आने वाली सैलरी कम हो सकती है। श्रम क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, अब 'वेजेज' में बेसिक पे, डियरनेस अलाउंस यानी डीए और रिटेनिंग अलाउंस यानी आरए शामिल होंगे। कुल कमाई का 50 प्रतिशत (या सरकार द्वारा तय की गई कोई और प्रतिशत राशि) 'वेजेज' में जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में एकरूपता आएगी। पहले कंपनियां बेसिक सैलरी कम रखकर बाकी पैसा अलग-अलग भत्तों के रूप में दे देती थीं। इससे पीएफ और ग्रेच्युटी में उनका योगदान कम होता था। लेकिन अब सरकार ने नियम बना दिया है कि आपकी कुल सैलरी यानी सीटीसी का कम से कम आधा हिस्सा बेसिक सैलरी होना चाहिए। इससे आपकी रिटायरमेंट सेविंग्स तो बढ़ेंगी, लेकिन हर महीने हाथ में आने वाले पैसे थोड़े कम हो सकते हैं। यह एक तरह से आपकी भविष्य की सुरक्षा के लिए अच्छा कदम है, भले ही अभी थोड़ा जेब पर भारी पड़े। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं।

जमीनी स्तर पर हो बदलाव

सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

नए श्रम कानून : श्रमिक जीवन का नया सूर्योदय

उम्मीद

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमिक कल्याण की प्रतिबद्धता से जुड़े नए श्रम कानून के लागू हो जाने के बाद से शोषण की कूटनीति को समाप्त करने का मार्ग खोला जा सकेगा। पुराने कानूनों में राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए किए जाने वाले घेराव के साथ तालाबंदी जैसी औद्योगिक गतिविधियों को भी रोका जा सकेगा। 'श्रमेव जयते' जैसे सार्थक शब्द का आह्वान श्रम के क्षेत्र में विकास यात्रा के मार्ग को सुगम बनाते हुए श्रम की गरिमा और श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक बनकर जरूर उभरेगा। आजाद हिंदुस्तान में अब तक जो श्रम कानून चल रहे थे, वे आजादी से पूर्व 1920 और आजादी के तुरंत बाद 1950 में लागू किए गए थे। कहीं न कहीं अंग्रेजों की सोच कानून में घुली हुई थी। 105 वर्षों की लंबी यात्रा में समय-काल-परिवर्तन के अनुसार युगकालीन परिवर्तन स्पष्ट दिखाई पड़ रहे थे। तब समय की जरूरत के हिसाब से कानून में परिवर्तन करना एक अच्छी सोच कही जा सकती है। अलग-अलग टुकड़ों में बंटे 29 श्रम कानूनों को चार मुख्य कोड में समेटना कहीं न कहीं पेचीदे कानून को सरल बनाने की दिशा में एक अच्छा निर्णय माना जाना चाहिए। वर्तमान केंद्रीय सरकार की यह सोच कि निजी क्षेत्रों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को सम्मानित जीवन मिले। अनुकूल कार्य क्षेत्र की प्राप्ति हो। समान वेतन का हक मिले, निम्न तबके को कल्याणकारी योजना की ओर अग्रसर करता है। नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इन कानूनों के चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी, वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी। नए नियमों के अनुसार अब नियोक्ता को किसी भी परिस्थिति में अपने कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान करना होगा। सबसे बड़ा लाभ सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली ग्रेच्यूटी के रूप में होगा। पुराने कानून जहां कम से कम पांच वर्ष के सेवाकाल के बाद ही ग्रेच्युटी भुगतान की जंजीरों में जकड़ दिए गए थे, वहीं अब नए कानून के तहत हर वह कर्मचारी जिसने एक वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है, ग्रेच्यूटी का हकदार होगा। हमारा पुराना श्रम कानून जहां महिला और पुरुषों के वेतन की विसंगति से जूझ रहा था, अब महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर वेतन का अधिकार प्रदान कर रहा है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो जेंडर आधारित भेदभाव को नए कानून ने कचरे के डिब्बे में डाल दिया है। चार नए श्रम कोड के चलते प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों का जीवन सम्मानित और सुनियोजित तरीके से सांस ले पाएगा। नए कानून को कार्यरूप देने के पीछे जो उद्देश्य नजर आ रहे हैं, वे कर्मचारियों को लाभान्वित करने के साथ ही कार्यक्षेत्र में किए जाने वाले शोषण को समाप्त करने वाले हैं। साथ ही इन कानूनों में सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा नियोक्ताओं को उनके कर्तव्यों की याद दिलाने वाला होगा। आत्मनिर्भर भारतवर्ष के स्वप्न को साकार करने के लिए ही शायद सरकार के द्वारा 29 श्रम कानूनों को चार कानून में समेटा गया है। देश में 2025 नवंबर माह के तीसरे सप्ताह से प्रभावशील चार श्रम कानून कोड वेतन संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, तथा ओएसएच और कार्य शर्तें संहिता के रूप में लागू किए जा चुके हैं। जैसा कि वेतन संहिता के नाम से ही विदित होता है कि यह कोड कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन के साथ समय पर वेतन देने की मजबूत व्यवस्था के लिए बनाया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता कर्मचारियों को सेवा निवृत्ति के बाद सम्मानित जीवन यापन के क्षेत्र में पीएफ, ईएसआईसी, ग्रेच्यूटी और बीमा जैसे लाभों का आवरण प्रदान करेगी। इसी तरह औद्योगिक संबंध संहिता कर्मचारियों की नियुक्ति, उनकी अनावश्यक छंटनी सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने वाली होगी। सबसे अहम चौथे कोड में काम के दौरान सुरक्षा और कार्यक्षेत्र को अनुकूल वातावरण प्रदान करने से संबंधित नियमों से बंधा होगा। संक्षिप्त में कहें तो नए कानूनों के जरिए सरकार ने कानून के सरलीकरण का शानदार प्रयास किया है। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर अर्थात ऐसे कर्मचारी जो स्थाई नहीं हैं, बल्कि अस्थाई रूप से काम पर रखे जाते हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाया गया है। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे।

नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इनके चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी। वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी।

श्रम संसार की तस्वीर बदलने वाली गारंटी

राष्ट्र-चिंतन

आचार्य श्रीहरि

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमेव जयते। श्रम की प्रधानता और समृद्धि के बिना जीवंत राष्ट्र की परिकल्पना नहीं हो सकती है। श्रम की कसौटी पर निर्माण और विकास की परिकल्पना बनती है। इसलिए श्रम की महत्ता और अनिवार्यता को अस्वीकार करना मुश्किल है। इनकी उपेक्षा और इन पर उदासीनता अस्वीकार है। सरकार की ही नहीं, बल्कि नियोक्ता और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारी भी स्वस्थ और समृद्ध श्रम संसाद की बनती है। यह अच्छी और स्वागतपूर्ण कदम है कि नरेन्द्र मोदी ने मजदूरों की तस्वीर बदलने की गारंटी दी है, उनकी आजीविका के अधिकार को सशक्त बनाया है। उनके होने वाले शोषण और उत्पीड़न पर रोक लगाने की व्यवस्था की है और भेदभाव की नीतियों को समाप्त करने की घोषणा की है, यानी कि श्रमेव जयते। इस निमित नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चार नए श्रम संहिताओं की घोषणा की है। इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे। चार नये श्रम संहिताओं को इस प्रकार से जानिये। पहला वेज कोड 2019, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020 सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेल्फी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020 में परिवर्तन कर दिया गया है। इससे मजदूरों के वेतन और सुरक्षा अधिकारों में बहुत ज्यादा परिवर्तन होगा और लाभकारी भी होगा। नए श्रम संहिताओं में मजदूरों के सभी प्रकार के अधिकारों और कल्याण की भावनाओं को निहित किया गया है। औद्योगिकीकरण और कारपोरेटिवकरण तथा रोजगार और श्रम के नये आयामों के उद्भव और विकास के कारण मजदूरों के सामने विकट समस्या उत्पन्न हो गयी थी, निवेशकों के सामने भी बहुत बडी समस्या थी, पूर्व की श्रम संहिताएं अस्पष्ट थी और विसंगतियों से भरी पड़ी थी, नियोक्ता और श्रमिकों के बीच अविश्वास उत्पन्न करती थी, अधिकारों को लेकर संहिताएं स्पष्ट भी नहीं थी। न्यूनतम वेतनमान में हीलाहवाली थी, असमानता थी और शोषण युक्त था। नयी आर्थिक नीतियों के लागू होने से सर्वाधिक शोषण के शिकार मजदूर थे और उनके हित हाशिये पर थे, उनके आंदोलन करने के अधिकार और कर्तव्य पर नियोक्ता, पुलिस और प्रशासन की टेढी नजर रहने लगी थी। भारत की ये श्रम संहिताएं विश्व की अन्य संहिताओं के अनुपात में कितनी लाभकारी हैं, कितनी सहयोगी हैं और कितनी कल्याणकारी हैं? नई श्रमिक संहिताएं श्रमिकों के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए बेमिसाल तो हैं पर नियोक्ताओं और सेवादाता कंपनियों के बीच भी श्रम कानूनों को लेकर विश्वास उत्पन्न करने की आवश्यकता है। उम्मीद है कि नरेन्द्र मोदी सरकार श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास और संतुलन बनाने की भूमिका निभाएगी।

इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे।

भारत में नए लेबर कोड : श्रमिक अधिकारों का नया अध्याय

रणनीति

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर 2025 शुक्रवार को कार्य परिस्थितियों में बड़े बदलाव का कदम उठाते हुए देश में नई श्रम संहिता (लेबर कोड) लागू कर दी। यह वाकई काबिले-तारीफ है कि निजी एवं असंगठित क्षेत्र के करोड़ों कामगारों के लिए उपयोगी इस नए लेवर कोड में अनिवार्य नियुक्ति-पत्र, न्यूनतम और समय पर वेतन की गारंटी और एक साल में ही ग्रेच्युटी भुगतान की व्यवस्था की गई है, वहीं सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ईएसआइसी सुविधा और 40 साल की सेवा के बाद अनिवार्य स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। बता दें कि ईएसआईसी भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों को बीमारी, दुर्घटना, मातृत्व और रोजगार से जुड़ी अन्य आपात स्थितियों में आर्थिक तथा चिकित्सीय सुरक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद इसे सबसे बड़ा रिफॉर्म बताया है। उन्होंने कहा है कि यह कृषकों को मजबूत बनाने वाला है। इनसे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जो भविष्य में कामगारों के हकों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई शक्ति देगा, साथ ही विकसित भारत की यात्रा को भी तेज गति मिलेगी।' कितनी अच्छी बात है कि नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाएं जोड़ी गई हैं, वहीं खतरनाक व जोखिम वाले उद्योगों, गिग वर्कर्स और आइटी क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। आज के समय में ओला-उबर के ड्राइवर, स्विगी-जोमैटो, ब्लिंकिट ,अमेज़न के डिलीवरी पार्टनर, फ्रीलांसर (कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिज़ाइनर, वीडियो एडिटर, वेब डेवलपर, डिजिटल मार्केटर आदि), डिज़ाइनर, या अर्बन कंपनी जैसी सर्विस देने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में जाने जाते हैं। यह काम लचीला होता है, इसलिए लोग अपनी सुविधा अनुसार समय तय कर सकते हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसमें स्थायी नौकरी जैसे लाभ जैसे पीएफ, पेंशन, मेडिकल सुरक्षा अक्सर नहीं मिलते। यही कारण है कि गिग वर्कर्स को असंगठित क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है।

यदि पारदर्शिता से काम हो तो यह कोड अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सच तो यह है कि गिग वर्कर्स, खनन श्रमिकों और टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए नए लेबर कोड में विशेष इंतज़ाम किए गए हैं,जो सराहनीय हैं। वास्तव में अब गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआइसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल सकेंगे। इतना ही नहीं, खनन श्रमिकों के क्रम में आवागमन दुर्घटना पर मुआवजा, खान में सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों का ध्यान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ ही साथ काम के घंटों की सीमा प्रतिदिन 8 से 12 घंटे, तथा प्रति सप्ताह 48 घंटे तय की गई है। टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। मसलन, ठेकेदार कर्मियों को समान वेतन, कल्याणकारी लाभ, बकाया निपटान के लिए तीन साल की अवधि, तथा ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नये लेबर कोड में की गईं हैं। नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाओं में क्रमशः लिंग भेद निषेध, समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं को सहमति व जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में तथा सभी प्रकार के काम की अनुमति, शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व जरूरी, महिला कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में सास-ससुर को शामिल करना, 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, क्रैच व वर्क फ्रॉम होम की सुविधा के साथ ही साथ 3500 रुपये का मेडिकल बोनस दिए जाने की व्यवस्थाएं भी की गईं हैं। वास्तव में लेबर कोड में विभिन्न सुधारों से कामगारों को निश्चित ही लाभ हो सकेगा। कुल मिलाकर, श्रमिकों की स्थिति सुधारने के लिए नए लेबर कोड की आवश्यकता महसूस की गई। अब नए लेबर कोड से श्रमिकों के दिन बदलेंगे। हालांकि, इनकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। यदि सरकार और उद्योग पारदर्शिता से काम करें तो यह कोड भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रोजगार, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक पहल

श्रम कानून

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

एक लंबे इंतजार के बाद देश के श्रम कानूनों में बदलाव किया गया है, जो कई तरह से ऐतिहासिक है। इसकी मांग दशकों से की जा रही थी। पुराने 29 श्रम कानूनों को अब इतिहास बनाते हुए उनकी जगह 21 नवंबर से देश में चार नए श्रम कोड लागू हो गए हैं। इसे श्रम सुधारों में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

ये कोड हैं- वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल स्थिति संहिता 2020। इनका मकसद कामगारों को सुरक्षित काम, समय पर वेतन और सामाजिक सुरक्षा देना है। संसद ने ये चार लेबर कोड लगभग पांच साल पहले पारित कर दिए थे। लेकिन इन्हें अब जाकर लागू किया गया है। अब पूरे देश में संगठित और असंगठित क्षेत्रों के लिए श्रम कानून एक जैसे होंगे। इन संहिताओं का सबसे बड़ा उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण को मजबूत बनाना, उद्योगों को सुगम कार्य-परिस्थिति देना, डिजिटल कार्य संस्कृति को औपचारिक मान्यता देना और गिग-प्लेटफॉर्म वर्कर्स जैसे उभरते श्रमिक वर्ग को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इससे भारत की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी। बहरहाल, इन कानूनों को लागू करते हुए केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। ऐसा मानना है कि ये बदलाव देश में रोजगार और औद्योगिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। नए श्रम कानूनों से देश के करीब 40 करोड़ कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज भी मिलेगी।

पहले देश में लागू श्रम कानून 1930-1950 के बीच के बनाए गए थे। उन कानूनों में श्रमिकों के आर्थिक हितों का ध्यान नहीं रखा गया था। लेकिन नए कानून इन बातों को ध्यान में रखा गया है। हालांकि, कई मजदूर संगठनों का आरोप है कि ये कोड कंपनी मालिकों को पहले से कहीं अधिक अधिकार देते हैं। खासकर छोटी और असंगठित कंपनियों में कामगारों का शोषण बढ़ेगा। दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा। लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा।

वास्तव में श्रम कानून का कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा, लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है।

अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा? वहीं सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा, इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया है। असल में नए श्रम कानून जैसा कि हमेशा होता है उद्योग समूहों और निवेशकों के हितों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इनका मकसद ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करना और उद्योग समूहों का विस्तार करना है। सभी सरकारें मानती रही हैं कि उद्योगों का विकास होगा, निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और संपन्नता आएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर कानून शोषण और गैर बराबरी को बढ़ाता है। ये कानून भी अपवाद नहीं हैं। इनमें भी फिक्स्ड टर्म नौकरी पर जोर दिया गया है, जिसका मतलब है कि स्थायी नौकरियां कम होंगी और ठेके पर काम ज्यादा उपलब्ध होगा। इससे सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी नहीं कम होगी। इसी तरह कंपनियां नियमों का कैसे अनुपालन करती हैं उसकी जांच और निगरानी की व्यवस्था कमजोर कर दी गई है। कुछ पहलुओं को छोड़ दिया जाए तो नई श्रम संहिताएं आवश्यक संतुलन साधने में सफल दिखती हैं। ये बदलाव सिर्फ आज के कामगारों के लिए नहीं, आने वाले समय में काम की दुनिया बदलने की चुनौती के लिए हैं। दरअसल, श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा।

बिलासपुर

रविवार 30 नवंबर 2025

अगहन शुक्ल पक्ष दशमीं
वर्ष : 25, अंक : 247
पृष्ठ : 12+8+4 = 24 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 28.0
न्यून. 13.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति ...

आजकल पेज
नए श्रम कानूनों से बदलेगी तस्वीर

एयरबस ने ए320 विमान को लेकर अपने एक अपडेट से दुनियाभर में हाहाकार मचा दी। करीब 6 हजार से ज्यादा ए320 विमान में सॉफ्टवेयर अपडेट करने होंगे। भारत में करीब 313 विमानों पर असर पड़ा है। हालांकि शनिवार शाम तक आधे से ज्यादा विमानों में अपडेट पूरा हो इन विमानों को अपनी रेगुलर सर्विस से पहले इस सॉफ्टवेयर अपडेट को इंस्टॉल करना होगा। बताया जा रहा है कि एअरबस ने इस अपडेट को एक हालिया घटना के बाद जारी किया है।

थम गईं दुनिया भर में 6000 उड़ानें भारत में 400 फ्लाइट्स पर असर!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सॉफ्टवेयर अपडेट से दुनियाभर में मचा हाहाकार

ए 320 फैमिली के विमान में सोलर रेडिएशन की वजह कुछ जरूरी डेटा करप्ट हो सकता है। ये डेटा फ्लाइट के कंट्रोल से जुड़ा हुआ है। एअरबस ने माना है कि इस सॉफ्टवयेर अपडेट की वजह से दुनिया भर में फ्लाइट्स की सर्विस प्रभावित होगी। हालांकि, कंपनी का ये भी कहना है कि ये अपडेट सुरक्षा की नजर से जरूरी है। इस पूरे मामले की जानकारी 30 अक्टूबर को कैनकन से नेवार्क जा रही एक जेटब्लू फाइट से हुई। एल्टीट्यूड के ⏭शेष पेज 6 पर

इंडिगो के पास कौन-कौन से विमान: इंडिगो ए320 फैमिली के लगभग 195 एअरक्राफ्ट्स इस्तेमाल करता है। इसमें ए320 सीईओ (180 सीटर) 26 एअरक्राफ्ट हैं, जबकि ए320 नियो (180 सीटर) 23 क्राफ्ट और 155 एअरक्राफ्ट ए320 नियो (186वाय) हैं। इनमें से 163 एअरक्राफ्ट इस्तेमाल में हैं, जबकि 32 फिलहाल पार्क्ड हैं।

देश में उड़ानें प्रभावित

डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक इंडिगो के 200 विमान प्रभावित हैं और इनमें से 143 पर अपग्रेड पूरा हो गया है। इसी तरह एयर इंडिया के 113 विमान प्रभावित हैं और 42 पर अपग्रेड पूरा हो गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 विमान प्रभावित हैं, जिनमें से चार पर अपग्रेड पूरा हो गया है। सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का काम दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता स्थित एयरलाइंस के बेस पर चल रहा है।

पहले जहां दिन भर में 160 से 180 रजिस्ट्री होती थी वह अब 30 से 40 तक आकर अटक गई

रजिस्ट्री पर ब्रेक, आदेश न पहुंचने से प्रदेश के पंजीयन कार्यालय सूने पड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

वेंडरों के पास भी काम नहीं रह गया है, खाली हाथ बैठे, दिन भर में इक्का दुक्का रजिस्ट्री हुई तो बहुत

छत्तीसगढ़ में अचल संपत्तियों की सरकारी गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी के साथ ही बाजार में हड़कंप मच गया है। जमीन, मकानों की रजिस्ट्री में बेतहाशा वृद्धि हो चुकी है। बिलासपुर, रायपुर सहित प्रदेश में ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां सरकारी गाइडलाइन दरों में 20 प्रतिशत से लेकर 10 गुना तक की बढ़ोतरी की गई है। इसी कारण रजिस्ट्री विभाग में सूनापन सा है। दिन भर में पहले जहां 160 से 180 रजिस्ट्री होती थी वह अब 30 से 40 तक आकर अटक गई है। वेंडरों के पास भी काम नहीं रह गया है और खाली हाथ बैठे हैं। दिन भर में इक्का दुक्का रजिस्ट्री हुई भी तो बहुत है। अधिकारियों का कहना है कि राज्य शासन ने नई गाइडलाइन दरें लागू कर दी हैं, लेकिन अभी आधिकारिक हस्ताक्षरयुक्त बुकलेट जारी नहीं की गई है। इससे खरीदार और रजिस्ट्रार कार्यालय दोनों उलझन में हैं। ⏭शेष पेज 6 पर

नई गाइडलाइन दरों का असर

- जमीन, मकान, लैट की खरीदी में पहले से ज्यादा टैक्स
- सरकारी गाइडलाइन रेट बढने से पहले के मुकाबले बैंकों से ज्यादा फाइनेंस हो सकेगा
- रियल एस्टेट डवलपर्स पर कैपिटल गेन का बोझ बढ़ेगा
- भारतमाला 6 लेन सडक़ निर्माण प्रोजेक्ट के आस-पास के क्षेत्रों में कीमतें बढ़ाई गई

इसका असर सीधे आम आदमी पर हो रहा

प्रदेश में ऐसे भी क्षेत्र हैं, जहां सरकार ने सरकारी गाइडलाइन दरों में रिकार्ड वृद्धि की गई है। गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी के बाद जहां सरकार ने राजस्व में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की उमीद जताई है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को महंगाई का डर सता रहा है।

गाइडलाइन दरों में 10 गुणा तक वृद्धि

जमीनों की खरीदी बिक्री और पंजीयन पर थोड़ी कमी उसी समय से आ गई है जब से छोटे भूखंडों पर रोक लगी है। नई गाइडलाइन के बाद भी फिलहाल तो रजिस्ट्री कम ही हो रही है।
-**नागेंद्र पटेल,** उप पंजीयक

इस तरह हुई बढ़ोत्तरी

क्षेत्रफल	पहले रजिस्ट्री	अब रजिस्ट्री
1000 वर्गफीट	52500	525000 रुपए
1200 वर्गफीट	63000	630000 रुपए
1500 वर्गफीट	78500	785000 रुपए
2000 वर्गफीट	1.05 लाख	1050000 रुपए
2500 वर्गफीट	1.21 लाख	1210000 रुपए

(नोट-सरकारी गाइडलाइन दर पहले 500 रुपए प्रति वर्गफीट होने की स्थिति में, 10 गुना वृद्धि पर अब 5000 रुपए प्रति वर्गफीट)

एक ही जमीन की दो अलग-अलग दर

रियल स्टेट बिजनेसमैन पुरषोत्तम राजपूत के मुताबिक पहले नगरीय क्षेत्र (नगर निगम/नगर पालिका/नगर पंचायत) में जमीन की कीमत एक ही तरीके से निकाली जाती थी। लेकिन अब एक ही जमीन को दो हिस्सों में बांटकर दो अलग-अलग दरों से मूल्यांकन किया जा रहा है। इससे जमीन का कुल मूल्य बहुत ज्यादा बढ़ गया, लगभग 7 गुना से 9 गुना तक। यानी जो जमीन 10 लाख थी, उसकी कीमत 70 लाख तक हो चुकी है। जहां रजिस्ट्रेशन शुल्क 70 हजार लगता वो 7 लाख लगेगा। इसके साथ ही 15 हजार वर्गफीट की रजिस्ट्री का दायरा वर्गमीटर में तय कर दिया गया है। इसके बाद की रजिस्ट्री हेक्टेयर दरों में होगी। इससे बड़े भू-भाग की रजिस्ट्री महंगी हो गई है।

पंजीयन शुल्क अभी भी चार प्रतिशत

गौरतलब है कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में बाजार की इसी विषमताओं को दूर करने के लिए सरकारी गाइडलाइन दरों में 30 प्रतिशत की छूट प्रदान की थी, वहीं पंजीयन शुल्क 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत किया था। प्रदेश में भाजपा सरकार ने सरकारी गाइडलाइन दरों में 30 प्रतिशत की छूट डेढ़ वर्ष पहले ही खत्म कर दी है, लेकिन पंजीयन शुल्क अभी भी 4 प्रतिशत पर ही अटका हुआ है। इसके साथ ही वर्गमीटर और हेक्टेयर दरों में परिवर्तन के बाद जमीन की सरकारी कीमतों में परिवर्तन हो चुका है। उदाहरण के तौर पर 30 हजार वर्गफीट की जमीन की कीमतें जहां पूर्व में हेक्टेयर दर के मुताबिक 75 लाख रुपए में बिकती थी, अब वह जमीन 1.87 करोड़ रुपए में बिकेगी।

सिंधी कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर डॉ. हिमांशु को बंधाया ढांढस

मंत्री प्रहलाद पटेल ने पं. कीर्ति नारायण के निधन पर जताया शोक

पटेल ने डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की

ग्वालियर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल शनिवार को आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के ग्वालियर स्थित 3 सिंधी कॉलोनी निवास पर पहुंचे और उनके पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के दुखद निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के आचरण-व्यवहार और उनकी व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. हिमांशु अपने पिता के पदचिन्हों पर चले और आज वह पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा ⏭शेष पेज 6 पर

उत्तराखंड स्थित लबासना के 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

हमने मारे आतंकी लेकिन पड़ोसी के दुर्व्यवहार से सीमा पर असामान्य हालात कायम: राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को करीब सात महीने का समय बीत चुका है। लेकिन आज तक भारत का सिखाया हुआ ये करारा सबक पाकिस्तान ने ठीक से सीखा नहीं है और सीमा पर भी उसका दुर्व्यवहार जारी है। जिसके चलते दोनों देशों के बीच सीमाओं पर हालात सामान्य नहीं हुए हैं। जी हां, ये कहना है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का। उत्तराखंड स्थित लाल-बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (लबासना) के 100 वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को शनिवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 से 10 मई तक की गई भारत की सैन्य ⏭शेष पेज 6 पर

देखने को मिला नागरिक सैन्य समन्वय

रक्षा मंत्री ने कहा कि ये सैन्य अभियान नागरिक और सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। जिसमें प्रशासनिक मशीनरी ने जनता का विश्वास जीतने के लिए सशस्त्र बलों के साथ मिलकर सूचनाओं का संचार किया।

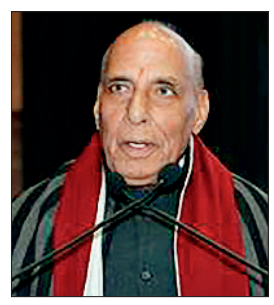

महिलाओं की प्रगति को सराहा

सिविल सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती प्रगति को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा, नवीनतम यूपीएससी परीक्षा में एक महिला ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। जबकि शीर्ष पांच उम्मीदवारों में तीन महिलाएं थीं।

नवाचार केंद्रित हो समाधान

प्रौद्योगिकी-संचालित युग में नवोन्मेषी ढंग से कार्य करने और लोगों की समस्याओं का समाधान खोजने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि प्रौद्योगिकी वर्तमान में एक सक्षम कर्ता की भूमिका निभा रही है। लेकिन वह एक माध्यम होनी चाहिए, साध्य नहीं। अधिकारियों को जनता तक पहुंच और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए।

यूं विकसित बनेगा भारत

राजनाथ के मुताबिक, वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना चाहिए। आत्मनिर्भरता और विकसित भारत से जुड़े इस लक्ष्य को गति प्रदान करने में नागरिक सेवकों की अहम भूमिका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन, सुधार-प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र का उल्लेख करते हुए 2014 से चल रही आर्थिक प्रगति के बारे में युवा जन सेवकों को सूचित किया।

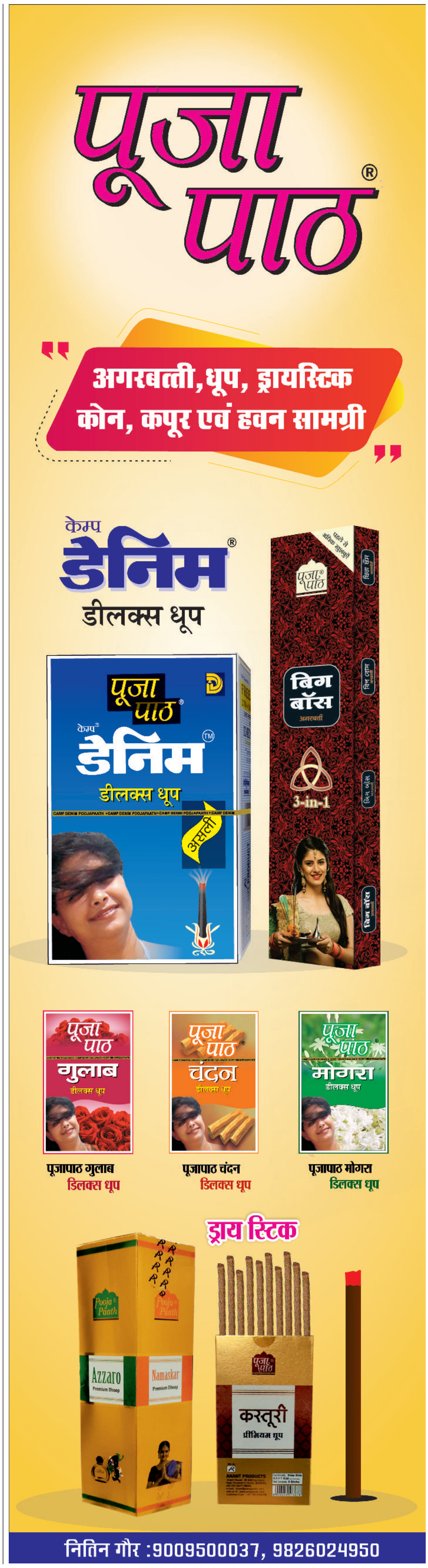

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

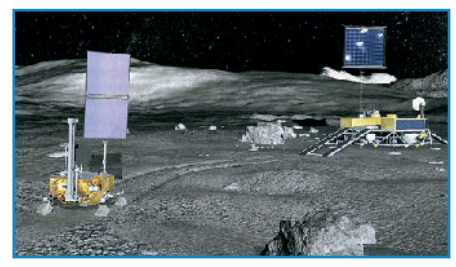

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

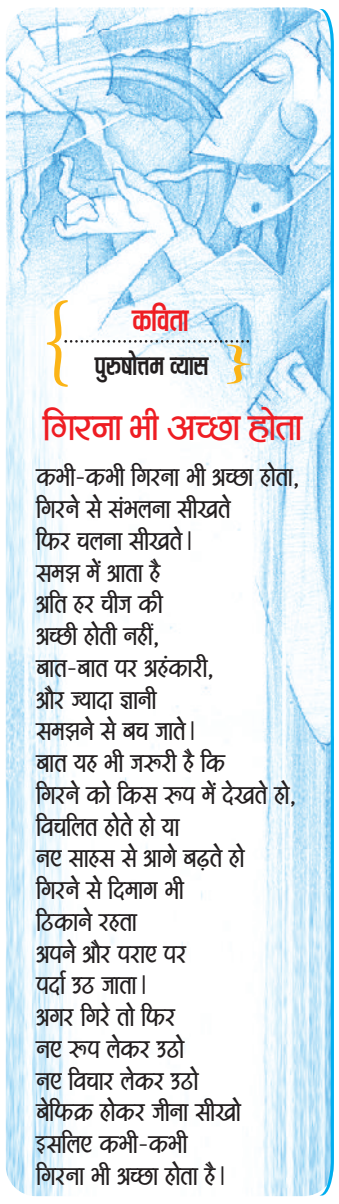

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गईं और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

लघुकथा / सतीश उपाध्याय

दरवाजा

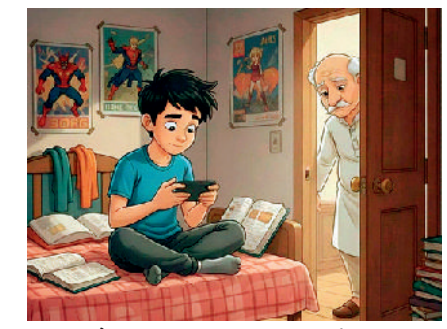

ममी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), लेखक: विनोद दास, मूल्य: 295 रुपए, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

तरकश

संजय के दीक्षित

प्रमोटी आईएएस और भरोसा

आईएएस की इस लिस्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने यह जतलाने का प्रयास किया है कि उसके पास विकल्प की कोई कमी नहीं है। जाहिर है, दो दिन पहले जिन 13 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए, उनमें सात प्रमोटी आईएएस हैं। उसमें भी ऐन धान खरीदी के सीजन में जीतेंद्र शुक्ला को मार्कफेड एमडी का चुनौतीपूर्ण दायित्व सौंपा गया। उनके पास जलजीवन मिशन भी रहेगा। इसके अलावा पीएस एल्मा को शराब खरीदी करने वाली स्टेट मार्केटिंग कंपनी के साथ ब्रेवरेज कारपोरेशन का एमडी का बनाया गया है। इफ्फत आरा स्पेशल सिकरेट्री रेवेन्यू के साथ नागरिक आपूर्ति निगम की एमडी होंगी। संतनदेवी जांगड़े संचालक आयुष, रेणुका श्रीवास्तव को डायरेक्टर महिला बाल विकास, रीता यादव प्रबंध संचालक खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड तथा लोकेश कुमार को डायरेक्टर हार्टिकल्चर की जिम्मेदारी दी गई है। कह सकते हैं, इस लिस्ट में प्रमोटी अफसरों का दबदबा रहा।

नारी शक्ति कमजोर?

छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक हलको में एक समय नारी शक्ति बहुत मजबूत हो गई थी। मगर वक्त के पहिये के साथ पराभाव होता चला गया। जूनियर अफसर के चीफ सिकरेट्री बनने की वजह से रेणु पिल्ले मंत्रालय से बाहर हो गईं। ऋचा शर्मा को चीफ सिकरेट्री बनने का मौका नहीं मिला, उपर से खाद्य विभाग भी हाथ से निकल गया। उधर, 27 नवंबर को 13 आईएएस अधिकारियों की लिस्ट निकली, उसमें भी माताजी लोगों को बड़ा झटका लगा...कोई इधर गिरा, कोई...। आर शंगीता का शराब से जुड़ी कंपनी और बोर्ड के एमडी का प्रभार भी पीएस एल्मा के पास चला गया। कुल मिलाकर लग रहा...ब्यूरोक्रेसी की नारी शक्ति जरा कमजोर हुई हैं।

बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई

जमीनों के गाइडलाइन रेट में वृद्धि को लेकर छत्तीसगढ़ में तूफान मचा है, उसमें बीजेपी और कांग्रेस नेताओं का भाईचारा भी परिलक्षित हो रहा है। बात ऐसी है कि जोर का झटका दोनों को लगा है। गाइडलाइन रेट बढ़ने से भूमाफियाओं और बिल्डरों को नुकसान होगा तो नेताओं का भी जमीन में इंवेस्टमेंट का धंधा मार खाएगा। ब्यूरोक्रेट्स की अपनी अलग बेचैनी है...काली कमाई को अब कहां खपाएंगे? यही वजह है कि चौतरफा प्रेशर बनाए जा रहे। सेल्फ गोल का खेल भी चल रहा। बीजेपी नेताओं के घेराव में किसका हाथ है, इंटेलिजेंस वालों से ये छिपा नहीं है। भ्रम ऐसा फैला दिया गया है कि गाइडलाइन रेट बढ़ने से सूबे का रियल इस्टेट बैठ जाएगा। जबकि, सच्चाई यह है कि जब हर साल 10 परसेंट बढ़ता था, तब रियल इस्टेट ज्यादा ग्रो किया। बता दें, गाइडलाइन रेट बढ़ने से आम आदमी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। आखिर 2017 तक हर साल 10 परसेंट रेट बढ़ता ही था। बाकी राज्यों में भी ऐसा ही होता है। 2018 के बाद रेट बढ़ना बंद हो गया। इसमें जमीनों का धंधा खूब फला-फूला। अब आप इससे समझ सकते हैं कि कचना, विधानसभा रोड पर बिल्डरों का रेट है छह हजार से सात हजार रुपए फुट और सरकारी दर था हजार-बारह सौ। इसका सिर्फ युक्तियुक्तकरण किया गया है। आम आदमी को इसलिए भी इससे फर्क नहीं पड़ने वाला कि बाजार दर से पेमेंट पहले भी करना पड़ता था और अभी भी वैसा ही होगा। जिनके पास दो नंबर का पैसा था उन्हें उस व्यवस्था में काफी लाभ था। मगर मीडिल और लोवर क्लास के पास काली कमाई होती नहीं, सो गाइडलाइन रेट बढ़ने से खरीदी जाने वाली जमीन या मकान का रेट बढ़ेगा, तो उस हिसाब से उन्हें बैंकों से लोन मिल जाएगा। बहरहाल, बात बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई से तो यह बात छिपी नहीं कि छत्तीसगढ़ में इन दोनों पार्टियों के नेताओं का छत्तीसगढ़ की माटी से कितना प्रेम है। बल्कि, अब यह प्रेम भूख में बदल गया है।

गोल्ड में इंवेस्ट

छत्तीसगढ़ में अभी तक काली कमाई खपाने के दो ही प्रमुख माध्यम थे। जमीन और सोना। सोना चूकि एक लिमिट से अधिक नहीं खरीदा जा सकता। उसे सुरक्षित रखने का लफड़ा होता है, इसलिए इंवेस्टरों को जमीन में निवेश आकर्षित करता था। सरकारी रेट कौड़ियों के मोल होने से जमीन में 60 से 70 परसेंट रकम कैश में देना होता है और 30 से 40 परसेंट एक नंबर में। इससे इंकम टैक्स की भी काफी बचत होती थी। एक करोड़ रुपए की कोई जमीन खरीदी गई तो कागज में वो 30 से 40 लाख शो होता था। याने 60 से 70 लाख रुपए ब्लैक से व्हाइट हो गया। मगर गाइडलाइन रेट बढ़ने से अब जमीनों में काली कमाई का इंवेस्टमेंट नहीं होगा। जमीनों का सरकारी रेट बढ़ने के बाद छत्तीसगढ़ में मनी लॉड्रिंग पर अंकुश लगेगा मगर गोल्ड में निवेश बढ़ेगा। इससे सराफा व्यापारियों के चेहरे खिल गए हैं।

ब्यूरोक्रेसी को फ्री हैंड

पिछले दो महीनों में गुजरात, तेलांगना, बिहार और यूपी जाने का मौका लगा। वहां तेज गति से चल रहे डेवलपमेंट वर्क देखकर हैरानी हुई। खासकर यूपी, बिहार...जहां विकास की बातें बेमानी थी, अपराधों के नाम से इन दोनों प्रदेशों को जाना जाता था, ऐसे राज्य अब विकास के कार्यों में होड़ कर रहे हैं। इसका लाभ भी वहां के नेतृत्व को मिल रहा। इस सवाल पर कि 20 साल के शासन के बाद नीतीश कुमार लोकप्रिय क्यों? इसका जवाब आश्चर्यजनक आया। लोगों ने कहा...नीतीश कुमार ने नेताओं के लिए लक्ष्मण रेखा खींच दिया है। प्रशासन और पुलिस में नेताओं का हस्तक्षेप नहीं के बराबर रह गया है। जिस बिहार में कलेक्टर्स, एसपी के साथ बदसलूकी आम बात थी, वहां की अफसरशाही अब फ्री होकर डेवलपमेंट को अंजाम दे रही है।

छत्तीसगढ़ और अफसरशाही

अब बात छत्तीसगढ़ की करें, तो राज्य बनने के बाद सबसे खराब दौर में यहां की ब्यूरोक्रेसी गुजर रही है। बीजेपी के कई नेताओं को भी ये बात अच्छी नहीं लगेगी कि रमन सिंह सरकार अगर 15 साल चली तो उसके पीछे ब्यूरोक्रेसी और उसकी कर्मठ टीम की बड़ी भूमिका रही। कांग्रेस की सरकार पांच साल में विदा हो गई तो इसके पीछे एक बड़ा कारण सशक्त टीम का अभाव रहा। मध्यप्रदेश के समय डीपी मिश्रा, पीसी सेठी, अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह के दौर में हमेशा इस हाईट के अफसर उनके पास रहे, जो गलत तो गलत कहने की हिम्मत रखते थे। इससे उन नेताओं को बड़ा फायदा मिला। बहरहाल बात छत्तीसगढ़ की तो...पहली बात, नए राज्य में पैसों के आए फ्लो ने अफसरशाही का बड़ा नुकसान किया। छत्तीसगढ़ अच्छा काम करने वाला कैडर नहीं रहा बल्कि देश की ब्यूरोक्रेसी में मलाईदार कैडर में केटेराइज्ड हो गया। कई आईएएस, आईपीएस ने इतना पैसा बना लिया कि बिल्डरों और कारोबारियों के साथ मिलकर व्यापार शुरू कर दिया। दूसरा कारण है राजनीतिक हस्तक्षेप। रिजल्ट देने वाले अच्छे अफसर भी आगे बढ़कर काम करना नहीं चाहते। नौकरशाही की स्थिति इस समय ये हो गई है कि कोई भी बुरा भला बोल के चल दे रहा। यूपी में अपराधी द्वारा सोशल मीडिया में जिले के एसपी को गाली देने पर एनकाउंटर करके अरेस्ट कर लिया गया। मगर छत्तीसगढ़ के एक बड़े जिले के पुलिस कप्तान को फेसबुक पर एक छंटे बदमाश द्वारा क्या-क्या लांछन नहीं लगाया गया, मगर पुलिस दोनों हाथ बांधे बैठी रही। और जब एसपी साहब लोगों का ये स्थिति है तो एएसपी, डीएसपी और टीआई बेचारे क्या करेंगे? जाहिर है, इन सब चीजों से राज्य का बड़ा नुकसान हो रहा।

रिफार्म की ऐसी चोट

छत्तीसगढ़ में ये गजबे हो रहा है। रिफार्म हो रहा किसी और विभाग में और उसका इफेक्ट दिख रहा दूसरे विभाग में। हम बात कर रहे पंजीयन और राजस्व महकमे की। पंजीयन विभाग ने सबसे पहले रजिस्ट्री के साथ ऑटोमेटिक नामंतरण प्रारंभ किया। फिर पंजीयन में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता खतम की और अब रजिस्ट्री के 70 बिंदु वाले नियमों का सरलीकरण कर 15 कर दिया। पंजीयन विभाग में किए गए इन ऐतिहासिक सुधारों ने राजस्व विभाग के मुलाजिमों का बड़ा नुकसान कर डाला। तहसीलदारों से लेकर पटवारियों का इन्हीं तीनों कामों के लिए लोगों को चक्कर लगाना पड़ता था। मगर सरकार ने सुधार करके बड़ा गड़बड़ कर डाला। इस विभाग के लोगों की 70 परसेंट आमदनी इन्हीं तीनों चीजों से होती थी। रोड की जमीन को पटवारी कागजों में भीतर बता देते थे तो ऋण पुस्तिका बनवा लेना आसान काम नहीं था। मगर अब आलम यह हो गया कि छत्तीसगढ़ में नायब तहसीलदार और पटवारी की नौकरी का जादुई आकर्षण खतम हो जाएगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. फर्जी ईडी अफसर ने छत्तीसगढ़ के किन-किन आईएएस अधिकारियों से लाखों रुपए वसूल डाला?
2. क्या ये सही है कि डीजीपी कांफ्रेंस की कल समाप्ति के बाद कलेक्टर, एसपी की एक लिस्ट निकलेगी?

टोकन कटाने किसान हो रहे परेशान

रायपुर। धान खरीदी जब से शुरू हुई है, तब से धान बेचने किसानों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान लगातार टोकन ऑनलाइन लेने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन 2 मिनट में लिमिट खत्म हो जाती है, ऑफलाइन केंद्रों में मात्र 30% है, जो लिमिट आधी होने की वजह से 5 किसान में ही टोकन समाप्त हो जा रहा है। किसान चॉइस सेंटर एवं समितियों में चक्कर लगा रहे हैं, किसानों में हताशा और आक्रोश है। किसान लामबंद होकर आंदोलन का रूख अपनाने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। किसान नेता एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि किसानों को आसानी से टोकन उपलब्ध कराएं, बड़े किसानों को भी टोकन उपलब्ध कराएं। खरीदी की लिमिट बढ़ाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों को धान बेचने की सुविधा मिल सके। किसान लगातार समितियों एवं ऑनलाइन टोकन के लिए लगे हैं, लेकिन हताशा बढ़ रही है। किसानों द्वारा टोकन के लिए आंदोलन की तैयारी की जा रही है। अब सब्र टूटने पर किसानों के साथ आंदोलन करने विचार किया जा रहा है।

गृहमंत्री बोले- एसआईआर में संदिग्ध नामों पर होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के संशोधन के लिए संचालित विशेष गहन

पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पाई गई संभावित फर्जी प्रविष्टियों और संदिग्ध नामों को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने साफ कहा है, मतदाता सूची की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और हर संदिग्ध प्रविष्टि की सख्त जांच और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी। केवल अवैध प्रवासी और घुसपैठियों को डर लगना चाहिए। जो वैध मतदाता है, उनको डरने की जरूरत नहीं है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, 2003 के मूल रिकॉर्ड में जिन व्यक्तियों का कोई पारिवारिक सदस्य, ब्लड रिलेशन या पारिवारिक उपस्थिति दर्ज ही नहीं थी, ऐसे नाम अब अचानक कैसे आ गए, इसकी पूरी गहराई से जांच की जाएगी। जो भी व्यक्ति पहले से यहां रहते आए हैं उनका नाम 2003 की सूची में अवश्य होगा या उसके परिजनों, रिश्तेदारों की उपस्थिति का जरूर कोई ना कोई रिकॉर्ड होगा और यदि नहीं है तो उनके मूल निवास के संबंध में जांच करने के साथ उनके विरूद्ध विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा, यदि मतदाता सूची में किसी के नाम फर्जी तरीके से जोड़े गए हैं, दस्तावेजों में गंभीर विसंगतियां हैं, पारिवारिक संबंध साबित नहीं होते, निवास प्रमाण झूठे या संदिग्ध हैं तो ऐसे व्यक्तियों पर बिना किसी देरी के कड़ी वैधानिक कार्रवाई होगी। इसके लिए अवैध प्रवासी अधिनियम, विदेशी अधिनियम आदि के तहत कठोर धाराओं के प्रावधानों के अनुसार मुकदमा दर्ज किया जाएगा और दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल भेजने में भी कोई हिचक नहीं होगी।

केवल अवैध प्रवासी और घुसपैठियों को डर लगना चाहिए

श्री शर्मा ने कहा, केवल अवैध प्रवासी और घुसपैठियों को डर लगना चाहिए। हमने पड़ोसी देश की सीमाओं में देखा है कि कैसे लोग अब अपने देश को लौट रहे हैं। देश घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगा यह देश भारतीयों का है कोई दूसरे देश से आकर हमारे देश के लोगों के अधिकारों और संसाधनों को नहीं छीन सकता है और हमारे देश में आकर कोई दहशत या आतंक फैलाए ये हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पीएम मोदी से मिलने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

रायपुर। साइंस कॉलेज के पास 19 करोड़ रुपए से बने यूथ हब फूड कोर्ट को तोड़कर सैकड़ों परिवारों को बेरोजगार करने वालों पर कार्रवाई की मांग को लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से काले कपड़े में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर शिकायत करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस द्वारा बलपूर्वक रोक दिया गया। मामले में बताया गया कि नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे की हठधर्मिता के कारण शासन द्वारा निर्मित सुव्यवस्थित यूथ हब को तोड़कर सैकड़ों परिवारों को बेरोजगार करने वालों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

शिवसेना ने किया डीआरएम का घेराव, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

रायपुर। रेलवे प्लेटफार्म नंबर-7 को निर्माण के लिए 470 करोड़ का ठेका छत्तीसगढ़ से बाहर के ठेकेदारों को बुलाकर दिया गया, जिसमें ठेकेदार, इंजीनियर, टैक्नीशियन, यहां तक मजदूरों को भी बाहर से लाकर काम कराया जा रहा है। इसका शिवसेना ने विरोध जताते हुए डीआरएम को इन सभी मुद्दों से अवगत कराया। स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित करने का आरोप लगाया। अन्य राज्य के लोगों को बुलाकर रोजगार दिया जा रहा है। इस मुद्दे पर डीआरएम से लंबी चर्चा हुई, जिस पर उन्होंने तुरंत इस मुद्दे को जायज बताया और तुरंत कार्यवाही करने की बात कही। साथ ही ठेकेदारों को निर्देश देने की बात कहते हुए लोगों को रोजगार देने की बात पर सहमत हुए। शिवसेना ने मांग की कि पहली प्राथमिकता स्थानीयों निवासियों को मिलनी चाहिए। रायपुर रेलवे स्टेशन में आगामी कभी भी कोई भी ठेके होते हैं, छोटे हो या बड़े, तो स्थानीय लोगों को पहले मौका दिया जाए, उसके बाद बाहर के लोगों को, यदि ऐसा नहीं होता है तो आने वाले समय में शिवसेना उग्र प्रदर्शन करेगी, जिसकी जवाबदारी रेल प्रशासन की होगी। साथ ही मांग की कि छत्तीसगढ़ के समस्त रेलवे स्टेशन में एनाउंसमेंट छत्तीसगढ़ी भाषा में हो, जो कि अभी नहीं हो रहा है। यह जानकारी प्रदेश महासचिव संजय नाग ने देते हुए बताया कि ज्ञापन सौंपने वालो में संजय नाग, एचएन सिंह पालीवार, प्रमोद साहू, हरीश यादव, ओम जंघेल, विजय नाग, अमर नायक, संतन रात्रे, मोहित सिन्हा, अजय साहू, विक्की निर्मलकर, अभिषेक यादव, कुप्पू स्वामी, राहुल राजपूत समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता सैकड़ों उपस्थित थे।

कर्नाटक में सीएम पद को लेकर छिड़ा है रार

डीके समर्थकों ने दिल्ली में डारा हुआ है डेरा

ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद बोले सिद्धारमैया-डीके

'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है आलाकमान की हर बात मानेंगे'

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलुरु में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से उनके आवास पर मुलाकात की। कांग्रेस आलाकमान के इशारे पर सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार को ब्रेकफास्ट के लिए बुलाया था। इसके बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'नाश्ता अच्छा था। हमने वहां किसी भी विषय पर बात नहीं की। हमने सिर्फ नाश्ता किया। डीकेएस आज हमारे घर आए।

डीके शिवकुमार ने मुझे अपने घर आमंत्रित किया।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे। हमारा एजेंडा 2028 के चुनाव हैं। स्थानीय निकाय चुनाव महत्वपूर्ण हैं। हमने उन पर चर्चा की। हमने 2028 के चुनावों में कांग्रेस को वापसलाने पर भी चर्चा की। हमने चर्चा की कि हम साथ चलेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे।'

'पहले गुटबाजी सुलझाओ, फिर दिल्ली आओ'

सोशल मीडिया पर दोनों गुटों की बयानबाजी और लगातार बढ़ रही अंदरूनी लड़ाई से नाराज कांग्रेस हाईकमान ने साफ चेतावनी दे दी है। हाईकमान ने दोटूक कह दिया है कि दोनों मिलकर मामला सुलझाइए और फिर दिल्ली आइए। अंतिम फैसला हाईकमान करेगा. फिलहाल, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का दिल्ली दौरा फिलहाल टल गया है। शिवकुमार अब मांड्या के केआर पेट जा रहे हैं, जहां वे एक पूजा में शामिल होंगे।

कल से कोई भ्रम नहीं रहेगा: सिद्धारमैया

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ नाश्ते पर बैठक के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'हमने फैसला किया है कि हम आलाकमान की हर बात मानेंगे। कल से कोई भ्रम नहीं रहेगा। अभी भी कोई भ्रम नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्टरों ने भ्रम पैदा किया है।'सिद्धारमैया ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी और जेडीएस को झूठे आरोप लगाने की आदत है। बीजेपी और जेडीएस ने बयान दिया है कि वे अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। उनके पास केवल 60 विधायक हैं और जेडीएस के पास 18 विधायक हैं। वे हमारी संख्या का मुकाबला नहीं कर सकते। हमारे पास 140 विधायक हैं। यह एक निरर्थक कवायद है। हम उनके झूठे आरोपों का सामना करेंगे।'मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है, कुछ विधायक मंत्री बनना चाहते हैं, इसलिए वे आलाकमान से मिलने गए होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि वे नेतृत्व के खिलाफ हैं। आलाकमान जो भी कहेगा, हम उसे मानेंगे।'

हम साथ मिलकर काम कर रहे: शिवकुमार

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, 'जहां तक नेतृत्व का सवाल है, यह पार्टी आलाकमान को तय करना है। वे जो भी कहेंगे, हम उसका पालन करेंगे। हम पार्टी के वफादार सिपाही हैं। पार्टी देश में एक कठिन दौर से गुजर रही है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि कर्नाटक में हम 2028 में अपनी जीत दोहराएंगे और मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'राज्य के पूरे कार्यकर्ताओं ने हमारा समर्थन किया है और जनता ने हमें भारी बहुमत से आशीर्वाद दिया है। हमने जो भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा करना हमारा कर्तव्य है। हम सुशासन प्रदान कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। सीएम ने जो भी कहा, मैं सीएम के साथ हूं। हम साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

पहले कहा था- सीएम बनने की रखते हैं इच्छा : *कुछ दिन पहले डीके ने अपनी पोस्ट में साफ कर दिया था कि वे सीएम बनने की इच्छा रखते हैं, उन्होंने लिखा था कि अपना वचन निभाना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। चाहे वह कोई जज हो, राष्ट्रपति हो या मैं खुद ही क्यों न हूं। सभी को अपने कहे पर अमल जरूर करना चाहिए। वचन की शक्ति ही विश्व शक्ति है। इस पोस्ट के थोड़ी देरी बाद सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि किसी शब्द की कोई शक्ति तब तक नहीं होती जब तक वह लोगों के लिए बेहतर दुनिया न बना दे। कर्नाटक के प्रति हमारा वचन अडिग है।*

दिल्ली आईएएस एकेडमी बिलासपुर बना सफलता की गारंटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छग लोक सेवा आयोग परीक्षा 2024 का परिणाम 2025 में जारी हुआ। इस वर्ष दिल्ली आईएएस एकेडमी से कुल 246 पदों में से अभूतपूर्व 153 चयन इसी संस्थान से हुए। इस उपलब्धि को और गौरवपूर्ण बनाता है प्रदेश के टॉपर देवेश प्रसाद साहू का चयन, जो संस्थान के नियमित क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र रहे हैं।

संस्थान के 153 में से 85 चयन ऑफलाइन क्लासरूम प्रोग्राम के छात्रों के हैं, जिन्होंने पिछले तीन बैचों में अध्ययन कर यह सफलता अर्जित की। शेष चयन टेस्ट-सीरीज और इंटरव्यू प्रोग्राम से जुड़े विद्यार्थियों के हैं। संस्थान के संस्थापक सौरभ चतुर्वेदी ने कहा कि टॉप-10 रैंक में संस्थान के 7 विद्यार्थी शामिल हुए हैं। डिप्टी कलेक्टर के 7 में से 6 और डीएसपी के 21 में से 13 चयन भी दिल्ली आईएएस से हैं। संस्थान से इनका हुआ चयन-टॉपर देवेश प्रसाद साहू, स्वप्निल वर्मा, यशवंत कुमार देवांगन, पोलेश्वर साहू,चंचल पैकरा, मयंक सिंह मंडावी डीएसपी के पद पर चयनित पंकज कुमार यादव, साक्षी वर्मा, नवीन कुमार साहू, सुनील कुमार कश्यप, सिद्धांत दुबे, कमलेश कुमार, हर्षवर्धन शर्मा, प्रसून गुप्त, तान्या पांडे, संदीप कुमार,आलोक सिंह मरकाम,हितेंद्र सिंह बाघे, मंजू,निशा ठाकुर एफएसओ शताक्षी पांडे,सृष्टि गुप्ता,दीपक कुमार, मुस्कान राही, एफएसओ और एडीएफओ चंद्रकांत सोम एवं लक्ष्मी, एडीएफओ चंद्रकांत सोम, एडीपीआरडी गौरव साहू, विवेक कुमार, वैभवी साहू, मुकेश प्रधान,सुमित कुमार, नितिन कुमार, वैभव नाग, तुलेश कुमार बरिहा, सीडीपीओ आर्यन राठौर धमिनी कुर्रे,जय प्रकाश सिंह,खिलेश्वर प्रसाद शामिल हैं। इसी तरह एसएएसओ अमन कुमार ,आकांक्षा महोबिया,आदित्य,अजय सिंह परिहार,पूनम राजवाड़े,रोहित कुमार यादव,सागर राठौर,खुशबू जानी,अंकित तिवारी,भगवंता साहू,रीमा गुप्ता,राजेश बेहरा,ललित कुमार,करिश्मा कच्छनेहिल, सूर्यवंशी,भूपेश कुमार सिंह,सुनील भगत,टिकेश कुमार मंडावी,जयंत कुमार,अजय कुमार,अविनाश मंडावी,मनीष कुमार, अलेंद्रविद्या साहू ,अजय सिंह का चयन हुआ है। वहीं एनटी रोशन कुमार देवांगन, करण सोनी, रंतिदेव राठौर, श्रुति गुप्ता, गजेंद्र ओगारे, हेम लाल सिदार, सीटीआई खुशबू सोनी, नरेंद्र देवांगन, भावना गोस्वामी, कविता देवांगन, मोनिका वर्मा, नीरज कुमार गुप्ता, संध्या, निखिल केशरी, सीमा पटेल, अपूर्व मिश्रा, शशांक शंकर तिवारी, भूपेंद्र कुमार जंघेल, प्रमिला, आकाश कुमार टंडन, गेंदलाल चेलकर, लकेश कुमार ठाकुर, केशव कुमार, श्रवण कुमार मेरिया, महेश्वर कुमार, रेशमी केरकेट्टा, चंद्र सेन साहू, ईएसआई रोहित कुमार वर्मा, अजय राज कश्यप, वैभव गुलहरे, प्रतीक महोबिया, सूरज, नेहा पांडे, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह राठौर, संजय नाइक, पप्पू डनसेना, हितेश कुमार, पंकज जायसवाल, अंकित कुमार नामदेव, सरिता साहू, आरती साहू, शिवांगी तिवारी, प्रिया गुप्ता, देवाशीष, हिमांशु सोनकर, रुचि साहू, चंचल साहू, लक्ष्मी, पूजा अहीर, विनोद कुमार बंधे, देवेंद्र कुमार, स्वाति मेहर, अविनाश कुर्रे, प्रमोद कुमार मधुकर, अजय कुमार, गुलशन कुमार, शैलेंद्र, राजेश, अभिषेक कमल, अमन मरावी, अनिल कुमार, एलेक्स एक्का, त्रिवेणी गढ़िया, कविता ध्रुव, विवेक कुमार दीवान, सोनाली पन्ना, राहुल भगत, नानी राम, दुष्यंत चंद्रवंशी, ज्योति सागर, मिथिलेश कुमारी नेताम, कमल सिंह कुंजम, राकेश कुमार तिर्की, राजेंद्र कुमार सिंह, मनजीत ताराम, तूलिका नेताम, विक्रांत शामिल हैं। वहीं एसआर अनंत गुप्ता, अरविंद महिलांगे, भुनेश्वर सिंह मरकाम, किरण मरावी, हरीश कुमार कंवर, सीओआई जयप्रकाश साहू, ओजस्वी कुमार, दुर्योधन, एजेएस स्वाति साहू, किशोर कुमार जायसवाल, सीईओ ऋषभ कामले, अनिल सिंह, डीईओ अंकुश बनर्जी, प्रशांत वर्मा, का चयन हुआ है।

- सीजीपीएससी -2024 के 249 पदों में 153 दिल्ली आईएएस से

खबर संक्षेप

2029 में हर हाल में झांसी से लड़ूंगी चुनाव : उमा भारती

टीकमगढ़। भारतीय राजनीति की प्रखर और स्पष्टवादी नेता पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शनिवार की शाम टीकमगढ़ स्थित अपने बड़े भाई स्वर्गीय स्वामी प्रसाद के फार्महाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। सबसे पहले उन्होंने बिहार की शराबबंदी का उल्लेख करते हुए कहा कि उसके पीछे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दृढ़ इच्छा शक्ति थी। उमा भारती ने कहा कि बिहार में नीतीश के विधायक भी शराब बेचते रहे, लेकिन नीतीश डटे रहे, तभी शराबबंदी संभव हो सकी। उन्होंने मध्य प्रदेश में भी समाज की भागीदारी को शराबबंदी की अनिवार्य शर्त बताया। आगामी चुनावों को लेकर उन्होंने बड़ा राजनीतिक बयान देते हुए स्पष्ट कहा कि 2029 में वह हर हाल में झांसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2024 का चुनाव उन्होंने केवल इसलिए नहीं लड़ा, क्योंकि उस समय वह गंगा सफाई अभियान में पूरी तरह व्यस्त थीं। देश में चल रही एसआईआर बहस पर उन्होंने कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि यह देश की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम है, जिसे राष्ट्रीय हित में देखा जाना चाहिए। हिंदू राष्ट्र पर अपनी राय देते हुए उमा भारती ने कहा कि भारत सांस्कृतिक रूप से हिंदू राष्ट्र है और हमेशा रहेगा।

62 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन पीएम ने शादी की

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शनिवार को अपनी पार्टनर जोडी हेडन से शादी की। 62 साल के अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के पहले ऐसे पीएम बन गए हैं जिन्होंने पद पर रहते हुए शादी की। अल्बनीज ने 46 साल की जोडी हेडन से कैनबरा में पीएम ऑफिस में शादी की। हेडन फाइनेंशियल सर्विस में काम करती हैं। अल्बनीज ने फरवरी 2024 में हेडन से सगाई थी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक शब्द में पोस्ट किया- मैरिड। उन्होंने वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वे बो-टाई पहनकर अपनी मुस्कुराती दुल्हन का हाथ थामे दिख रहे हैं। अल्बनीज और हेडन सोमवार से शुक्रवार तक ऑस्ट्रेलिया में ही हनीमून मनाएंगे, जिसका पूरा खर्च अपनी जेब से देंगे यानी कोई सरकारी मदद नहीं लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज ने 14 फरवरी 2024 को वैलेंटाइन डे पर सगाई की थी। ऑस्ट्रेलियाई पीएम की यह दूसरी शादी है। उन्होंने 2019 में अपनी पूर्व पत्नी कार्मेल टेबट से तलाक लिया था। यह शादी 19 साल चली।

भारत की तरफ बढ़ रहा दितवाह, तमिलनाडु में भारी बारिश, 54 फ्लाइट्स कैंसिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद साइक्लोन दितवाह भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं शुरू हो चुकी है। शनिवार देर रात तक इसके और तेज होने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेन्नई और चेंगलपट्टू समेत आसपास के जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण 54 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। आईएमडी ने लोगों से आग्रह किया है कि वे समुद्र से दूर रहें, गैर-जरूरी यात्रा टालें और सावधानी बरतें।

इन जगहों की उड़ानों पर हुआ असर

चेन्नई हवाई अड्डे से निलंबित सेवाओं में शनिवार सुबह से रात तक चलने वाली एटीआर-प्रकार की क्षेत्रीय टर्बोप्रॉप उड़ानें शामिल हैं। मदुरै, तिरुचिरापल्ली, थूथुकुडी, सलेम, बेंगलुरु, हैदराबाद और जाफना जैसे गंतव्यों के लिए उड़ानें प्रभावित हुई हैं। प्रस्थान और आगमन दोनों रद्द कर दिए गए हैं। एयरलाइनों ने यात्रियों को अंतिम समय में हवाई अड्डे की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि चक्रवाती हवाओं और भारी बारिश से उत्पन्न खतरों का आकलन करने के बाद यह निर्णय लिया गया है।

इस साइक्लोन से श्रीलंका में 132 लोगों की मौत, कई देशों में मचाई है तबाही

हिंदुस्तान के 4 राज्यों पर एलर्ट कुछ इलाकों में रेड एलर्ट

भारत के इन राज्यों की ओर बढ़ रहा तूफान

श्रीलंका में कम से कम 123 लोगों की जान लेने के बाद यह चक्रवात अब दक्षिण भारत की ओर बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, चक्रवात दित्वा के उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 30 नवंबर तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है। साइक्लोन दितवाह से हुई भारी बारिश ने तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले में नमक उत्पादन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। वेधरण्यम क्षेत्र में करीब 9,000 एकड़ में फैले नमक के खेत पानी में डूब गए, जिससे उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

बनाए गए हैं 6,000 राहत शिविर

तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने बताया कि चक्रवात दितवाह के असर से निपटने के लिए राज्यभर में लगभग 6,000 राहत शिविर बनाए गए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक बहुत कम लोग इन शिविरों में पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि बारिश का दायरा धीरे-धीरे रामनाथपुरम से तटीय जिलों की ओर बढ़ रहा है और फिलहाल इन इलाकों में इसका प्रभाव कम दिखाई दे रहा है। मंत्री रामचंद्रन ने आश्वासन दिया कि सरकार ने चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठा लिए हैं और राहत कैंपों में पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

थाईलैंड और इंडोनेशिया में भारी तबाही

साउथ ईस्ट एशिया के 3 देश इस वक्त सैलाबी अटैक से तबाह हो चुके हैं। इनमें थाईलैंड, इंडोनेशिया और श्रीलंका शामिल हैं। जहां मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चपेट से 500 से ज्यादा मौत की रिपोर्ट है। 50 लाख से ज्यादा की आबादी सड़क पर है। श्रीलंका में तो दितवाह के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड से 132 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। 150 से ज्यादा लापता हैं। वहीं, चक्रवाती तूफान दित्वा द्वारा तबाही मचाने के बाद भारतीय नौसेना श्रीलंका वायुसेना को खोज एवं बचाव अभियान में मदद कर रही है। भारत अपनी तैयारियों के साथ युद्ध स्तर पर श्रीलंका की मदद भी कर रहा है।

'विचारधारा पर टिका है महायुति आगे भी चलता रहेगा' : शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि राज्य का सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन विचारधारा पर आधारित है और आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों पर टिका है। यह बयान उन्होंने महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की टिप्पणी के जवाब में दिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन विचारधारा पर आधारित है और यह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों पर टिका है।शिंदे ने कहा, 'हमारा गठबंधन लंबे समय से विचारधारा पर आधारित है और यह आगे भी चलता रहेगा। उन्होंने यह बयान महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की टिप्पणी के जवाब में दिया। गुरुवार को रवींद्र चव्हाण ने कहा था, 'मैं 2 दिसंबर तक गठबंधन को बचाना चाहता हूं। आरोपों पर बाद में जवाब दूंगा।' 2 दिसंबर से शुरू होने वाले महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों से पहले शिवसेना और बीजेपी के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण को लेकर कानूनी चुनौती भी गठबंधन की बड़ी परेशानी बनी हुई है। 2 दिसंबर को 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव होने हैं।

भारतीयों के जीएसटी विवरण का म्यांमार में गलत इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

क्रॉस-बॉर्डर नारकोटिक्स तस्करी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। ईडी ने बताया कि म्यांमार मूल के लोगों ने भारतीय नागरिकों के जीएसटी प्रमाण पत्रों का दुरुपयोग कर ड्रग्स बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल खरीदा। यह खुलासा एजेंसी की उस कार्रवाई के दौरान सामने आया है, जब ड्रग्स तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में भारत-म्यांमार सीमा पर पहली बार तलाशी ली गई थी।

ईडी ने 27 नवंबर को अपनी इस विशेष कार्रवाई के तहत मिजोरम के आइजोल और चंपाई (भारत-म्यांमार बॉर्डर) में कई ठिकानों पर छापेमारी की। इसके अलावा असम के करीमगंज जिले के श्रीभूमि क्षेत्र और गुजरात के अहमदाबाद में भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जुटाए गए सबूतों से पता चला है कि भारतीय नागरिकों ने म्यांमार के लोगों के लिए सूडोइफेड्रिन टैबलेट और कैफीन एन्हाइड्रस खरीदे। इन रसायनों का उपयोग सीमापार मेथामफेटामिन जैसी सिंथेटिक ड्रग्स के उत्पादन में किया जाता है।

ड्रग रैकेट केस में बड़ा खुलासा

भारत-म्यांमार सीमा पर ली गई पहली बार तलाशी

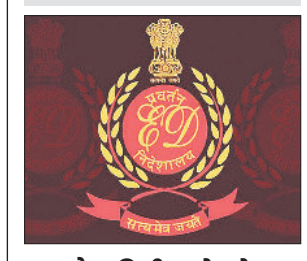

अवैध वित्तीय लेनदेन और धन शोधन का भी आरोप

एजेंसी के अनुसार, यह नेटवर्क न केवल ड्रग्स की तस्करी में शामिल था, बल्कि अवैध वित्तीय लेनदेन और धन शोधन के जरिए इसकी कमाई को भी छिपाया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि म्यांमार नागरिकों ने भारतीय नागरिकों के जीएसटी क्रेडेंशियल्स का दुरुपयोग कर ड्रग निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे पदार्थों की खरीद को वैध दिखाया।

46.7 लाख जब्त, 21 बैंक खाते फ्रीज

छापेमारी के दौरान कुछ हवाला संचालकों और अन्य लोगों से 46.7 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई व एजेंसी ने 21 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया। ईडी का मामला मिजोरम पुलिस की एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें छह लोगों से 1.41 करोड़ रुपये मूल्य की 4.72 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी।

नेशनल हेराल्ड केस पर फैसला तीसरी बार टला सोनिया, राहुल, पित्रोदा के हैं चार्जशीट में नाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला तीसरी बार टल गया है। कोर्ट का यह तय करना है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लें या नहीं।

- फाइनेंशियल गड़बड़ियों का लगाया है आरोप

चार्जशीट में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और दूसरे कई सीनियर कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। ईडी ने इन नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। यह कंपनी ही असल में नेशनल हेराल्ड अखबार पब्लिश करती थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। इसके बाद 8 अगस्त और 29 नवंबर को फैसला टला। अब कोर्ट 16 दिसंबर को फैसला सुनाएगी।

661 करोड़ की संपत्तियां जब्त करने का नोटिस

ईडी ने अप्रैल में एक बयान में कहा कि उसने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। ईडी ने पीएमएलए एक्ट की धारा 8 और नियम 5(1) के अनुसार संबंधित संपत्ति रजिस्ट्रार को दस्तावेज सौंपे थे। ईडी ने कब्जे में लिए जाने वाली संपत्तियां खाली करने की मांग की थी। इन अचल संपत्तियों के अलावा ईडी ने एजेएल के 90.2 करोड़ रुपए के शेयरों को नवंबर 2023 में अपराध की आय को सुरक्षित करने और आरोपी को इसे नष्ट करने से रोकने के लिए कुर्क किया था। ईडी ने मुंबई के बांद्रा में हेराल्ड हाउस की 7वीं, 8वीं और 9वीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस दिया गया, कि वह हर महीने किराया ईडी के निदेशक के पक्ष में ट्रांसफर करे।

ममता का यू-टर्न मानेंगी वक्फ कानून

कोलकाता। केंद्र के नए वक्फ एक्ट 2025 को महीनों तक लागू करने से इनकार करने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने आखिरकार कानून को स्वीकार कर लिया है और 5 दिसंबर की समय सीमा तक राज्य भर में 82,000 वक्फ संपत्तियों की जानकारी सेंट्रल पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश जारी किए हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 इस साल अप्रैल में संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था। गुरुवार शाम को सभी जिला मजिस्ट्रेटों को लिखे एक पत्र में पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव पीबी सलीम ने निर्धारित समय सीमा के अंदर राज्य की वक्फ संपत्तियों की जिलेवार जानकारी सेंट्रल पोर्टल उम्मीदमाइनोरिटी. जीओवी.इन पर अपलोड करने के निर्देश जारी किए। इस फैसले को राजनीतिक तौर पर काफी अहम माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वह राज्य में नए अधिनियम को लागू नहीं होने देंगी।

इसी मकसद से यहां पिछले दिनों हुआ गौशाला का उद्घाटन

तिहाड़ के 'परेशान' कैदियों को मिल रही काऊ थैरेपी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली की तिहाड़ जेल में बुधवार को एक नई गौशाला का उद्घाटन किया गया। इस गौशाला का उद्देश्य न केवल देशी गायों, खासकर साहीवाल गायों का संरक्षण करना है बल्कि उन कैदियों को गौ-चिकित्सा (काऊ थैरेपी) भी प्रदान करना है जो परेशान हैं या जिनके रिश्तेदार उनसे मिलने नहीं आते।

उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने जेल में गौशाला का शुभारंभ किया। तिहाड़ के अधिकारियों ने बताया कि गौशाला में फिलहाल 10 गायें हैं जो कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और दयालुता के प्रसार में मदद करेगी। महानिदेशक (कारागार) एसबीके सिंह ने कहा, 'हमारे कुछ कैदियों से कोई मिलने या उन्हें फ़ोन करने नहीं आता। ऐसी पहल दूसरे देशों में भी की गई है।'तिहाड़ प्रशासन द्वारा रिसर्च के आधार पर काऊ थैरेपी से लाभ मिलने का दावा किया है।

गौधन के संपर्क में आने से स्वास्थ्य में सुधार का किया गया है दावा

हरियाणा में पहले से चल रही है यह थैरेपी

2018 में, हरियाणा की कुछ जेलों में गौ-चिकित्सा का एक नया रूप शुरू किया गया जहां कैदियों ने गौशाला में गायों की देखभाल का जिम्मा संभाला। तिहाड़ अधिकारियों के अनुसार, अच्छे आचरण के लिए जाने जाने वाले कैदी जेल में इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। जेल ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जेल संख्या 2 और 3 में एक छोटी गौशाला के साथ इस पहल की शुरुआत की थी।

अब नंदनवन के चूहे कर रहे पक्षियों का शिकार, पहले चट कर जाते थे दाना

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

चूहों के कुतरे जाने से हो रही पक्षियों की मौत, छह माह पूर्व हरिभूमि ने प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की थी

अटारी स्थित नंदनवन पक्षी विहार में उड़ान भर रहे पक्षियों के लिए चूहों की चीं..चीं की आवाज मौत का पैगाम साबित हो रही। चूहे पूर्व में पक्षी विहार में पक्षियों के दाने चट कर रहे थे। वहीं चूहे अब पक्षियों को कुतर रहे हैं। चूहों के कुतरे जाने से पक्षियों के गर्दन तक अलग हो रहे, पक्षियों की आकाल मौत हो रही। नंदनवन सैर करने गए एक विजिटर ने दिल दहला देने वाली फोटो हरिभूमि के पास शेयर की है, जिसमें चूहे के कुतरे जाने से एक पक्षी का गर्दन धड़ से दिख रहा है। कई अन्य पक्षी भी चूहे के कुतरे जाने से मरे हुए दिख रहे हैं।

नंदनवन पक्षी विहार के लिए अलग से बजट नहीं होने की वजह से नंदनवन प्रबंधन विजिटर से प्राप्त आय के लिए दाना की व्यवस्था करते हैं। पक्षी विहार की जमीन मिट्टी की है। इस वजह से बड़े पैमाने पर चूहों ने अपना बिल बना लिया है। दानों की गंध सूंघकर चूहे बिल से बाहर निकल कर

पक्षियों के साथ दाना चट करते आसानी से देखे जा सकते

हैं। दाना चट करने के दौरान चूहे पक्षियों पर आक्रमण कर देते हैं। इसके कारण पक्षियों की मौत तक हो रही है। नंदनपन पक्षी विहार में पक्षियों के लिए जहां खुले में बाड़े के साथ नेट लगाए गए हैं, वहां घने पेड़ होने के साथ ही जमीन मिट्टी वाली है। इस वजह से चूहों ने मिट्टी खोदकर बिल बना लिए हैं। उसी बिल से निकलकर चूहे पक्षियों के लिए पॉट में रखा दाना खाने के लालच में आते हैं। पूर्व में पक्षी विहार प्रबंधन ने चूहों की वजह से पक्षियों को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होने का दावा किया था, लेकिन धरातल में सच्चाई कुछ अलग ही दिख रही है।

अफसरों के अनुसार पक्षियों के लिए हर सप्ताह मक्का तथा बाजरा लाया जाता है। पक्षियों के लिए लाए गए दाना को स्टोर नहीं किया जाता। खुले में सुरक्षित स्थान पर पक्षियों के लिए पॉट में दाना रख दिया जाता है। इसकी वजह पक्षी पूरे दिन दाना चुगते रहते हैं। खुले में दाना होने की वजह से भी चूहे दाना खाने के लिए आते हैं। पक्षी विहार में भारी तादाद में चूहे हैं, लेकिन इन चूहों को मारने के लिए जहर नहीं दिया जा सकता। इसकी वजह पक्षी विहार में रहने वाले पक्षी जहर की चपेट में आ सकते हैं। इससे पक्षियों की मौत हो सकती है। पक्षी विहार के अफसर के अनुसार चूहों के दाना खाने के बाद भी पक्षियों के लिए पर्याप्त मात्रा में दाना रहता है।

चूहों के बचाव के लिए करने होंगे उपाय

चूहों को जहर देकर मारना संभव नहीं है, लेकिन चूहों के नियंत्रण के लिए प्रबंधन को पारंपरिक उपाय करने होंगे। साथ ही जिन स्थानों पर चूहों ने बिल बना लिया है, वहां की जमीन की खुदाई कर जमीन के नीचे कांच के टुकड़े के साथ लोहे की कील डालकर ऊपर से मिट्टी डालकर चूहों से बचाव का उपाय किए जा सकते हैं।

चूहों ने बनाया सैकड़ों की संख्या में बिल

पक्षी विहार में चूहों ने सैकड़ों की संख्या में बिल बना लिया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि चूहे अब अपने आसपास मानव आहट के बाद भी बिल में छिपने के बजाय पक्षियों के दाना चट करते देखे जा सकते हैं। चूहों के उपाय करने पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अरुण पाण्डेय से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इसके लिए उपाय करने की बात कही।

एनओसी के चक्कर में बांडेड डाक्टरों के हाथों से फिसल रही ऑल इंडिया कोटे की एमडी-एमएस की सीट

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

बांड ड्यूटी के दौरान उच्च शिक्षा के लिए विभागीय एनओसी की वजह से कई स्थानीय छात्र ऑल इंडिया कोटे से एमडी-एमएस की सीट पाने का मौका गंवा सकते हैं। पूर्व में शपथपत्र के आधार पर एडमिशन देकर अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा करने का मौका दिया जाता था। इस बार काउंसिलिंग कमेटी एडमिशन के दौरान एनओसी जमा करने के नियम पर प्रवेश दे रही है।

राज्य में ऑल इंडिया कोटे की मेडिकल पीजी की सीट पर एडमिशन दिया जा रहा है। इसकी अंतिम तारीख 1 दिसंबर है, इसे लेकर अनुबंध सेवा देने वाले बांडेड डाक्टर चिंतित हैं, क्योंकि अवकाश यानी रविवार को स्वास्थ्य विभाग से उन्हें एनओसी मिलना संभव नहीं है। अभा. कोटे से मेडिकल कालेज रायपुर में रेडियोथेरेपी की सीट प्राप्त करने वाले छात्र ने बताया कि 25 लाख के बांडपत्र के आधार पर उच्च शिक्षा के लिए प्राप्त होने वाली एनओसी उसे नहीं मिल पाई है। काउंसिलिंग कमेटी द्वारा शनिवार को पूरे दस्तावेज लेकर आने पर ही एडमिशन देने का नियम बताया गया है। छात्र का कहना है कि सोमवार को अगर उसे सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं होता है, तो वह अपनी सीट गंवा देगा। इसी तरह एक

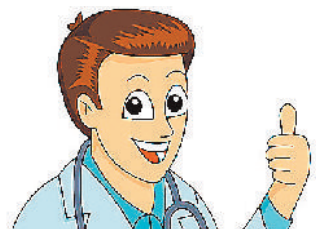

छात्रा को भी एडमिशन के लिए सोमवार को एनओसी मिलने का इंतजार है। छात्रों का तर्क है कि पहले शपथपत्र देकर एडमिशन दिया जाता था और एनओसी जमा करने की तारीख दी जाती थी। इस बार प्रमाणपत्र होने पर ही एडमिशन का नियम उनके लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। शासकीय कालेज से यूजी और पीजी की पढ़ाई करने वालों को दो-दो साल की बांड सेवा देनी होती है। यूजी के बाद अनुबंध सेवा के दौरान अगर उनका चयन उच्च शिक्षा के लिए होता है, तो उन्हें विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होता है। इसके अनुसार पढ़ाई पूरी होने के बाद संबंधित छात्र यूजी की शेष और पीजी के बाद की दो साल की बांड ड्यूटी पूरी करेगा।

2019 बैच के एमबीबीएस डाक्टर को इस बार पहले प्रयास में ही ऑल इंडिया कोटे से प्रवेश का मौका मिला है। अनुबंध सेवा की शुरुआत नहीं होने की वजह से उसे एनओसी मिलने का सवाल ही नहीं और इसकी वजह से उसका सीजीएमसी में पंजीयन भी अटका हुआ है। संबंधित छात्र द्वारा चिकित्सकों के संगठन सीजीडीएफ के अध्यक्ष डा. हीरा सिंह से मदद की गुहार लगाई गई है। सीजीडीएफ के पदाधिकारी का कहना है कि गलत नियम और रोकटोक की वजह से स्थानीय छात्र उच्च शिक्षा से चूक रहे हैं। इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी।

राज्य कोटे पर नहीं बन पाया संशोधित नियम

हाईकोर्ट के फैसले के बाद अटकी राज्य कोटे की पीजी सीटों पर काउंसिलिंग अब तक शुरू नहीं हो पाई है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग संशोधित नियम जारी नहीं कर पाया है। अखिल भारतीय नियतांश की सीटों पर पहले दौर का एडमिशन दो दिन में पूरा होगा। दूसरी ओर राज्य कोटे की सीटों के लिए स्थगित आवेदन की प्रक्रिया भी अब तक शुरू नहीं पाई है। न्यायालय ने स्टेट कोटे की सीट पर डोमिसाइल आरक्षण के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग इस विकल्प तलाशने के प्रयास में जुटा हुआ है।

योजना को हो गए दो साल पर डेंटल कालेज में नहीं बनी ई-लाइब्रेरी, खर्च होने थे दस करोड

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

एंबुलेंस कंपनी से भवन वापस मिलने के बाद बनाई गई थी योजना, सीजीएमएससी के पास है खरीदी और आवश्यक निर्माण की जिम्मेदारी

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को हाईटेक अध्ययन की सुविधा देने के लिए बनाई गई ई-लाइब्रेरी की योजना अभी भी कागजों से बाहर नहीं निकल पाई है। एंबुलेंस कंपनी से भवन वापस मिलने बाद इसके लिए दस करोड़ की योजना बनाई गई थी। सीजीएमएससी के पास आवश्यक खरीदी और निर्माण की जिम्मेदारी है, मगर उसकी ओर से इसकी शुरुआत ही नहीं की गई है।

शासकीय डेंटल कालेज प्रबंधन इस बात को लेकर काफी उत्साहित था कि कालेज में बनने वाली ई-लाइब्रेरी अति आधुनिक तरीके की होगी। यहां देश-विदेश से जुड़ी किताबें ऑनलाइन तरीके से संग्रहित होंगी, जिसका लाभ यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा। लाइब्रेरी के निर्माण और वहां जुटाई जाने वाली सुविधा के मद्देनजर कालेज प्रबंधन द्वारा गठित टीम द्वारा एम्स, शासकीय इंजीनियरिंग कालेज सहित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में मौजूद लाइब्रेरी का जाकर निरीक्षण किया गया था। इसके बाद निर्माण संबंधी प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। दरअसल जिस भवन को कालेज प्रबंधन लाइब्रेरी का रूप देना चाहता है वह कुछ साल पहले स्वास्थ्य विभाग से वापस मिला है। राज्य निर्माण के कुछ समय बाद ही यहां शुरू की गई निशुल्क एंबुलेंस सेवा के लिए डेंटल कालेज परिसर में स्थित एक भवन को स्वास्थ्य विभाग द्वारा अधिग्रहित किया गया था। करीब दस साल तक उस भवन से एंबुलेंस सेवा का कंट्रोल रूम संचालित हुआ था। अनुबंध समाप्त होने के बाद यह बिल्डिंग पूरी प्रक्रिया के साथ डेंटल कालेज भवन को हैंडओवर की गई थी। यहां लाइब्रेरी बनाने का काम सीजीएमएससी को दिया गया। कार्पोरेशन अपने स्तर पर यहां संग्रहित की जाने वाली पठनीय सामग्री का संकलन करता और वहां लाइब्रेरी के अनुरूप निर्माण कार्य पूरा करता। जिम्मेदारी मिलने के करीब डेढ़ साल बीतने के बाद भी इस पर गंभीरता नहीं दिखाई गई और ई-लाइब्रेरी योजना में ही सीमित रह गई।

सुविधाओं का विस्तार भी अटका

सरकारी स्तर के एकमात्र शासकीय कालेज की सुविधाओं का विस्तार भी प्रक्रियाओं में ही अटका है। यहां के अस्पताल में रोजाना ढाई से तीन सौ मरीजों की दांतों का इलाज होता है। जरूरत के हिसाब से यहां संसाधन कम है जिसे देखते हुए खरीदी का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। खरीदी की जिम्मेदारी भी दवा निगम के पास थी जो पूरी ही नहीं हुई। दांतों का अस्पताल अभी अपने पुराने संसाधनों के भरोसे चल रहा है।

इलाज का खर्च कम मगर भार मरीजों पर

शासकीय डेंटल कालेज में जांच और उपचार की सुविधा कम खर्च पर मिल जाती है मगर इसका भार आने वाले मरीजों की जेब पर होता है। दांतों से संबंधित कई बीमारियों के इलाज की सुविधा आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना में नहीं है। काफी समय पहले राज्य स्तर पर इसका प्रयास शुरू किया गया था मगर विभाग को सफलता नहीं मिल पाई। निजी अस्पतालों में दांतों के इलाज का खर्चा काफी अधिक है।

चुनाव में प्रदर्शन के आधार पर बदले गए जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में वरिष्ठ नेताओं के नामों को तव्वजो

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस के नव नियुक्त जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी गई है। नामों की घोषणा में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन को देखते हुए जिला अध्यक्ष बदले गए हैं। ऐसे जिले जहां पर कांग्रेस को करारी हार मिली, वहां शहर और ग्रामीण दोनों अध्यक्षों को बदलकर नए लोगों को मौका दिया गया है। ऐसे जिलों में रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कवर्धा, राजनांदगांव, रायगढ़, दंतेवाड़ा, महासमुंद, जांजगीर-चांपा सहित करीब 25 जिले शामिल हैं।

कांग्रेस ने लगभग 25 स्थानों पर नए जिला अध्यक्षों को संगठन को मजूबत करने की जिम्मदारी सौंपी है। वहीं करीब 16 स्थानों पर अध्यक्षों को दोबारा मौका दिया गया है। संगठन सृजन अभियान के दौरान नए और युवाओं को आगे लाने का प्रयास किया गया है। जारी सूची में यह देखा गया है कि रायपुर जिले के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र की सभी सीटों में कांग्रेस को करारी हार मिली। यहां पर जिला अध्यक्ष पिछले पांच साल से कार्य कर रहे थे। इस आधार पर उनके स्थान पर नए लोगों को मौका दिया गया है। बिलासपुर और राजनांगांव जिले में शहर और ग्रामीण दोनों जगहों पर नए लोगों को मौका दिया गया है। यहां पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था। रायगढ़ शहर में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा, वहीं ग्रामीण से कांग्रेस को एक स्थाना पर जीत मिली थी। इस आधार पर शहर जिला कांग्रस अध्यक्ष को बदला गया है। ग्रामीण में नहीं बदला गया है। दंतेवाड़ा, महासमुंद, कवर्धा में भी जिला अध्यक्षों पर हार का ठीकरा फूटा है।

हार-जीत के अलावा कई जगहों पर विधानसभी चुनाव में हारने के बाद बई जिला अध्यक्षों को फिर से मौका दिया गया है। यहां पर यह देखने में आया है कि बड़े नेताओं के दबाव में उन्हें नहीं बदला गया। इनमें जगदलपुर शहर से सुशील मौर्य का नाम शामिल है। वे दीपक बैज के समर्थक माने जाने हैं। वहीं सरगुजा जिले में टीएस सिंहदेव समर्थक को एक बार फिर मौका दिया गया है। बेमेतरा जिले में कांग्रेस की बूरी तरह से हार हुई थी। इसी प्रकार अधिकांश जिला अध्यक्षों की नियुक्ति चार माह पूर्व नियुक्त किए जिला अध्यक्ष शामिल हैं। उन्हें बदला नहीं गया है।

एकजुटता के साथ काम करें

छत्तीसगढ़ के पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ये नियुक्तियां लोकतांत्रिक और पारदर्शी संगठनात्मक पुनर्निर्माण के प्रति आलाकमान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई देते हुए एकजुटता के साथ काम करने की हिदायत दी है। कांग्रेस ने इस बार महिलाओं को भी मौका दिया है। बलौदाबाजार से सुमित्रा घृतलहरे, धमतरी से तारिणी चंद्राकर शक्ति से रश्मी गभेल सहित कम से कम आठ महिला नेताओं को नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि ये नियुक्तियां केवल राजनीतिक आधार पर नहीं की गई हैं।

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

डाकघर कार्यालय में पेंशन अदालत 8 दिसंबर को

रायपुर। प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर द्वारा डाक विभाग के पेंशनरों की समस्याओं और शिकायतों के निपटारे के लिए 8 दिसंबर को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह अदालत सुबह 11 बजे से लगाई जाएगी। यह जानकारी संभाग के प्रवर अधीक्षक डाकघर ने देते हुए बताया कि डाक विभाग के पेंशनर, जिनकी पेंशन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या एवं शिकायत है, वे पेंशन अदालत में अपनी समस्या शिकायत के निपटान के लिए उपस्थित हो सकते हैं।

विधानसभा सचिव का कार्यकाल एक साल बढ़ा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा था। एक साल कार्यकाल बढ़ने पर अब वे 30 नवंबर 2026 तक विधानसभा सचिव के पद पर बने रहेंगे। उन्हें डॉ. चरणदास महंत ने विधानसभा अध्यक्ष रहते विधानसभा सचिव बनाया था। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ भी करीब-करीब दो साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। दिनेश शर्मा के पहले चंद्रशेखर गंगराड़े और देवेंद्र वर्मा को विधानसभा सचिव के तौर पर सेवावृद्धि मिली थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल
अनुलग्नक–II
खानपान इकाई निविदा क्र. E-Auction NO. - COM/Catg./E-Auction/BPH/NIA&KOI/2025
बिलासपुर मंडली के बेलपहार, नैला और खोडरी रेलवे स्टेशनों के खानपान इकाईयों के लिये, ई–नीलामी (निविदा) आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in पर दिनांक 22.11.2025 को प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है:–

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक/समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
Catg.-BSP-DEF-25-1	खानपान–सामान्य लघु इकाई (जीएमयू)	09-12-25 13:00:00	Catg.-BSP-BPH-GMU-68-23-1 (खानपान–सामान्य लघु इकाई)	बेलपहार रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का TS-195-/BPH/PF-1/2	1826 दिन
	खानपान–सामान्य लघु इकाई (जीएमयू)	09-12-25 13:00:00	Catg.-BSP-NIA-GMU-175-24-1 (खानपान–सामान्य लघु इकाई)	नैला रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS-154-/NIA/PF-2/3	1826 दिन
	खानपान–सामान्य लघु इकाई (जीएमयू)	09-12-25 13:00:00	Catg.-BSP-KOI-GMU-91-25-1 (खानपान–सामान्य लघु इकाई)	खोडरी रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS-232-/KOI/PF-1	1826 दिन

सीपीआर/10/FL/497 सहायक वाणिज्य प्रबंधक, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
निविदा क्रमांक: CPM-EL-BSP-TGQ-25-26-20, दिनांक: 17.12.2025
कार्य: "टैंगनमाडा (टी. जी. क्यू.) स्टेशन यार्ड में मौजूदा लूप लाइन (दोनों छोर पर यानी बिलासपुर और कटनी छोर पर) की ओवर रन लाइन का विस्तार करके अप ग्रिड में 02 लंबी लूप लाइनों का निर्माण"।
निविदा मूल्य: रु. 1.24,59,529.56 (एक करोड चौबीस लाख उनसठ हजार पांच सौ उन्नतीस रूपये एवं छप्पन पैसा मात्र) **अमानत राशि:** रु 2,12,300.00 **कार्य पूरा होने की अवधि:** 12 (बारह) माह। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक** 17.12.2025 को 15:00 बजे **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक** 17.12.2025 को 15:30 बजे
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के कार्यालय, पुराना कंस्ट्रक्शन भवन, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्यालय के बगल, बिलासपुर पिन 495004 में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है, उसे डाउन लोड करके/देख मकते हैं।
उप मु.वि.इंजी./परियोजना
सीपीआर/10/AM/500 द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-2 कोरबा, प्रथम तल, घंटाघर के पास, निहारिका, कोरबा (छ.ग.)
बैंक हेतु व्यवसायिक परिसर की आवश्यकता है
भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, क्षेत्र-2, कोरबा की बलोदा शाखा स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए बलोदा के मुख्य मार्ग एवं आस पास भूतल में **लगभग 2500-3000 वर्ग फीट** क्षेत्रफल के व्यवसायिक भवन बैंक परिसर हेतु किराये पर आवश्यकता है।
इच्छुक भवन/दुकान स्वामियों से निम्नलिखित शर्तों एवं नियमों के अनुसार प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं:
1. आवेदक प्रस्तावक के पास भवन का मालिकाना हक सहित विलेख (क्लीन टाइटल डीड), प्रमाणित नक्शा, भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र, भूस्वामी का पहचान व वर्तमान पते के साथ दूरभाष/ मोबाईल नम्बर आदि होना चाहिए।
2. भू-स्वामी भवन को कम से कम 10 वर्षो के लिए किराए पर देने हेतु इच्छुक हो तथा आगे भी 5-5 वर्षों के न्यूनतम 10 वर्षों के नवीनीकरण हेतु सहमत हो।
3. भवन सामान्यतः निर्मित स्थिति (**READY TO MOVE**) निर्माणाधीन हो तथा निविदाकर्ता को बैंक की आवश्यकतानुसार भवन में सुधार कराने हेतु तैयार होना चाहिए, भू संपति पर कोई भी बकाया टैक्स अथवा न्यायालीन विवाद न हो।
4. निविदाकर्ता को बैंक द्वारा चाही गयी आवश्यक विद्युत लोड 3 फेस कनेक्शन लगभग 30-35 **KVA** सहित प्रस्तावित परिसर में उपलब्ध कराना होगा, जिसका खर्च भू-स्वामी को वहन करना होगा। भवन का अधिपत्य लेने के पश्चात् बिजली का बिल बैंक द्वारा वहन किया जायेगा एवं सम्पति कर भवन स्वामी द्वारा वहन किया जायेगा। भवन के साथ जनरेटर रखने हेतु स्थान एवं 1000 वर्गफिट पार्किंग व्यवस्था होना चाहिये, जिसका अलग से किराया देय नहीं होगा।
5. आवेदन पत्र बैंक की वेबसाइट **www.sbi.co.in** पर उपलब्ध **"Procurement News"** लिंक से डाउनलोड किए जा सकते हैं अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान बलोदा शाखा एवं क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-2 कोरबा, परिसर एवं सम्पदा विभाग से प्राप्त किए जा सकते हैं।
6. प्रस्ताव का प्रारूप, पात्रता मानदंड, नियम व शर्ते और अन्य विवरण तथा निविदा कागजात भवन मालिक आवेदन पत्र में दिए गए सभी दिशा-निर्देशों एवं शर्तों का पालन करते हुए पूर्ण रूप से भरे हुए प्रस्ताव दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में प्रस्तुत करें। जिनमें एक पर (वैकल्पिक भवन तकनीकी) लिखा होना चाहिये तथा इसमें प्रस्तावित भवन का पता, व्यावसायिक स्वीकृति, भवन का एमओएस सहित स्वीकृत नक्शा, मालिकाना हक का प्रमाण, प्लाट का क्षेत्रफल एवं अन्य तकनीको शर्ते/जानकारी होगी एवं दूसरे लिफाफे में (वैकल्पिक भवन वित्तीय) लिखा होना चाहिये तथा इसमें दरी क्षेत्र (कार्पेट एरिया) प्रति वर्ग फीट किराया प्रतिमाह एवं अन्य वित्तीय नियम व शर्ते होना चाहिये।

उक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखकर **दिनाँक 15.12.2025** को दोपहर **3.00 बजे** तक इच्छुक व्यक्ति अपनी निविदा सफेद कागज पर सीलबंद लिफाफे में स्वयं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय 2 कोरबा, प्रथम तल, घंटाघर के पास, निहारिका, कोरबा (छ.ग.)** को प्रेषित कर सकते है। किसी भी प्रकार का कमीशन देय नहीं होगा।
भारतीय स्टेट बैंक किसी भी या सभी प्रस्तावों को बिना कारण बताए स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्र. सं.	वांछित भवन का विवरण	स्थान	बिजली कनेक्शन	आवश्यक क्षेत्रफल	अन्य आवश्यकताएँ
	बलौदा शाखा (07100)	मुख्य मार्ग एवं आस पास, बलौदा, जिला जांजगीर-चम्पा (छ.ग.) -495454	30-35 KW/ शाखा की आवश्यकता अनुसार	2500-3000 वर्गफुट (ग्राउंड फ्लोर पर अनिवार्य)	वाहन पार्किंग हेतु लगभग 1000 वर्गफुट, ATM हेतु अतिरिक्त 80-100 वर्गफुट फ्रंटेज 30-40 फीट

क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, क्षेत्र-2, कोरबा

शब्द पहेली - 6063

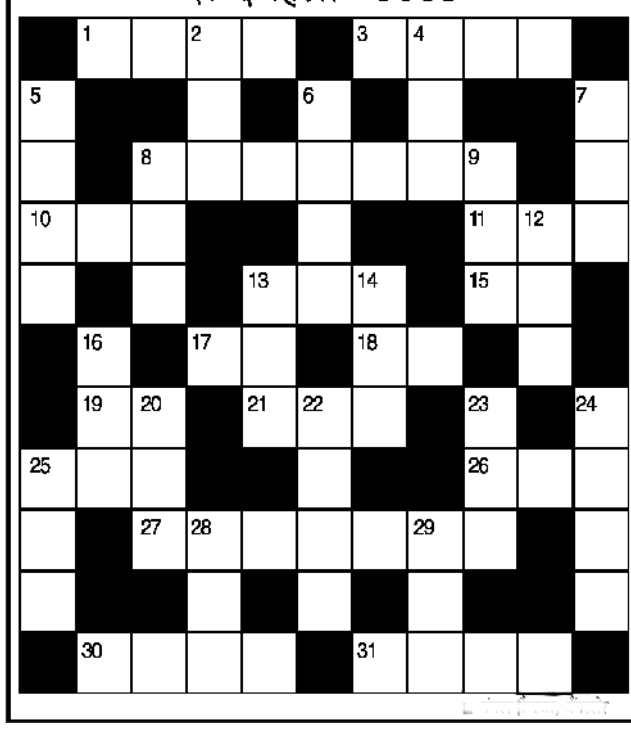

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मौजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6062 का हल

अ	मा	न	त	■	अ	■	बी	र	ब	ल
■	ला	■	वा	■	म	हि	मा	■	ल	व
म	■	■	य	की	न	■	र	■	■	कु
त	क	ली	फ	■	चै	त्र	■	क	ल	श
वा	■	ड	■	रा	न	■	गै	■	ह	■
ला	प	र	वा	ह	■	का	र	गु	जा	री
■	र	■	दा	■	अ	स्त	■	मा	■	मा
प्र	ख	र	■	पा	प	■	म	न	च	ला
जा	■	■	शा	■	ह	न	र	■	■	गू
प	र	■	पि	ह	र	■	ह	■	शा	■
ति	जा	र	त	■	णा	■	र	ह	म	त

सूडोकु नवताल- 6073

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6072 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

प्रथम पृष्ठ का शेष

पति-पत्नी का...

अधिकारी और नेता, सबने दिया सिर्फ आश्वासन-राशन और बैंक खाता बंद होने की समस्या को लेकर सुकलु और कमला कुंजाम, अपनी बेटी रेखा कुंजाम के साथ, पिछले दो वर्षों में कई बार सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नेताओं के पास गुहार लगा चुके हैं। हर जगह उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है, लेकिन आज तक इस यूनिक आधार त्रुटि को सुधारा नहीं गया है। **आवास योजना भी बनी प्रभावित**-योजनाओं का लाभ नहीं मिलने का सबसे बड़ा उदाहरण तब सामने आया, जब इस परिवार को आवास योजना के तहत मकान बनाना था। एक ही आधार नंबर होने के कारण लाभार्थी के रूप में पात्रता नहीं मिल पाई। गरीबों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं में आधार कार्ड सबसे अनिवार्य दस्तावेज है, लेकिन जब यह आधार ही गलत हो, तो यह परिवार विकास के हर रास्ते से बाहर हो जाता है। **मिली है जानकारी**- जानकारी मिली है आवेदन मंगवाया जा रहा है। संबंधित विभाग से सम्पर्क कर आधार नम्बर जल्द ही सुधरवाया जाएगा। - **अविनाश ठाकुर**, एसडीएम

आधार नंबर की...

साल पहले मजबूरी में सीएससी सेंटर से जब सुकलु कुंजाम का आधार निकाला गया, तो चौंकने वाली बात सामने आई, उनका और उनकी पत्नी कमला का आधार नंबर बिल्कुल एक जैसा था! इतना ही नहीं, दोनों के आधार कार्ड में उनकी जन्मतिथि भी एक ही दर्ज है -23.04.1965

गरीब की थाली...

एक ही हैं, जिससे सिस्टम उन्हें एक ही व्यक्ति मान रहा है। साथ ही आधार नंबर समान होने के कारण सुकलु कुंजाम का बैंक में खाता नहीं खुल पा रहा है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने या मजदूरी का पैसा सीधे खाते में प्राप्त करने का उनका हक छिन गया है।

साय ने कहा-...

तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र सहित पूरे क्षेत्र को अत्याधुनिक, सुलभ और किफायती चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। 'नवा रायपुर मेडिसिटी' उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं, मेडिकल शिक्षा, अनुसंधान और मेडिकल टूरिज्म सभी को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराते हुए भारत के विकसित भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगी। अत्याधुनिक कनेक्टिविटी, व्यापक परिवहन नेटवर्क और भौगोलिक दृष्टि से रणनीतिक स्थिति नवा रायपुर को न सिर्फ छत्तीसगढ़, बल्कि ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों के लिए भी उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख गंतव्य बना रही है। हर वर्ष 7 करोड़ से अधिक यात्री यहां के एयरपोर्ट और रेल सेवाओं का उपयोग करते हैं, और जल्द ही शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बाद मेडिकल टूरिज्म के विस्तृत अवसर यहां खुलने वाले हैं।

5,000 से अधिक...

यूनिवर्सिटी, नर्सिंग कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित किए जा रहे हैं ताकि डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल पेशेवरों की नई और सक्षम पीढ़ी तैयार हो सके। कार्डियोलॉजी, कैंसर साइंस, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ऑर्गन ट्रांसप्लांट और मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब्स यहां स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे। मरीजों और उनके परिजनों के लिए आवासीय परिसर, छात्रावास, होटल और धर्मशाला जैसी सुविधाएं इस पूरे क्षेत्र को एक व्यवस्थित ह्यूमन–सेंट्रिक मेडिकल ज़ोन में बदल देंगी। 'वॉक-टू-हॉस्पिटल' मॉडल, पर्यावरण अनुकूल डिजाइन, सुगम सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी और पीएमजेएवाई व सीजीएचएस जैसी योजनाओं के तहत किफायती उपचार सेवाएं इस परियोजना को पूरी तरह समावेशी बनाती हैं।

यह फोरम नेशनल...

है। सत्र के दूसरे दिन आठ घंटे की चर्चा के बाद पीएम ने एक्स पर किया ट्वीट करते हुए लिखा कि रायपुर में डीजीपी-कान्फ्रेंस में भारत के सिक्योरिटी सिस्टम के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से चर्चा हुई। यह इस क्षेत्र में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन को शेयर करने के लिए एक शानदार फोरम है।

बीवी से झगड़कर...

स्टेशन के बाहर सो रहा था, इस दौरान कोई अज्ञात प्रशांत की बेटी को चोरी कर ले गया। स्टेशन परिसर के पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल करने पर एक महिला दो-तीन बच्चों के साथ प्रशांत की बेटी को अपने साथ खींचकर ले जाती हुई दिख रही है।

मौलाना मदनी बोले-...

लोग भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने में कोई शर्म महसूस नहीं करते। न ही उन्हें पूरे समुदाय को ठेस पहुंचाने की परवाह है। ये तो पुराने दौर से चला आ रहा है। कहीं पर कोई आतंकवादी घटना हो जाती है तो उसको जिहाद बता दिया जाता है। मुसलमानों के ऊपर गलत आरोप लगाए जाते हैं। जब-जब जुल्म होगा तब-तब जिहाद होगा। मदनी ने कहा- इस्लाम में, कुरान में 'जिहाद' का इस्तेमाल कई तरह से किया गया है। इसका इस्तेमाल किसी के कर्तव्य, और समाज और इंसानियत की भलाई के लिए किया गया है। जब इसका इस्तेमाल जंग के लिए किया गया है, तो इसका इस्तेमाल जुल्म और हिंसा को खत्म करने के लिए किया गया है। इसलिए जब जब जुल्म होगा तब तब जिहाद होगा।महमूद मदनी ने हा, "देश के मौजूदा हालात बहुत संवेदनशील और चिंताजनक हैं। दुख की बात है कि एक समुदाय को कानूनी तौर पर कमजोर, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से बेदखल किया जा रहा है। मॉब लिंचिंग, बुलडोजर एक्शन, वक्फ प्रॉपर्टी पर कब्जा और धार्मिक मदरसों और सुधारों के खिलाफ निगेटिव कैंपेन चलाए जा रहे हैं। आज मुसलमान रास्ते पर अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं। मदनी ने कहा कि आज कदम कदम पर मुसलमानों को नफरतों का सामना करना पड़ता है। अब हमें तैयार भी होना पड़ेगा। घर वापसी के नाम पर किसी खास धर्म में शामिल करने वालों को खुली छूट हासिल है। उनके खिलाफ कोई सवाल नहीं उठाता है।

गिनती नहीं सुनाने...

चुके प्रधान पाठक ने बच्चे के गालों पर थप्पड़ की बरसात कर दी। प्रधान पाठक की पिटाई से बच्चे का चेहरा सूज गया है और आंख में खून उतर आया। इस घटना से परिजन आक्रोशित हैं। इधर इस मामले की शिकायत परिजन ने पुलिस से भी की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही डीईओ ने पिटाई करने वाले शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बच्चे के साथ मारपीट का यह मामला रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पलगी अंतर्गत प्राथमिक शाला जावाखाड़ी का है। बताया जा रहा है कि 28 नवम्बर को कक्षा दूसरी में पढ़ने वाला 7 वर्षीय छात्र प्रतिदिन की तरह स्कूल गया था। भोजन अवकाश के बाद प्रधान पाठक उदय कुमार यादव ने छात्र को गिनती सुनाने को कहा। गिनती सुनाने के दौरान जैसे ही छात्र ने गलती की तो प्रधान पाठक ने बच्चे के दोनों गाल पर थप्पड़ जड़ दिए जिससे बच्चे ने डरकर सिर झुका लिया। छात्र के सिर झुकाने से शिक्षक और भी नाराज हो गए और उन्होंने इस छात्र दोनों गालों पर थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। शिक्षक की पिटाई से बच्चे का गाल सूज गया। स्कूल की छुट्टी होने पर जब छात्र घर पहुंचा तो उसने मामले की शिकायत परिजन से की जिसके बाद परिजन का आक्रोश भड़क उठा। छात्र के पिता धनंजय यादव का आरोप है कि शिक्षक अक्सर नशे में ही स्कूल आते हैं। धनंजय यादव ने मामले की शिकायत त्रिकुंडा पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में भी रोष है। शिकायत के बाद पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। की गई है कार्रवाई : छात्र के साथ मारपीट के शिकायत की जांच कराई गई। जांच में मारपीट की पुष्टि होने के बाद प्रधान पाठक को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही मामले की जांच चल रही है। -**मनीराम यादव**, डीईओ

थम गई दुनिया...

अचानक गिरने की वजह से एअरक्राफ्ट में कई यात्री घायल हुए थे। इसके बाद फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। इस घटना के बाद अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की। वहीं दुनिया भर की एअरलाइंस ने इसके बाद जरूरी अपडेट की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी वजह से कई फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित हो रहा है। भारत में इसका असर ज्यादा दिख रहा है। इसकी वजह यहां पर ए 320 विमान का ज्यादा इस्तेमाल है। भारत में इस फैमिली के लगभग 338 विमान पर सॉफ्टवेयर अपडेट का असर है, जो इंडिगो और एअर इंडिया इस्तेमाल करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में दो से तीन दिन का वक्त लग सकता है। इसमें इंडिगो पर की सर्विस पर ज्यादा असर पड़ेगा। **कितने विमान प्रभावित?**-दुनिया भर में एअरबस ए320-फैमिली के 11,300 से ज्यादा एअरक्राफ्ट्स इस्तेमाल होते हैं। इसमें से लगभग 6,440 एअरक्राफ्ट्स ए320 मॉडल के हैं। रिपोर्ट्स की मानें, तो 6000 प्लेन ऐसे हैं, जिन्हें तुरंत सॉफ्टवेयर अपडेट की जरूरत है। इस अपडेट की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल होने और उनसे संचालन में देरी जैसी समस्याएं हो रही हैं।

रजिस्ट्री पर ब्रेक,-...

कई स्थानों पर रजिस्ट्री प्रक्रियाएं रुकी हुई हैं। इससे पहले जब छोटे प्लाट की रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगा था रजिस्ट्री पर असर पड़ ही चुका है। जिला पंजीयन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले एक सप्ताह में रजिस्ट्री एक चौथाई भी नहीं हो रही है। रजिस्ट्री कराने पहुंचने वाले लोग भटकते रहे और पूरा पंजीयन कार्यालय लगभग खाली सा दिखाई दे रहा है। ध्यान रहे कि शासन की ओर से नई गाइडलाइन 20 नवंबर से प्रभावी की गई है। गाइडलाइन लागू होते ही जिलेभर में जमीनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया थम गई। कई लोग तय तारीख पर दस्तावेजों के साथ पंजीयन कार्यालय पहुंचे, लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ा। उनका कहना है कि नई गाइडलाइन की वजह से रजिस्ट्री के लिए पहले से तय प्लान गड़बड़ा गया है। वे पिछले दो दिनों से दस्तावेज लेकर घूम रहे हैं। आवेदक बार-बार अधिकारियों से पूछ रहे हैं कि रजिस्ट्री कब शुरू होगी। टोकन कटवाने वालों में भी भ्रम की स्थिति है। कई लोगों को लग रहा है कि उनकी रजिस्ट्री रोकी जा रही है।

मंत्री प्रहलाद पटेल...

और कद अलग रूप से रखते हैं। आज वे अहम मुकाम पर हैं, यह उनके पिता की सीख और शिक्षा का ही नतीजा है। कैबिनेट मंत्री पटेल ने इस अवसर पर डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की ।

हमने मारे आतंकी...

कार्यवाही संतुलित होने के साथ ही बिना किसी उकसावे वाली थी। जिसमें हमने केवल पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी शिविरों को ही नष्ट किया। लेकिन सीमा पर बनी हुई असामान्य स्थिति के लिए पूरी तरह से पाकिस्तान ही जिम्मेदार है। क्योंकि उसके दुर्व्यवहार की वजह से ही सीमाई हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। रक्षा मंत्रालय ने 29 नवंबर को एक बयान जारी कर रक्षा मंत्री के भाषण को सार्वजनिक किया है। **सार्वजनिक जवाबदेही का रखें ध्यान**- उन्होंने कहा कि नागरिक सेवक केवल आदर्शवादी संरक्षक नहीं हैं। बल्कि जनसेवक हैं। इसलिए उन्हें उत्तरदायी और सार्वजनिक जवाबदेही से कार्य करना चाहिए। इसके अलावा आपकी भूमिका केवल प्रदाता ही नहीं, बल्कि सशक्तिकरण के सूत्रधार की भी है। आपका चरित्र भ्रष्ट न हो और आचरण सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण होना चाहिए। जन सेवकों को एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी जहां सत्यनिष्ठा न तो कोई गुण हो, न ही अपवाद। ये दैनिक जीवन का एक सामान्य हिस्सा हो। प्रशिक्षुओं को हर नागरिक के साथ सहानुभूति और समझदारी से बर्ताव करना चाहिए। जब अधिकारी समाज के वंचित या कमजोर वर्गों के साथ संवाद करते हैं तो उन्हें ये समझना चाहिए कि लोगों के संघर्ष न केवल उनके प्रयासों से बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से भी प्रभावित होते हैं।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी • डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital, Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मरीन फोम एंड फर्निशिंग, पेट्रोल पम्प के पास भारतीय नगर चौक व्यापार विहार रोड बिलासपुर 8889978688 **(39279)**

आवश्यकता है- हाऊस कीपिंग के लिए स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हॉटल शिवनेरी, सीएमडी कॉलेज ग्राउंड के सामने, लिंक रोड, बिलासपुर 7776864202 **(1483)**

आवश्यकता है- तखतपुर स्थित राइस मिल में कार्य हेतु न्यूनतम 10वर्ष अनुभवी मशीन ऑपरेटर (मिस्त्री) की आवश्यकता है जिसे अच्छा वेतन एवं रहने की सुविधा प्रदान की जाएगी सम्पर्क करें- 8754507712, 7869955482 **(39287)**

आवश्यकता है- फ्रुट स्टॉल में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन कार्य के अनुसार सम्पर्क करें- 7974526737 **(39291)**

आवश्यकता है- कांट्रेक्टर फॉर्म बिलासपुर में एकाउंटेंट, कम्प्यूटर में डाटा एंट्री आपरेटर एवं स्टोर इंचार्ज अनुभवी युवक की आवश्यकता है समय 11 से 7 सैलरी- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9203390737, 9755181716 **(39290)**

आवश्यकता है- डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है। वेतन 18000+ इंसेंटिव, स्वयं की बाइक, वैध लाइसेंस स्मार्ट फोन, नेविगेशन अनुभवी पता- साईं कॉम्पलेक्स, फर्स्ट फ्लोर, जेजे हॉस्पिटल के पास, तोरवा, बिलासपुर 7000110166, 9243211815 **(39278)**

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की, मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन मोपका चौक AGFG चर्च के पास बिलासपुर 7987236607, 7898744079 **(39263)**

आवश्यकता है- अमित थ्रेड गोल बाजार के अन्दर एवं तेलीपारा रोड नरेश बाजार अमित थ्रेड में काम करने के लिए सेल्सगर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9827923507 **(39280)**

आवश्यकता है- बुजुर्ग दम्पति की देखरेख करने के लिए महिला केयर टेकर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान बिलासपुर सम्पर्क करें-9243530500 **(39281)**

आवश्यकता है- साफ सफाई हेतु लड़के-2, गेस्ट हाउस में ऑफिस कार्य हेतु लड़का-1 (रहने खाने की सुविधा) एवं एक खाना बनाने वाली बाई पता- रामा मैग्नेटो मॉल के सामने बिलासपुर 8839169907, 8988888542 **(39283)**

आवश्यकता है- च्वाईस सेन्टर में कम्प्यूटर कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रवाल च्वाईस सेन्टर शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 7000657421, 8871646464 **(39275)**

आवश्यकता है- ड्राईवर स्विफ्ट एवं वेन हेतु 10वीं पास (जो आफिस, घर का कार्य भी कर सकें) एवं हेड मिस्ट्रेस/ महिला चपरासी चाहिए पता- BBVM स्कूल कस्तूरबा नगर बिलासपुर 9300654801 (व्हाट्सएप) 9755854925 **(1430)**

आवश्यकता है- मंगला निरवाना होम्स कॉलोनी में सिक्यूरिटी गार्ड- 2पद एवं बगीचे की देखभाल हेतु अनुभवी, मेहनती फुल टाइम माली- 2पद की आवश्यकता है रहने, बिजली, पानी की सुविधा सम्पर्क- 7470628618, 9301909249 **(1432)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 18 से 30वर्ष की लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- श्याम लाल चतुर्वेदी रोड, संजीवनी हॉस्पिटल के सामने बिलासपुर 9770985199, 8815960938 **(388)**

आवश्यकता है-एरिया सिक्युरिटी ऑफिसर (ASO) सुरक्षागार्ड, की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247247744, 9981210369 **(39258)**

आवश्यकता है-रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए अनुभवी साईट इंजीनियर्स की तत्काल आवश्यकता है। योग्यता-इलेक्ट्रीकल डिप्लोमा /ITI या समकक्ष, आकर्षक वेतन, इंसेंटिव योग्यता अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- 9826470688 **(39256)**

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में एक शैफ साउथ इंडियन डिश बनाने हेतु, एक आल राउंडर शैफ, हेल्पर लड़के, लड़कियों चाहिए वेतन योग्यता अनुसार पता- ब्रदर्स कैफे एंड रेस्टोरेंट सीपत चौक बिलासपुर 9109457955, 7583004411 **(39268)**

आवश्यकता है- सिक्यूरिटी एजेन्सी में सुरक्षा गार्ड का कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड की आवश्यकता है कार्य स्थल जिला बिलासपुर है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेज बिलासपुर 9981630084, 9425534940 **(39270)**

आवश्यकता है- मोपका में रंग, पेन्ट दुकान में काम करने के लिए सुपरवाइजर, कम्प्यूटर आपरेटर एवं वर्कर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9826106448 **(39272)**

आवश्यकता है- चिल्हर दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कम्प्युटर आपरेटर लड़के लड़कियां चाहिए वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें पराग मेडिकोज शीतला मंदिर के पास मेनरोड तारबहार बिलासपुर मो. 7974541351, 8770297553 **(39276)**

आवश्यकता है-राजीव प्लाजा और लिंक रोड बिलासपुर स्थित कपड़ा शो रूम मे काम करने हेतु सेल्स मेन, हेल्पर की आवश्यकता है सेलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क 9303070901 **(39265)**

आवश्यकता है- पद जूनियर केमिस्ट योग्यता B.Sc. (Honors) in Chemistry, फ्रेशर से 2वर्ष तक का अनुभव। पुरुष/ महिला दोनों आवेदन कर सकते है। पता- श्याम फेरो, इंडस्ट्रियल एरिया खरमोरा कोरबा 97557 85037, 9827921986 **(20981)**

आवश्यकता है- पेन्ट दुकान में बिजी एवं टैली कम्प्यूटर में काम करने हेतु फीमेल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बजाज पेन्ट पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 8871887871 **(1433)**

आवश्यकता है- हॉस्टल में साफ सफाई के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9340969592, 7828803577 **(1434)**

आवश्यकता है- होटल नटराज में काम करने हेतु अनुभवी हाऊस कीपिंग/ वेटर की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000 तक सम्पर्क करें- 9977861508 **(39237)**

आवश्यकता है-अम्मा जी ट्रेडर्स बिलासपुर में सेल्स मार्केटिंग कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है सैलरी+ कमीशन+ पेट्रोल सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 6266732985, 9685138652 **(346)**

आवश्यकता है- प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 8602002511, 8234976143 **(39274)**

आवश्यकता है- Reliance Jio 5-G कंपनी में पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798544556, 9296821428 **(1243)**

आवश्यकता है-14 चक्का डाला बॉडी एवं 18 चक्का ट्रेलर चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है वेतन 30000+, हैवी ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 9685758881, 8889655533, 7000056718 **(39257)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए प्यून (चपरासी) को आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज बृहस्पति बाजार के पास बिलासपुर 7987972716 **(39259)**

आवश्यकता है-साउथ इंडियन फूड रेस्टोरेन्ट सफाई देखरेख हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है रहना खाना फ्री, कार्य समय सुबह 7बजे से शाम 8बजे (दोपहर में रेस्ट भी मिलेगा) सम्पर्क करें- 9098809714 **(39260)**

आवश्यकता है-फोर व्हीलर वर्कशॉप में लड़के/ लड़कियों, सुपर डिजायनर, कम्प्यूटर ऑपरेटर सेल्समैन प्यून चाहिए वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- बालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज मगरपारा रोड बिलासपुर **(39197)**

आवश्यकता है- ऑफिस में रिसेप्शनिस्ट, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं ड्राइवर की आवश्यकता है बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें। सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक, बिलासपुर 6263077177 **(39267)**

आवश्यकता है-पेन, पेन्सिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9631470837 **(757)**

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000 फील्ड ऑफिसर 15000 कम्प्यूटर ऑपरेटर 3, सुरक्षा गार्ड 56, वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, FF-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019 **(348)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर संपर्क करें:- कुडुदंड अरुण आइसक्रीम के पास बिलासपुर मो. 7477050427 **(392)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 7870192397, 779688012 **(385)**

आवश्यकता है- रायपुर पेट्रोल पंप पर कर्मचारियों की अगर परिवार एवं ग्रुप इकट्ठा काम करें तो रहने की सुविधा संपर्क करें:- 9098349144 बाई एवं सफाई कर्मी भी संपर्क करें **(396)**

आवश्यकता है-एक प्रतिष्ठित संगठन को अनुभवी लोगों की आवश्यकता है (1) इलेक्ट्रीशियन (इलेक्ट्रीकल इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस एवं ट्रेबल शूटिंग, तकनीकी कार्यों में दक्षता, जिम्मेदारी, अनुभवी) (2) सिविल साइट सुपरवाइजर (साइट संचालन व सिविल कार्यों की निगरानी गुणवत्ता नियंत्रण एवं ड्रॉइंग पढ़ने की क्षमता टीम समन्वय, 2-3 वर्ष अनुभवी) (3) चपरासी कार्यालय एवं फील्ड सपोर्ट कार्य ईमानदार समय निष्ट एवं अनुशासित अनुभवी योग्य अभ्यर्थियों को आकर्षक वेतन। बायोडाटा भेजे- 7970010958 **(390)**

आवश्यकता है- रायपुर पेट्रोल पंप में पार्ट टाइम शाम (5:30 से 11:30) एवं नाइट ड्यूटी लड़के लड़कियों की, बैक ऑफिस अनुभवी एडवांस एक्सल के लिए उम्मीदवार चाहिए:- 9425522234 **(397)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन +बोनस +प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना सम्पर्क करें- 8770508791, 7225815090 **(801)**

आवश्यकता है-ऑफिस में टेलीकॉलिंग हेतु 18-30 वर्ष की लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है (समय 10-5.30) सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- नेहरू नगर छत्तीसगढ़ स्कूल के पास- 7724048046, 8962819734 **(389)**

आवश्यकता है- अनुभवी म्यूचुअल फण्डस फाइनेंशियल संबंधित कार्य हेतु सेल्स मार्केटिंग एक्जीक्युटिव की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समपर्क करें 9753122222 **(4044)**

बेचना है

बेचना है- तिफरा यदुनंदन नगर में बाजार चौक के पास स्थित नया मकान 1BHK ग्राउन्ड फ्लोर का बिजली पानी सर्वसुविधायुक्त मकान बेचना है संपर्क करें 9340699166 **(39277)**

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 8839455596, 7697644444 **(38649)**

बेचना है- भाटिया रेजिडेंसी मंगला चौक के पास दूसरी मंजिल मे तीन बैडरूम हाल किचन दो लेटबाथ तीन बॉलकनी सहित सर्व सुविधा युक्त फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8839484617, 9827932070 **(39273)**

बेचना है- बिलासपुर सीपत में मेन रोड पर सीमांकन किया हुआ 8850 वर्ग फीट प्लॉट फ्रंट 150 फीट एक साथ या टुकड़े में रजिस्ट्री पश्चात डायवर्सन कर दिया जावेगा मो. 6399166000 **(39292)**

बेचना है- बिलासपुर रेलवे स्टेशन से 7KM दूर सिलपहरी में नेशनल हाईवे से लगा 47 डिसमिल 20500 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट बेचना है डबल रोड पर स्थित फ्रंट 300फीट सम्पर्क करें- 9111117776 9993079730 **(39289)**

बेचना है-नर्मदा नगर मेन रोड पर स्थित 3800 वर्गफुट पर निर्मित सर्व सुविधा युक्त नया तीन मंजिला मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 9977833810 **(39271)**

बेचना है- गांधी चौक, मधुबन में 2600 वर्गफुट, हेमू नगर 1000 वर्गफुट मोपका 1000 वर्गफुट में विभिन्न साइजो के टीएनसी प्लॉट एवं सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9516737611 **(1482)**

बेचना है-परसदा (सकरी) कोटा मोड़ दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से लगे सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान 26लाख एवं 3BHK मकान 27लाख में उपलब्ध हैं। बुकिंग कराने हेतु सम्पर्क करें- 9884261185, 9827404638 **(39217)**

बेचना है-ग्राम पंचायत निरतू महामाया पारा गौरव पथ से लगा हुआ 3045 वर्ग फीट डाइवर्टेड जमीन बेचना है खरीदार ही सम्पर्क करें- 9399733128, 9399865789 **(39248)**

बेचना है- घर बेचना है तार बाहर, इन्दिरा कॉलोनी, आटा चक्की, शीतला मन्दिर के पीछे 1970 वर्गफीट में बना मकान बेचना है कीमत 57 लाख, सम्पर्क करें- 9109232335 **(39288)**

किराया

किराया - रिंग रोड नम्बर 2 में कालिन्दी कुंज में स्थित 3BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराये से देना है शासकीय या बैंक अधिकारी कर्मचारी को प्राथमिकता संपर्क करें 9630407271, 8770659923 **(39285)**

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है।
क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है।
क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं हैं। ये खुरापाती नीम हकीमों से सावधान इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इन्नुनों थैरिपी पर आधारित केवल रस रसायन में ही है।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659, 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए — गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 9827114645, 9131139179 (मैरिज ब्यूरो क्षमा)

वधु चाहिए — बंगाली कायस्थ 33 वर्ष, हाइट 5'-7" एक प्रतिष्ठित कम्पनी (कोका कोला) नागपुर में कार्यरत हेतु सुयोग्य सुन्दर शिक्षित बंगाली कायस्थ वधु चाहिए :सम्पर्क करें:- 9530167919, 9826413593, 9165762781, 9755413048

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वुमेंस प्रीमियर लीग का शेड्यूल जारी, 2 शहर में 22 मुकाबले, मुंबई इंडियंस-आरसीबी के बीच पहला मैच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले के साथ होगी। डब्ल्यूपीएल 2026 के शेड्यूल की जानकारी देते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में आयोजित होगा। विमेंस प्रीमियर लीग 2026

में 9-17 जनवरी के बीच मुकाबले नवी मुंबई में खेले जाएंगे। इस दौरान 11 मुकाबले आयोजित होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में होंगे। इनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग की शुरुआत गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के साथ होगी। मुंबई इंडियंस डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस सीजन में उतर रही है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस खिताब को जीतने वाली दूसरी टीम है। गुजरात जायंट्स वडोदरा लेग की शुरुआत आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से करेगी, जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच होगा। 1 फरवरी को लीग स्टेज खत्म होने के बाद, एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें हिस्सा लेंगी। टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी।

टाइम टेबल

नवी मुंबई लेग:
9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग:
19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

गिल और अय्यर इंजरी के कारण बाहर, मैच दोपहर 1.30 से शुरू

आज से भारत-द.अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज, रोहित और कोहली की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶ रांची

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे, जिससे वह 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में खेलते हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के टेस्ट सीरीज हराने के बाद रोहित और कोहली की वनडे सीरीज जीतने के लिए कड़ी परीक्षा होगी। वहीं शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं।

केएल राहुल को कप्तानी की कमान

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कप्तान केएल राहुल के हाथों में सौंपी गई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं। साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार रविंद्र जडेजा भी वनडे टीम में नजर आने वाले हैं। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा होंगी। उनके ऊपर भी नजरें होंगी। क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 10 साल से भारत में कोई भी वनडे सीरीज नहीं जीती है।

बुमराह और सिराज को आराम

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है, जबकि नियमित कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। उनकी अनुपस्थिति न केवल टीम की बल्लेबाजी को कमजोर करती है, बल्कि कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और मुख्य कोच गंभीर को भी अपनी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाने के लिए बाध्य करती है। मध्यक्रम की पहेली और भी नाजुक है। प्रबंधन को यह तय करना होगा कि ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को चुना जाए या फिर नीतीश कुमार रेड्डी को। तिलक वर्मा ने खुद को भरोसेमंद बल्लेबाज साबित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में रखना चाहेगा।

विराट अपने नाम करेंगे खास रिकॉर्ड

कोहली ने द्विपक्षीय वनडे सीरीज के इतिहास में 196 पारियों में 9936 रन बनाए हैं। अगर कोहली इस मैच में 64 रन बना लेते हैं तो द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 10 हजार रन पूरे कर लेंगे और ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं, जिन्होंने 201 पारियों में 7669 रन बनाए हैं। बता दें कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोहली का वनडे रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अभी तक साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 65.39 की औसत से 1504 रन बनाए हैं, इस दौरान वह पांच शतक लगाने में कामयाब रहे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर रोहित

रोहित अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले मैच में रोहित शर्मा के पास एक खास उपलब्धि को अपने नाम करने का मौका होगा। रोहित इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक सिर्फ 13 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को अपने नाम कर पाए हैं। 98 रन बनाते ही वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 20000 रन बनाने वाले भारत के चौथे और दुनिया के 14वें क्रिकेटर बन जाएंगे। भारत के लिए यह कारनामा अभी तक सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने ही हासिल किया है।

इंग्लैंड को ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले लगा झटका, मार्क वुड दूसरे मुकाबले से बाहर

पर्थ। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में खेले थे। इस मुकाबले में इंग्लैंड को दो दिन के अंदर सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। मार्क वुड का यह नौ महीनों के अंदर पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

साथ ही अगस्त 2024 के बाद उनका पहला टेस्ट था। मार्च 2025 में घुटने की चोट के बाद से वह क्रिकेट से दूर थे। इससे पहले भी वह चोटों की वजह से नहीं खेल पा रहे थे। वुड ने पर्थ टेस्ट में दोनों पारियों में मिलाकर कुल 11 ओवर फेंके थे। लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। उन्हें फिटनेस से जुड़ी कोई समस्या नहीं है. इंग्लैंड टीम मैनेजमेंट सीरीज में आगे के खेल को देखते हुए वुड को चोटिल होने से बचाना चाहता है। इस वजह से उनके वर्कलोड का ध्यान रखा जा रहा है। वुड ने पर्थ मे पहले टेस्ट से पहले फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में बताया था कि वह सभी पांच टेस्ट नहीं खेलेंगे।

पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी

मलेशिया, नीदरलैंड ने की जीत से शुरुआत

एजेंसी ▶▶ मदुरै

मलेशिया और नीदरलैंड ने पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया।

मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए।

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा: अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

मांग-सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें।
जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए। , यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.
उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए। . ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।
सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्रं.	ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि	मांग सूचना तिथि	बंधक संपत्ति का विवरण
	(ब)	(स)	(द)	(इ)
01.	उधारकर्ता:- श्रीमान चौबे अंशू पिता श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, मकान खसरा क्र. 512/15, खसरा क्रमांक-512/15, प.ह.नं. 37, मौजा गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 4, यतियतन लाल वार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. उधारकर्ता:- श्रीमान चौबे अंशू पिता श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, जनता-397, जनता कॉलोनी रोड, कमेटी हॉल के पास, जनता कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़,492009. उधारकर्ता:- श्रीमान चौबे अंशू पिता श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमि. पहली मंजिल, ब्लॉक ए1, पुजारी चैंबर, एनएच-43, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छत्तीसगढ़,492001. सह-उधारकर्ता:-श्रीमती चौबे जिज्ञासा, पति श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, मकान खसरा क्र. 512/15, खसरा क्रमांक-512/15, प.ह.नं. 37, मौजा गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 4, यतियतन लाल वार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. सह-उधारकर्ता:-श्रीमती चौबे जिज्ञासा, पति श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, जनता-397, जनता कॉलोनी रोड, कमेटी हॉल के पास, जनता कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़,492009. सह-उधारकर्ता:-श्री चौबे हनी पिता स्व. श्री चौबे तारकेश्वर, मकान खसरा क्र. 512/15, खसरा क्रमांक-512/15, प.ह.नं. 37, मौजा गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 4, यतियतन लाल वार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़,492001. सह-उधारकर्ता:-श्री चौबे हनी पिता स्व. श्री चौबे तारकेश्वर, जनता-397, जनता कॉलोनी रोड, कमेटी हॉल के पास, जनता कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़,492009.	₹ 39,68,846/- as on 31-10-2025	14 नवम्बर-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली भूमि, अनुक्रमांक क्रमांक 831, खसरा क्रमांक 512/1, मौजा-गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 04, यतियतन लाल वार्ड, प.ह.नं.-108/37. तानिमं-रायपुर-5, तह. एवं जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़।
02.	उधारकर्ता:- श्री आनंद अभिषेक, पिता श्री आनंद विपिन, अविनाश वुड्स, ब्लॉक बी, फ्लैट-बी-106, फ्लोर-1, स.क्र., खसरा नंबर 26/7-8, मौजा-कांगोली, तह.-जगदलपुर, जिला-बस्तर, छत्तीसगढ़, 494001. उधारकर्ता:- श्री आनंद अभिषेक, पिता श्री आनंद विपिन, 32/ख, जैन घेरा, डॉ. अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 40, बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, 494001. उधारकर्ता:- श्री आनंद अभिषेक, पिता श्री आनंद विपिन, मैं. गर्व से कहो हम चटोरे हैं, बिनाका मॉल, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ 494001. सह-उधारकर्ता:- श्रीमती आनंद मंजूषा, पति श्री आनंद विपिन, अविनाश वुड्स, ब्लॉक बी, फ्लैट-बी-106, फ्लोर-1, स.क्र., खसरा नंबर 26/7-8, मौजा-कांगोली, तह.-जगदलपुर, जिला-बस्तर, छत्तीसगढ़, 494001. सह-उधारकर्ता:- श्रीमती आनंद मंजूषा, पति श्री आनंद विपिन, श्री आनंद विपिन, 32/ख, जैन घेरा, डॉ. अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 40, बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, 494001.	₹ 27,57,810/- as on 31-10-2025	14 नवम्बर-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली अपार्टमेंट नंबर 106, ब्लॉक बी 'अविनाश वुड्स' प्रथम तल, मौजा-कांगोली, वार्ड नंबर 36, गुरु गोविंद सिंह वार्ड, पी.सी. नंबर 03, तहसील-जगदलपुर जिला-बस्तर, छत्तीसगढ़.
03.	उधारकर्ता:- श्री जायसवाल नवनीत, पिता श्री जायसवाल राजेंद्र, प्लॉट 03, खसरा 11/59, प.ह.नं. 15/20, मौजा कातुलबोड़, मकान नंबर 59, हरि नगर वार्ड, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001. उधारकर्ता:-श्री जायसवाल नवनीत, पिता श्री जायसवाल राजेंद्र, प्लॉट नंबर 23, बाबा फरीद नगर, गायत्री नगर, नागपुर, महाराष्ट्र 440030. उधारकर्ता:- श्री जायसवाल नवनीत, पिता श्री जायसवाल राजेंद्र, स्पाइस मनी लिमिटेड, ए-22,ना, रेलवे स्टेशन, मोइन नगर, नागपुर, महाराष्ट्र 440030.	₹ 25,89,208/- as on 31-10-2025	14 नवम्बर-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली भूमि, प्लॉट नंबर 03, खसरा नंबर 11/59, मौजा-कातुलबोड़ वार्ड नंबर 59, प.ह.नं.-15/20, तानिमं-दुर्ग 1, तह. एवं जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़।

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।
यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।
उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : रायपुर, जगदलपुर, दुर्ग
दिनांक : 30.11.2025
पंजीकृत पता- एचडीएफसी बैंक हाउस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर परेल (पश्चिम), मुंबई-400020
कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

फीफा विश्व कप

फाइनल ड्रॉ का बॉयकॉट करेगा ईरान यूएस ने किया वीजा देने से इनकार

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान की फुटबॉल फेडरेशन 2026 फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल ड्रॉ का बहिष्कार करेगी। यह ड्रॉ 5 दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी में निर्धारित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान प्रतिनिधिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। फेडरेशन के प्रवक्ता आमिर मेहदी अलावी ने बताया कि यह फैसला आवश्यक पूछताछ, आंतरिक चर्चाओं और खेल एवं युवा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से परामर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे खेल भावना के विपरीत बताया है। आमिर मेहदी अलावी ने स्पष्ट किया है उन्होंने फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो समेत उनके अधिकारियों को वीजा के मुद्दे के बारे में बता दिया गया है।

हेड कोच समेत चार सदस्यों को मिला वीजा

रिपोर्ट के मुताबिक, अलावी ने बताया है कि फीफा ने इस मामले को गंभीरता से लेने का वादा किया है। वीजा देने से इनकार करने के बाद फेडरेशन के अध्यक्ष समेत कई खास लोगों पर इसका असर पड़ा है। हालांकि, पुरुषों की नेशनल टीम के हेड कोच आमिर घालेनोई समेत चार सदस्यों को वीजा मिल गया है। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी। फुटबॉल का यह महाकुंभ 19 जुलाई तक खेला जाएगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। इन टीमों को चार-चार के 12 ग्रुप में बांटा जाएगा। इसे यूनाइटेड स्टेट्स, कनाडा और मेक्सिको मिलकर होस्ट करेंगे। ऐसा पहली बार है जब यह टूर्नामेंट तीन देशों में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज के बाद हर ग्रुप से टॉप दो टीमें, साथ ही आठ सबसे ऊंची रैंक वाली तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें, एक बड़े नॉकआउट फेज में जाएंगी, जिससे पिछले एडिशन की तुलना में एक बड़ा और ज्यादा कॉम्पिटिटिव एलिमिनेशन ब्रैकेट बनेगा।

विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति ने जीता गोल्ड, नटराज का पूल में दबदबा

नई दिल्ली। शिवाजी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहीं विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) के पांचवें दिन कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। पूल में ओलंपियन श्रीहरि नटराज और भव्या सचदेवा ने बेंगलुरु की जैन यूनिवर्सिटी को दबदबा बनाए

रखने में मदद की, जिससे तैराकी स्पर्धा अभियान 27 स्वर्ण पदक के साथ खत्म हुआ। यूनिवर्सिटी ने तैराकी की नौ स्पर्धाओं में आखिरी दिन सात स्वर्ण पदक जीते। जैन यूनिवर्सिटी 45 पदक (27 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी 22 स्वर्ण के साथ दूसरे और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 21 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। उन्नीस साल की अदिती ने जिन भी खेलो इंडिया युवा खेलों में हिस्सा लिया है, उन सभी में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर केआईएसजी में शानदार शुरुआत की। नटराज पूल में आखिरी दिन के स्टार रहे। उन्होंने 100 मी फ्रीस्टाइल में 52.30 सेकेंड के समय के साथ और 50 मी बैकस्ट्रोक (26.53 सेकेंड) में स्वर्ण पदक जीता। फिर अपने साथियों के साथ मिलकर 400 मी मेडले मिश्रित रिले में शामिल होकर नौ स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ समापन किया।

कोल इंडिया

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

आम सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल दीपका क्षेत्रांतर्गत दीपका विस्तार परियोजना हेतु ग्राम मलगांव के निम्नलिखित प्रभावित भू-विस्थापित एवं उनके द्वारा नामित आश्रित उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति बाबत् प्रस्ताव प्रेषित किया जाना है। प्रस्ताव में प्रभावित खातेदार/नामित आश्रित द्वारा संलग्न भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों में भिन्नता पाई गयी है। विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम						नामांतरण पंजी/फौती नामांतरण	खाता नं. /अर्जित खसरा नं.	कुल अर्जित भूमि		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम पिता का नाम एवं जन्मतिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम एवं पिता का नाम एवं जन्मतिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजों में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) (आधार कार्ड के अनुसार)
	पत्रक V व VI के अनुसार	बी 1 (2001-02) के अनुसार	पी-।। के (1996-97 से 2000-01) के अनुसार	बी 1 (2023-24) के अनुसार	पी-।। के (2020-21) के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रशीद के अनुसार			हे.मे	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह कंवर	ना.बा. बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह बली धरम सिंह	ना.बा. बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह बली धरम सिंह	शालिनी कंवर पिता बलराम, दामिनी कंवर पिता बलराम, इंदिरा कंवर पति स्व बलराम, कृष्ण मलणीपाल सिंह पिता धरम सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह	शालिनी कंवर, दामिनी कंवर पिता बलराम इंदिरा कंवर पति बलराम, कृष्णमणिपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह	इंदिरा कंवर पति स्व बलराम सिंह, कृष्णमणिपाल सिंह कंवर पिता धरम सिंह कंवर, शालिनी कंवर पिता स्व बलराम सिंह, दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह	धरम सिंह, कृष्णमणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह	खाता नं.- 122 खसरा नं.- 554/8, 555/2, 557/5, 558/15	0.373	0.92	1. आधार कार्ड- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर 2. निवास प्रमाण पत्र- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर 3. जाति प्रमाण पत्र- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर 4. वंशवृक्ष- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह 5. शिक्षणिक प्रमाण पत्र- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर	दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर जन्मतिथि- 12.11.1998 (दसवीं अंकसूची के अनुसार)	दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह कंवर तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर पढ़ा एवं समझाया जावे। अतः किसी भी संबन्धित व्यक्ति को उक्त व्यक्तियों के पहचान पर कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा आपत्ति अमान्य होगी।

महाप्रबंधक, एसईसीएल, दीपका क्षेत्र

धरती का सबसे विषैला सांप, एक दंश में ले सकता है 100 लोगों की जान

एजेंसी ▶▶| पश्चिम चम्पारण

सांप एक ऐसी प्रजाति है जो बिना जहर से लेकर इतना जहरीला होता है कि अगर दंश कर ले तो जान बचाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे ही एक सांप के बारे बताने जा रहे हैं। वैसे तो दुनियाभर में सांपों की करीब 3900 प्रजातियां पाई जाती हैं, लेकिन आज हम आपको जिस सांप के बारे में बता रहे हैं उसे धरती का सबसे जानलेवा सांप माना जाता है। गनीमत इस बात की है कि यह सांप सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही पाया जाता है।

दुनियाभर में सांपों की करीब 3900 प्रजातियां

विशेषज्ञों की माने तो यह सांप कोई और नहीं, बल्कि इन्लैंड टाइपेन है। पिछले 25 वर्षों से वाइल्ड लाइफ पर काम कर रहे एक्स्पर्ट अभिषेक बताते हैं कि इन्लैंड टाइपेन एक लंबे और पतले शरीर वाला सांप है। विषैले सांपों की सूची में सबसे ऊपर रहने वाले इस सांप को अंतर्देशीय टाइपेन के नाम से भी जाना जाता है। इन्लैंड टाइपेन की विषाक्ता का अनुमान आप कुछ ऐसे लगा सकते हैं कि इसकी एक बाइट से निकलने वाली विष 100 लोगों की जान बड़ी आसानी से ले सकती है।इस सांप के विष की घातकता जमीन पर पाए जाने वाले अन्य सभी सांपों की तुलना में सबसे अधिक होती है।

न्यूरोटॉक्सिक और हीमोटॉक्सिक वेनम से लैस

बकौल अभिषेक, इन्लैंड ताइपेन के विषग्रंथों में न्यूरोटॉक्सिक और हीमोटॉक्सिक दोनों ही विष पाए जाते हैं। जहां न्यूरोटॉक्सिक खून में मिलते ही तंत्रिका तंत्र को डैमेज करने लगता है, वहीं हीमोटॉक्सिक खून में मिलते ही उसे जेली की तरह जमा कर थक्के बनाने लगता है। खून के थक्के बनने की वजह से शरीर अलग अलग हिस्सों से फटने लगता है और पीड़ित की बेहद दर्दनाक मौत हो जाती है।

10 मिनट में मौत पक्की

सबसे भयावह बात यह है कि इसके दंश के बाद इलाज के लिए पीड़ित को सिर्फ 10 मिनट का समय मिलता है।10 मिनट के बाद पीड़ित की स्थिति बिगड़ने लगती है और वह धीरे धीरे मौत के मुंह में चला जाता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन्लैंड ताइपेन अपने एक दंश में 44 से 45 मिलीग्राम तक विष छोड़ता है, जो भारत में पाए जाने वाले गेहूंवन और किंग कोबरा से बेहद कम होता है, लेकिन इसके विष की प्रबलता इतनी घातक होती है कि 15 मिनट से भी कम समय में पीड़ित की जान ले सकता है।

124 साल से हवा में लटककर चल रही यह ट्रेन, द्वितीय विश्व युद्ध के भारी हवाई हमलों के बाद भी नहीं रुकी

ढुनिया में एक अनोखी ट्रेन ऐसी भी है जो जमीन पर नहीं, बल्कि हवा में लटककर चलती है। तकनीक और इंजीनियरिंग का ये कमाल आज भी लोगों को हैरान कर देता है। जर्मनी के वुप्पर्टल शहर में 1901 से चल रही श्वेबेबान ढुनिया की सबसे पुरानी सस्पेंशन ट्रेन है जो पटरियों से नीचे लटककर हवा में तैरती हुई चलती है।

124 सालों से यह ट्रेन नदी और सड़कों के ऊपर से गुजरती है और पहिए ऊपर की पटरी को पकड़ते हैं जिससे उल्टी चलने का भ्रम होता है। कहते हैं कि 1880 के दशक में वुप्पर्टल कपड़ा उद्योग की वजह से तेजी से बढ़ रहा था लेकिन वुप्पर नदी की घाटी में पारंपरिक रेल या ट्राम बनाना नामुमकिन था। शहर को ऐसे ट्रांसपोर्ट की जरूरत थी जो जमीन पर जगह न ले इसलिए हवा में लटकाने का आइडिया आया।

श्वेबेबान ट्रेन किसने डिजाइन की?

इंजीनियर और व्यापारी यूजेन लैंगन ने यह अनोखा सस्पेंशन रेलवे आइडिया दिया जो पहले माल ढोने के लिए इस्तेमाल कर चुके थे। शहर ने तुरंत मंजूरी दी और 1898 में निर्माण शुरू होकर 1901 में ट्रेन जनता के लिए खोल दी गई। 1901 में जर्मनी के सम्राट विल्हेम द्वितीय ने अपनी पत्नी के साथ श्वेबेबान की पहली यात्रा की इसलिए शुरुआती डिब्बे को कैसरवेगन नाम दिया गया।

द्वितीय विश्व युद्ध में श्वेबेबान को क्या हुआ?

द्वितीय विश्व युद्ध में 1943-45 के भारी हवाई हमलों से नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ लेकिन 1946 के ईस्टर तक पूरा मार्ग फिर से चालू हो गया। यह इसकी जबरदस्त मजबूती और इंजीनियरिंग का कमाल दिखाता है।

श्वेबेबान कितने स्टेशन और कितनी स्पीड है?

यह ट्रेन 20 स्टेशनों को कवर करती है और पूरी यात्रा सिर्फ 35 मिनट में पूरी कर लेती है जबकि कुछ हिस्सों में जमीन से 30 फीट ऊपर चलती है। खिड़की से बाहर देखो तो पूरा शहर पोस्टकार्ड जैसा लगता है।

रोज 80 हजार यात्री करते हैं सफर

आज भी श्वेबेबान रोज 80 हजार से ज्यादा लोगों को ले जाती है और कई बार मॉडर्नाइजेशन के बाद भी मूल स्ट्रक्चर वही है। यह वुप्पर्टल शहर का प्रतीक है और टूरिस्ट्स के लिए सबसे बड़ा अट्रैक्शन बना हुआ है।

दुनिया में सस्पेंशन ट्रेन कहां कहां है?

आज दुनिया में सिर्फ जर्मनी और जापान जैसे कुछ देशों में सस्पेंशन रेलवे है लेकिन सबसे पुरानी और सबसे बेहतरीन वुपर्टल श्वेबेबान ही है। 124 साल बाद भी यह समय की हर कसौटी पर खरी उतर रही है।

इस सांप का नाम घोड़ा पछाड़ क्यों...! क्या यह सच में घोड़े से भी तेज भागता है ?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के सबसे ज्यादा जहरीले जीव सांप है लेकिन क्या आपको पता है दुनिया में एक सांप ऐसा है जिसे घोड़ा पछाड़ नाम से जाना जाता है। घोड़ा पछाड़ का मतलब यह नहीं कि वह सांप को पछाड़ देता है बल्कि यह दौड़ में घोड़े को पीछे छोड़ देता है । यह सांप जहरीला तो बिल्कुल नहीं होती है, लेकिन घोड़े की स्पीड से भागता है।

दुनिया के सबसे जहरीले जीव : दुनियाभर में सांपों की 3500 हजार से ज्यादा प्रजाति मौजूद हैं। इनमें कई सांप बहुत जहरीले होते हैं, जिनके जहर से इंसान की कुछ ही समय के भीतर जान जा सकती हैं, लेकिन कुछ बिना जहर के भी सांप होते हैं।

घोड़े जैसी स्पीड वाला सांप : दुनिया के लगभग सभी सांपों का रंग और साइज अलग-अलग देखने को मिलता हैं लेकिन यहां एक ऐसे सांप के बारे में बता रहे है, जिसकी स्पीड का मुकाबला सीधा घोड़े से होता हैं।

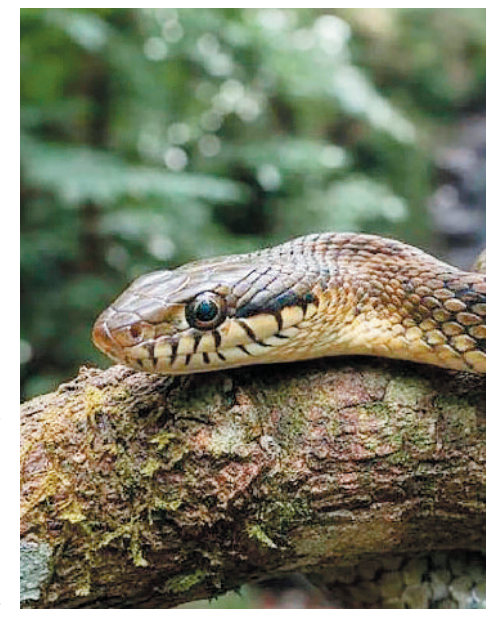

क्या खाता है यह सांप

इन सांपों के पास तेज रफ्तार होने की वजह से लोग घोड़ा पछाड़ कहते हैं। इन सांपों की लंबाई लगभग 8 से लेकर 10 फीट होती है। लेकिन रेट स्नेक सांप बिल्कुल भी जहरीला नहीं होता है और यह चूहे या अन्य छोटे जीवों का अपना शिकार बनाते हैं।

यह सांप अपने आसपास इंसानों की मौजूदगी का अहसास करने पर वहां से भाग जाते हैं। यह सांप अक्सर घरों, खेतों या जंगलो में आसानी से नजर आ जाते है। बारिश के दिनों घोड़ा पछाड़ सांप सबसे ज्यादा दिखते हैं।

घोड़ा पछाड़ सांप के बारे में

ढुनिया के अनेक हिस्सों में पाए जाने वाले सांपों में से एक सांप को घोड़ा पछाड़ के नाम से जाना जाता है। यह सांप भारतीय उपमहाद्वीप में देखने को मिलता है। इसे लोकल स्तर पर धामन और वर्ल्डवाइड रेट स्नेक के नाम से लोग जानते हैं।

सांप का घोड़ा पछाड़ नाम क्यों?

हां, लेकिन क्या आपके मन सवाल आया है कि इन सांपों को घोड़ा पछाड़ क्यों कहां है? क्या इसका घोड़ों के साथ कोई कनेक्शन हैं? दरअसल, ये सांप भागते बहुत तेज स्पीड से है।

चर्चगेट में कौन सा गेट और गोरेगांव में कौन सा गांव...? जानिए मुंबई के इन स्टेशनों के अजीबोगरीब नाम की वजह

भारतीय रेल पूरी दुनिया में एक बड़े नेटवर्क के रूप में जाना जाता है। भारत में रेलवे स्टेशनों के नाम तो वैसे एक से बढ़कर एक और चौंकाने वाले, हंसाने वाले होते हैं लेकिन कई ऐसे स्टेशन हैं जिनका नाम तो है मगर जिस कारण से उनका नाम है वह प्रतीक नहीं है। अगर मुंबई की लोकल ट्रेन में कभी सफर किया है, तो यहां के स्टेशन के नाम जैसे कुर्ला, चर्नी रोड या माटुंगा तो सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये नाम आखिर कैसे रखे गए? आइए इसकी कहानी जानते हैं।

गोरेगांव : इस स्टेशन का नाम गोरेगांव रखने की कई वजह बताई जाती है। जिनमें से कुछ लोगों मानना है कि यह जगह प्राचीन काल में एक बड़ा दूध उत्पादन केंद्र थी। यही वजह है कि गोरेगांव नाम रखा गया है।

वी. नालासोपारा : इसका नाम पुराने बंदरगाह शूर्पारका या सोपारा के स्थान पर रखा गया है जिन्हें भारत का सबसे पुराने बंदरगाह शहरों में से एक माना जाता है। जिनका इतिहास 1000 साल से भी ज्यादा पुराना है।

कांदिवली : कांदिवली जिसे पहले कभी खंडोली के नाम से जाना जाता है। यह रेलवे स्टेशन 1907 में चालू हुआ था। माना जाता है कि इसका खंड से आया है। जिसका मतलब होता है चट्टान का टॉप पार्ट, क्योंकि यहां पत्थर की खदानें थी। कुर्ला सेंट्रल लाइन के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक कुर्ला नाम कुरली से आया है। जो केकड़ों वहां लोकल नाम होता है क्योंकि ये आसपास के दलदलों में ज्यादा मात्रा में पाए जाते थे।

रेलवे स्टेशन चर्नी रोड (गिरगांव)

रेलवे स्टेशन का चर्नी नाम होने के पीछे दो वजहें बताई जाती है। पहला इसका मतलब चरने वाला, क्योंकि यहां एक जमाने घोड़े और मवेशियों के लिए चारागह हुआ करता था। वहीं दूसरा ठाने की जगह 'चंदनी' से लिया गया है. लेकिन अब इसका नाम बदलकर गिरगांव हो चुका हैं।

चर्चगेट रेलवे स्टेशन : मुंबई के सबसे एक्टिव स्टेशनों में से एक, चर्चगेट का नाम 1860 के दशक के मध्य में ध्वस्त किए गए पुराने चर्च गेट के नाम पर रखा गया था। यह उस जगह पर चर्च का एंट्री गेट था जहां आज फ्लोरा फाउंटेन स्थित है।

माटुंगा : माटुंगा शब्द मराठी शब्द मतंग या हाथी से लिया गया है, ऐसा कहा जाता है कि राजा भीमदेव की सेना के हाथी 12वीं शताब्दी के आसपास इस इलाके में तैनात थे। इसके साथ ही ब्रिटिश राज के वक्त माटुंगा एक तोपखाना स्टेशन हुआ करता था।

375 साल से छिपा था भारत से भी बड़ा महाद्वीप वैज्ञानिकों ने समुद्र के नीचे खोजा जीलैंडिया

एजेंसी ▶▶| लंदन

लगभग 400 सालों तक एक बहुत बड़ा डूबा हुआ इलाका जिसे आज जीलैंडिया कहते हैं प्रशांत महासागर के नीचे छिपा रहा। यह डूबा हुआ महाद्वीप लगभग 2 मिलियन वर्ग मील में फैला है और यह भारत से भी बड़ा और ऑस्ट्रेलिया के आकार का करीब दो-तिहाई है। फिर भी हाल तक यह नक्शों से गायब था और किताबों में भी इसका जिक्र नहीं था और वैज्ञानिक भी इस पर सहमत नहीं थे। 2017 में वैज्ञानिकों की एक टीम ने जीलैंडिया को आधिकारिक तौर पर एक महाद्वीप घोषित करके पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को चौंका दिया।

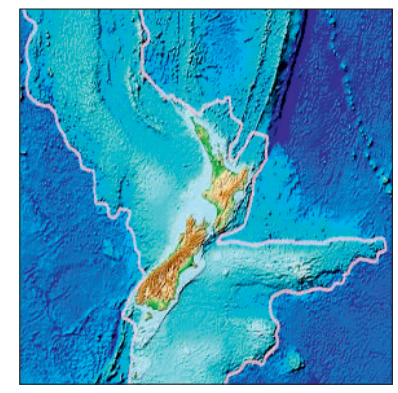

क्या है जीलैंडिया ?- यह कोई छोटा टुकड़ा या पठार नहीं है, बल्कि यह एक पूरा विकसित भूभाग है जिसकी अपनी महाद्वीपीय पपड़ी और गोंडवाना से जुड़ी बनावट है। यह खोज कोई अचानक मिली कामयाबी नहीं थी, इसके लिए दशकों तक सुराग जमा किए जा रहे थे जैसे चट्टानों के नमूने, जमीन की निचली मिट्टी के आंकड़े और गुरुत्वाकर्षण के नक्शे। जीलैंडिया की यह खोज अब सिर्फ भूवैज्ञानिकों की दिलचस्पी से कहीं बढ़कर है।

दुनिया के कुछ सनकी राजा और उनकी अजीब आदतें

नई दिल्ली। इतिहास में कई ऐसे राजा और शासक हुए हैं जिनकी आदतें इतनी विचित्र थीं कि वे आज भी लोगों को हैरान कर देती हैं। कुछ राजा सत्ता की ताकत दिखाते थे तो कुछ की आदतें व्यक्तिगत सनक से उपजीं थीं। इनकी आदतें, शौक व सनक ऐसी थीं जिनको पूरा करना असंभव काम था। कुछ राजाओं व शासकों की सनक पागलों से कम नहीं थी। कुछ राजा व शासक तो अपने शौक व सनक के कारण दिवालिया तक हो गए।

रोमन सम्राट कैलिगुला : 12-41 ईस्वी तक रोम पर राज करने वाले शासक कैलिगुला को अपने घोड़े से इंसिटाटस से इतना प्यार था कि उसने घोड़े को ही अधिकारी का पद दे दिया था। कैलिगुला अपने घोड़े को बिस्तर पर सुलाते थे और उसके लिए भव्य दावतें आयोजित करते थे। यही नहीं कैलिगुला खुद को देवता भी मानता था।

फ्रेडरिक विलियम प्रथम : फ्रेडरिक विलियम प्रथम 1688-1740 तक प्रशिया का राजा था। वह लंबे कद के सैनिकों का दीवाना था। उसने पोट्सडैम जायंट्स नाम की एक विशेष सेना बनाई थी जिसमें केवल 6 फुट से ऊपर के सैनिकों को भर्ती किया जाता था। इस शौक के लिए फ्रेडरिक विलियम यूरोप भर से लोगों को अगवा करवाता था।

रोमन साम्राज्य का सम्राट रुडोल्फ द्वितीय : रुडोल्फ को जादू-टोने और ज्योतिष का शौक था। वे अपने महल में विचित्र जानवरों का संग्रह रखते थे, जैसे कि शेर और चीते, और वैज्ञानिकों व कलाकारों को इकट्ठा करते थे। अपने शौक के प्रति रुडोल्फ द्वितीय की सनक ऐसी थी।

PRP/GFC तकनीक द्वारा गंजेपन का ईलाज
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt. #Rajesh

ओम हॉस्पिटल
प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक विभाग
• जलने के बाद की प्लास्टिक सर्जरी (Contractures)
• दुर्घटना मे कटे अंग तंतु और खून की नसों को जोडना
• कास्मेटिक सर्जरी • स्तनों की सर्जरी (Implant)
• मोटापे का ईलाज (लाइपोसक्शन)
• कटे होंठ एवं तालु का ईलाज • गंजेपन का स्थायी इलाज
• चेहरे के कैंसर का ईलाज (Maxillofacial Surgery)
• मुँह के कैंसर की प्लास्टिक सर्जरी
• कान बनाना, नाक बनाना, (अविकसित एवं चोट ग्रस्त)
• Hypospadias,Vaginoplasty, गुप्त स्थानो की सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
किडनी रोग विभाग
• किडनी फेलयर (ARF/CRF)
• डायलिसीस
• बच्चों की किडनी की समस्त प्रकार की बीमारी
• नेफ्रोटिक सिंड्रोम
• हाई बीपी (HIGH BP)
• PCNL
• AV FISTULA
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

कठिन समस्याएं अब न होंगी
सच्ची सहेली है बेहतर स्वास्थ्य के लिए सबसे भरोसेमंद औषधि एवं टॉनिक
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।
Helps in:
• कठिन दर्द • चिड़चिड़ापन
• थकान • कमजोरी
• कमर कटना • इम्यूनिटी
सच्ची सहेली®
24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास, 7722880844, 0788-2294440

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
हर मरीज की कहानी महत्वपूर्ण है - और हम इसे जीत की ओर ले जाते हैं।
कैंसर जीवन का अंत नहीं-
सही विशेषज्ञ, सही जगह, सही समय
संभव है पूर्ण इलाज।
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 07714081010

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com